WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक नव प्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 8 | छत्तीसगढ़ 11 | देश विदेश

बिलासपुर, रविवार, 30 नवंबर 2025 शुक्ल पक्ष-दशमी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 अंक- 220 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

पीएम की मौजूदगी में सिक्योरिटी सिस्टम के पहलुओं पर गहरी चर्चा

दो सत्रों में नक्सलवाद, आतंकवाद, नारकोटिक्स और संगठित अपराध के खिलाफ दिया जोर

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में डीजीपी-आईजीपी कॉन्फ्रेंस के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित भारत के सुरक्षा प्रमुखों ने सिक्योरिटी सिस्टम के अलग-अलग पहलुओं पर गहरी चर्चा हुई। यह इस फील्ड में बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन शेयर करने के लिए एक शानदार फोरम है। डीजीपी-आईजी सम्मेलन में देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत बनाने पर गहन विचार विमर्श शुरु हुआ। सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित शीर्ष सुरक्षा अधिकारी दो सत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।

सम्मेलन के पहले दिन देश के सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशनों की घोषणा की गई। गृहमंत्री श्री शाह ने दिल्ली के गाजीपुर थाना को देश का सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन घोषित करते हुए सम्मानित किया। वहीं अंडमान-निकोबार स्थित पहरगांव पुलिस स्टेशन को दूसरा और कर्नाटक के रायचूर जिले के कवितला पुलिस स्टेशन को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

थानों का मूल्यांकन 70 से अधिक श्रेणी-आधारित मानकों जैसे स्वच्छता, जनसंपर्क, केस डिस्पोजल, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा और लंबित मामलों की स्थिति के आधार पर किया गया था। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद गाजीपुर थाना प्रभारी यू. बाला शंकरन ने बताया कि पुलिसिंग के विभिन्न मानकों पर बेहतर प्रदर्शन और टीमवर्क के कारण गाजीपुर थाना शीर्ष पर पहुंचा।

पहले दिन के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रॉ प्रमुख पराग जैन और आईबी चीफ तपन डेका भी मंच पर मौजूद रहे। सम्मेलन में देश की आंतरिक स्थिति, खुफिया तंत्र को और प्रभावी बनाने तथा आने वाली चुनौतियों से निपटने की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा हो रही है।

महिलाओं की सुरक्षा और मॉडर्न पुलिसिंग

काउंटर टेररिज्म, लेफ्ट-विंग एक्सट्रीमिज्म (एलडब्लूई), साइबर क्राइम, नारकोटिक्स ट्रैफिकिंग, बॉर्डर मैनेजमेंट, डिजास्टर रिस्पॉन्स, महिलाओं की सुरक्षा और मॉडर्न पुलिसिंग में फोरेंसिक साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल जैसे मुद्दों पर डिटेल में बातचीत तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्र के दौरान देश भर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को उनके खास योगदान के लिए प्रेसिडेंट पुलिस मेडल भी देंगे।

सेफ इंडिया के लिए स्ट्रैटेजी बनाना

आईआईएम रायपुर में हो रहे पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक (डीजीपी-आईजीपी) के 60वें ऑल इंडिया कॉन्फ्रेंस के खास बिजनेस और समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। यह हाई-लेवल सालाना सिक्योरिटी कॉन्क्लेव डेवलप्ड इंडिया: सिक्योरिटी डाइमेंशन्स के लिए एक आगे का रोडमैप बनाने पर फोकस है। यह सत्र, जिसमें देश की टॉप पुलिस और इंटेलिजेंस लीडरशिप एक साथ आती है, इसका मकसद जरूरी इंटरनल सिक्योरिटी चुनौतियों पर हुए कार्यक्रम का रिव्यू करना और 'सेफ इंडिया के लिए स्ट्रैटेजी बनाना है।

शहर को एक सुरक्षित जोन में बदल दिया

कार्यक्रम के दौरान रायपुर को बहुत ज्यादा सुरक्षा कवर में रखा गया है। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी), एनएसजी कमांडो, सीआरपीएफ यूनिट और राज्य पुलिस की मल्टी-लेयर्ड सुरक्षा ने शहर को एक सुरक्षित जोन में बदल दिया है। खास जगहों पर ड्रोन से निगरानी, ट्रैफिक डायवर्जन और इंटेंसिव चेकिंग ड्राइव लागू किए गए हैं। पीएम मोदी अपने तीन दिन के स्टे के लिए शुक्रवार शाम को रायपुर पहुंचे थे। हाल के वर्षों में यह पहली बार है जब वह लगातार कई रातें छत्तीसगढ़ में बिता रहे हैं, जिससे इस दौरे का राजनीतिक महत्व और बढ़ गया है। पीएम शुक्रवार रात रायपुर पहुंचे और स्पीकर हाउस एम-1 में रुके। वहीं गृहमंत्री अमित शाह वित्त मंत्री आवास ■ शेष पृष्ठ 6

आज बेबाक

जिस आलिसान सरकारी बंगले को लालू परिवार अपनी जागीर समझकर बैठा था अब उसे खाली करने की नौबत आ गई है। इसी बंगले से इस परिवार ने पहले अपनी बड़ी बहु को और फिर बेटी को बेइज्जत करके बाहर निकाला था अब उससे लालू राबड़ी को निकलना पड़ेगा। इसे ही कहते हैं जैसी करनी वैसी भरनी। बहुत जल्द उन्हें अपना डेरा डंडा उठाकर और बेआबरू होकर अपने कूचे से निकलना होगा। वैसे रेलवे में नौकरी के बदले जमीन हथियाने के मामले में यदि सजा हुई तो उन्हें मुफ्त आवास के साथ फोकट की रोटी भी तोडऩे को मिल सकती थी।

अनुच्छेद 370 के हटने से सरदार पटेल का एकीकरण वाला सपना पूरा हुआ: जेपी नड्डा

वडोदरा(आईएएनएस)। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को गुजरात के वडोदरा में यूनिटी मार्च में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने सरदार गाथा को संबोधित करते हुए वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता बताया। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज जैसा भारत दिखता है, वह पटेल के राष्ट्र निर्माण के प्रयासों पर आधारित है। जेपी नड्डा ने कहा कि सरदार पटेल को राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में याद किया जाता है, लेकिन उनका सबसे बड़ा योगदान देश को एकजुट करने में था। उन्होंने हमारी प्राचीन सभ्यता के स्वप्न को दो वर्षों के भीतर साकार करने का कार्य पूरा किया। पटेल ने विकसित भारत की नींव रखी। उन्होंने पटेल के व्यक्तिगत त्याग पर प्रकाश डालते हुए याद दिलाया कि वह अहमदाबाद में एक सफल बैरिस्टर थे, फिर भी उन्होंने महात्मा गांधी के आह्वान पर एक आरामदायक जीवन त्याग दिया। नड्डा ने कहा कि उनका पूरा जीवन जन कल्याण के लिए समर्पित था।

चक्रवाती तूफान: कई जिलों में स्कूल और कॉलेज बंद

'दित्वाह': तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटीय क्षेत्रों में 'अलर्ट'

चेन्नई, (आईएएनएस)। श्रीलंका के तटीय क्षेत्रों और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'दित्वाह लगातार उत्तर दिशा में बढ़ रहा है और इसकी गति 7 किमी प्रति घंटे रिकॉर्ड की गई है। 30 नवंबर को चक्रवाती तूफान का असर उत्तर तमिलनाडु, पुडुच्चेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों पर दिखाई दे सकता है। इसको देखते हुए मौसम विभाग ने तटीय इलाकों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार रात 2:30 बजे तूफान का केंद्र 9.2 डिग्री उत्तर और 80.8 डिग्री पूर्व पर स्थित था, जो त्रिंकोमाली से 80 किमी उत्तर-पश्चिम और चेन्नई से लगभग 430 किमी दक्षिण में था। चक्रवाती तूफान के उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए 30 नवंबर को उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों के पास पहुंचने की संभावना है।

स्कूल-कॉलेजों को बंद

मौसम की गंभीरता को देखते हुए तमिलनाडु के कई जिलों में स्कूल-कॉलेजों को बंद रखने का फैसला लिया गया है। अरियालुर, तिरुची, तंजावुर और विलुप्पुरम जिलों में स्कूल बंद रखे गए हैं। वहीं कुड्डालोर, तिरुवारूर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुरै, ■ शेष पृष्ठ 6

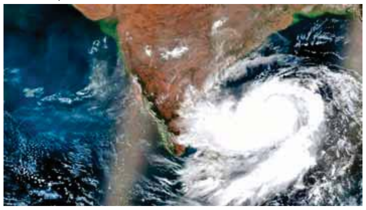

सरगुजा संभाग में घना कोहरा, उत्तर से आ रही हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

रायपुर-दुर्ग, बिलासपुर समेत कई जिलों में 3-4° तक लुढ़का तापमान

छत्तीसगढ़ में ठंड का दौर फिर लौट आया है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर सहित कई जिलों में रात का पारा 3-4 डिग्री तक लुढ़क गया है। सरगुजा संभाग के जिलों में शीतलहर जारी है। अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे विजिबिलिटी लगभग 100 मीटर पहुंच गई है। वाहन चालकों दिन में भी लाइट जलाकर चलना पड़ रहा है। इधर मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने डीप प्रेशर एरिया के कारण दक्षिण और मध्य हिस्सों (बस्तर, धमतरी, महासमुंद, रायपुर-बिलासपुर संभाग) में आज कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। पिछली रात से ठंड में वृद्धि हुई है। अगले 24 घंटों में तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है, हालांकि इसके बाद तीन दिन में तापमान 2-3 डिग्री तक बढ़ सकता है।

हेराल्ड केस: कोर्ट में ईडी की चार्जशीट पर फैसला टला, 16 को होगा आदेश

नई दिल्ली (आईएएनएस)। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने का फैसला टाल दिया। अब अदालत 16 दिसंबर को अपना आदेश सुनाएगी, हालांकि ईडी की जांच पर कांग्रेस की दलील थी कि यह राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। इस मामले में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम

पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत आरोपी बनाया गया है। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों पर गलत तरीके से कब्जा किया। एजेंसी का दावा है कि यह पूरी योजना महज 50 लाख रुपए में यंग इंडियन नाम की कंपनी के माध्यम से की गई। इस कंपनी में सोनिया और राहुल गांधी की अधिकांश हिस्सेदारी है। अदालत ने 7 नवंबर को आदेश सुरक्षित रखते हुए ईडी से कुछ अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांगे थे।

इंडिगो, एअर इंडिया की 338 फ्लाइट्स प्रभावित

नई दिल्ली। दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाले एयरबस के ए320 सीरीज के एयरक्राफ्ट्स पर तेज सोलर रेडिएशन का खतरा मंडरा रहा है। यह फ्लाइट कंट्रोल डेटा को खराब कर सकता है, जिससे एयरक्राफ्ट्स की ऊंचाई, डायरेक्शन, कंट्रोल जैसी बेहद अहम जानकारी गलत हो सकती है। इस तकनीकी खराबी से बचने के लिए फ्रांस की विमानन कंपनी एयरबस ने सभी एयरलाइन कंपनियों से उनके बेड़े में शामिल ए320 सीरीज के विमानों के सॉफ्टवेयर अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। इसके कारण दुनिया भर में 6,000 विमानों के ऑपरेशन पर असर पड़ सकता है।

डीके शिवकुमार से कोई मतभेद नहीं, मिलकर करेंगे काम: सिद्दारमैया

बेंगलुरु (आईएएनएस)। कर्नाटक में सीएम पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। हम एक हैं और 2028 के विधानसभा चुनावों के लिए मिलकर काम करेंगे। दरअसल सीएम सिद्दारमैया ने डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को बेंगलुरु स्थित अपने सरकारी आवास पर डीके शिवकुमार को नाश्ते पर बुलाया था। उप मुख्यमंत्री ने ब्रेकफास्ट की टेबल पर सीएम से कुछ देर चर्चा की। इसके बाद दोनों ने संयुक्त प्रेस वार्ता की। सीएम सिद्दारमैया ने कहा, हम साथ हैं। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। हाल के दिनों में कुछ कन्फ्यूजन पैदा हुआ है, इसलिए हम साथ बैठे और चर्चा की। हमारा मकसद 2028 के विधानसभा चुनाव और आगामी निकाय चुनाव जीतना है। हमने एक दूसरे से अपनी स्ट्रैटेजी पर चर्चा की। जैसे हमने 2023 के असेंबली इलेक्शन के दौरान साथ काम किया, वैसे ही हम भविष्य में भी साथ काम करते रहेंगे। हमारे बीच अभी कोई मारभेद नहीं है और भविष्य में भी नहीं होगा।

कांग्रेस ने जारी की 41 जिलाध्यक्षों की लिस्ट

रायपुर में मेनन, बिलासपुर में सिद्धांशु, सुकमा में हरीश-लखमा को जिम्मेदारी, 5 महिलाओं को भी मौका

रायपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने छत्तीसगढ़ में 41 जिलाध्यक्षों की लिस्ट जारी कर दी है। रायपुर सिटी से श्रीकुमार शंकर मेनन, रायपुर ग्रामीण से राजेंद्र पप्पू बंजारे, बिलासपुर शहर से सिद्धांशु मिश्रा और बिलासपुर ग्रामीण से महेंद्र गंगोत्री को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सुकमा में पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बेटे हरीश लखमा को कमान सौंपी गई है। 41 में से 25 नए जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। वहीं 16 जिलाध्यक्ष को दोबारा मौका मिला है। इनमें 13 ओबीसी, 4 एसटी, 5 एससी, 1 अल्पसंख्यक और 18 सामान्य वर्ग से हैं।

'विवादों में उलझना भारत के स्वभाव में नहीं, संघ प्रमुख ने भाईचारे पर दिया जोर'

नागपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव के दौरान कहा कि भारत का स्वभाव विवादों में उलझना नहीं है। बल्कि भाईचारे और सामूहिक सद्भाव पर जोर देना है। उन्होंने पश्चिमी देशों की राष्ट्र की अवधारणा से भारत के दृष्टिकोण को अलग बताते हुए कहा कि भारत 'राष्ट्रवाद' नहीं, बल्कि 'राष्ट्रीयता' शब्द का प्रयोग करता है। जो लोगों के आपसी जुड़ाव और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व से उपजी है। उन्होंने वैश्वीकरण को लेकर भी अपने विचार रखे और कहा कि भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' ■ शेष पृष्ठ 6

क्या बोले संघ प्रमुख भागवत?

संघ प्रमुख ने कहा कि हमारा किसी से कोई विवाद नहीं है। हम विवादों से दूर रहते हैं। विवाद करना हमारे देश के स्वभाव में नहीं है। एकजुट रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना हमारी परंपरा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य हिस्से संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में विकसित हुए हैं। भागवत ने कहा कि एक बार कोई मत बन जाने के बाद उससे अलग कोई भी विचार अस्वीकार्य हो जाता है। वे अन्य विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे 'वाद' कहकर पुकारने लगते हैं।

नवा रायपुर मेडिसिटी: मध्य भारत में स्वास्थ्य क्रांति की नई इबारत लिख रहा है छत्तीसगढ़

हेल्थकेयर हब बनने की दिशा आगे बढ़ रहा है अटल नगर

रायपुर/नवप्रदेश। स्वास्थ्य, शिक्षा और अनुसंधान किसी भी विकसित समाज की असली नींव होते हैं। भारत जब वर्ष 2047 के विकसित राष्ट्र के संकल्प की ओर तेजी से बढ़ रहा है, तब गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ हमारी प्रमुख प्राथमिकता बन चुकी हैं। इसी दृष्टि से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में विकसित की जा रही 'मेडिसिटी' परियोजना न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत में स्वास्थ्य सेवा के नए युग की शुरुआत कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में यह परियोजना देश की सबसे महत्वाकांक्षी और भविष्यगामी स्वास्थ्य पहल के रूप में ■ शेष पृष्ठ 6

भारत के विकसित भविष्य की मजबूत आधारशिला

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर में विकसित की जा रही मेडिसिटी मध्य भारत में स्वास्थ्य क्रांति की नई शुरुआत है। 200 एकड़ में विकसित हो रहा यह विशाल हेल्थकेयर सिटी आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ ही नहीं, ओडिशा, मध्यप्रदेश, झारखंड, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र सहित पूरे क्षेत्र को अत्याधुनिक, सुलभ और किफायती चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करेगा। 'नवा रायपुर मेडिसिटी' उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएँ, मेडिकल शिक्षा, अनुसंधान और मेडिकल टूरिज्म सभी को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराते हुए भारत के विकसित भविष्य की मजबूत आधारशिला बनेगी।

गरमा-गरम

डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस | नक्सलवाद, आतंकवाद, नारकोटिक्स और संगठित अपराध के खिलाफ जोर दिया

अगली कॉन्फ्रेंस से पहले नक्सल मुक्त होगा देश : अमित शाह

रायपुर/नवप्रदेश। भारत के केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में तीन दिवसीय 60वीं डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डीजीपी/आईजीपी कॉन्फ्रेंस समस्याओं के समाधान, चुनौतियों और रणनीतियों से नीति निर्धारण तक, देश की आंतरिक सुरक्षा के समाधान का फोरम बन कर उभरी है।

गृह मंत्री ने नक्सलवाद के समूल नाश के खिलाफ उठाए गए मोदी सरकार के एक्शनेबल प्वाइंट का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने विगत 7 वर्षों में 586 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन बनाकर सुरक्षा घेरे को मजबूत बनाया है। इसी का परिणाम है कि, 2014 में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, जो आज घटकर सिर्फ 11 रह गई है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि अगली डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस से पहले देश नक्सलवाद की समस्या से पूर्णतः मुक्त हो जाएगा। ■ शेष पृष्ठ 6

नारकोटिक्स और भगोड़ों के लिए मजबूत कानून बनाए गए

पिछले 40 साल से देश नक्सलवाद की समस्या का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि, देश के लिए नासूर बने 3 हॉटस्पॉट - नक्सलवाद, नार्थ-ईस्ट और जम्मू-कश्मीर की समस्या के निराकरण के लिए मोदी सरकार ने स्थायी समाधान दिया है और जल्द ही ये देश के बाकी हिस्सों जैसे बन जाएंगे। गृह मंत्री ने नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम कानूनों को सुदृढ़ बनाया गया। तीन नए आपराधिक कानूनों के साथ ही नारकोटिक्स और भगोड़ों के लिए मजबूत कानून बनाए गए हैं।

आयोग का कोलकाता पुलिस को निर्देश-

प. बंगाल सीईओ कार्यालय को तुरंत स्थानांतरित करें

कोलकाता (वार्ता) चुनाव आयोग ने शुक्रवार रात को कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा को एक नया निर्देश जारी किया है, जिसमें पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय को तत्काल प्रभाव से किसी सुरक्षित और उपयुक्त परिसर में स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया है। यह निर्देश हाल ही में सीईओ कार्यालय में हुई गंभीर सुरक्षा चूक के बाद आया है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कार्यालय के साथ-साथ नए स्थान पर भी पूरी तरह से फुल-प्रूफ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। तीन दिन में यह दूसरा पत्र है। सोमवार को 'बूथ लेवल ऑफिसर अधिकार रक्षा समिति' नामक एक संगठन के सदस्यों ने सीईओ कार्यालय में प्रदर्शन किया था, जिसे आयोग ने सुरक्षा की गंभीर चूक करार दिया है। ये लोग वर्तमान में चल रही मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अत्यधिक कार्यभार का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन कर रहे थे।

मोदी-शाह-साय ने कर दिया कमाल

सफल नहीं हुए चिदंबरम, वायएसआर, ममता, भूपेश के प्रयास, -छत्तीसगढ़ में अमन के फूल खिलाने का असंभव सा काम संभव होने लगा

रायपुर/नवप्रदेश। माओवाद आंदोलन जारी रहने के कारण 40 साल से बस्तर की छाती छलनी होती रही। नक्सलवाद का दंश झेल रहे छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में बीते ढाई दशकों में समस्या सुलझाने के प्रयास कई बार कई स्तर पर किये गए। लेकिन, समस्या का समाधान नहीं हो पाया। केंद्रीय गृहमंत्री, केंद्रीय रेल मंत्री से लेकर अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नक्सलियों से हथियार छोड़ने की अपील कई बार की। समझौते के लिये विभिन्न स्तरों पर बातचीत शुरू हुई लेकिन इसके बाद शांति वार्ता अटक गई। हर बार बातचीत की राह में मिलने वाली कामयाबी और दूर खिसकती चली गई। बम विस्फोट और गोलियों की तड़तड़ाहट से बस्तर सहित आसपास के राज्य दहलते रहे। फोर्स के जवानों, निरीह आदिवासियों समेत राजनीतिक दलें के नेता व कार्यकर्ताओं और नक्सलियों के खून से धरती लाल होती रही। काफी लंबे इंतजार के बाद 2025 में नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने की दिशा में बड़ी कामयाबी मिलने लगी है। देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक नक्सलवाद को समाप्त करने की उपलब्धि हासिल करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। दृढ़ इच्छा शक्ति और कुशल रणनीति के साथ सुरक्षा बलों की जाबांजी के कारण पिछले 40 साल में बेहद मजबूत हो चुका नक्सलवाद का किला अब ढहने लगा है। स्थिति यह है कि बस्तर में लगातार नक्सली हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौट रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जिस अंदाज में बातचीत के विकल्प सामने रखे और फोर्स के लगातार अटैक करने की रणनीति बनाई, उसके नतीजे शानदार रहे। शाह की रणनीति का ही यह कमाल रहा कि बस्तर में चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों ने नक्सलवाद की ताकत खत्म हो रही है। नक्सली या तो फोर्स के अटैक में मारे जा रहे हैं या फिर हथियार छोड़कर आत्म समर्पण कर रहे हैं।

20 साल से होते रहे प्रयास, सफलता अब मिली

वायएसआर ने आंध्र प्रदेश में किया था युद्धविराम

आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री (वाईएसआर) ने 14 मई 2004 को कहा कि पीपुल्स वार हिंसा रोक दे तो वे प्रतिबंध हटाने पर विचार करेंगे और बिना किसी पूर्व शर्त के बातचीत करेंगे। 4 जून 2004 को आंध्र प्रदेश के तत्कालीन गृह मंत्री के. जना रेड्डी ने शीर्ष नक्सलियों के खात्मे के लिए नकद पुरस्कार देने की राज्य नीति को समाप्त करने की घोषणा की और चार दिन बाद औपचारिक रूप से नक्सलियों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया। 16 जून को सरकार ने तीन महीने के युद्धविराम की घोषणा कर दी। भाकपा (माले) ने भी युद्ध विराम का आह्वान किया। इसके बाद मामला ठंडा पड़ गया।

शिबू सोरेन ने बातचीत का प्रस्ताव रखा

तत्कालीन मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने 18 जनवरी 2010 को पद की शपथ लेने के फौरन बाद नक्सलियों से बातचीत का प्रस्ताव रखा। सोरेन सरकार ने तलाशी अभियानों पर रोक लगा दी। माओवादियों ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाया लेकिन बातचीत शुरू होने से पहले कई शर्तें रख दी। कैदियों की रिहाई, ऑपरेशन ग्रीन हंट समाप्त करने और निरपराधों की हत्या में शामिल पुलिस अधिकारियों को दंडित करने की मांग की गई। ऑपरेशन ग्रीन हंट रोकने 72 दिनों के युद्धविराम की पेशकश की लेकिन, मुख्यमंत्री सोरेन ने साफ कह दिया कि हथियार छोड़ने के बाद ही बातचीत की जाएगी। इसके बाद दोनों पक्षों की बातचीत बंद हो गई।

ममता बैनर्जी ने केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री के तौर पर की बातचीत की पेशकश

2010 में तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री ममता बैनर्जी ने पश्चिमी मिदनापुर के झारग्राम में आयोजित एक रैली में माओवादियों से अपील करते हुए कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़ दें। ममता बैनर्जी ने यहां तक कहा कि वो उनसे हाथ जोड़कर हिंसा का त्याग करने और हथियार छोड़ने की अपील करती हैं। ममता ने कहा कि मैं आपके पैर भी छू सकती हूं, लेकिन भगवान के लिए बातचीत शुरू करें। भाकपा-माओवादी के नेता कोटेश्वर राव उर्फ किशन ने केंद्रीय रेल मंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर नक्सलियों की ओर से कहा कि पहले हथियार छोड़ने पर उनकी पार्टी कभी सहमत नहीं होगी। पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने 2011 में पद संभालने के बाद शांति वार्ता की तैयारी शुरू की। लेकिन उसी दौरान एक बड़े अभियान में माओवादी नेता किशनजी की हत्या से शांति वार्ता की संभावनाएं समाप्त हो गई।

चिदंबरम ने बनाया स्वामी अग्निवेश को मध्यस्थ

राष्ट्रीय स्तर पर नक्सलियों से शांति वार्ता के लिये मई 2010 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम ने मानवाधिकार कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश को मध्यस्थ बनाने की पहल की। जुलाई में यह वार्ता विफल हो गई। दरअसल इसी दौरान भाकपा (माओवादी) केंद्रीय समिति के सदस्य आज़ाद एक मुठभेड़ में मारे गए। आजाद को ही माओवादियों की ओर से बातचीत का नेतृत्व करना था।

रमन सिंह ने कई बार की महत्वपूर्ण पहल

नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिये तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के कार्यकाल में कई बार महत्वपूर्ण पहल की गई। 19 फरवरी 2009 को भाकपा माओवादी के दंडकारण्य क्षेत्रीय समिति के प्रवक्ता ने घोषणा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के साथ शांत वार्ता के लिये तैयार हैं। मुख्यमंत्री रमन सिंह ने जवाब दिया कि वह वार्ता के प्रस्ताव पर विचार करेंगे। इसके बाद मई में छत्तीसगढ़ के तत्कालीन गृह मंत्री ननकी राम कंवर ने घोषणा की कि हमले बंद होने के बाद ही नक्सलियों के साथ बातचीत हो पाएगी। ननकी राम ने आगे कहा कि नक्सलवाद एक राष्ट्रीय मुद्दा है। केंद्र सरकार के स्तर पर ही बातचीत होनी चाहिये। अप्रैल 2010 में मुख्यमंत्री रमन सिंह ने फिर कहा कि नक्सलियों के साथ बातचीत का विकल्प खुला रहना चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि नक्सलियों की ओर से कौन बात करेगा। हमने 32 साल इंतजार किया है और हम अगले 30 साल तक इंतजार नहीं कर सकते। 20 मई 2018 को तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा कि उनकी सरकार माओवादियों के साथ बातचीत के लिए तैयार है। शर्त यह है कि उनके नेता बैठक में शामिल हों। हम नक्सलियों के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। बातचीत में उनके पोलित ब्यूरो के सदस्य भी शामिल होने चाहिए, तभी कोई निर्णायक बातचीत हो सकेगी। इसके बाद बातचीत पर ब्रेक लग गया।

तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल की पहल भी बेअसर

18 मार्च 2021 को भाकपा (माओवादी) ने छत्तीसगढ़ सरकार के साथ शांति वार्ता का प्रस्ताव रखा। भाकपा (माओवादी) की दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति के प्रवक्ता विकल्प ने बयान जारी कर कहा कि हम जनता के हित में शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। लेकिन पहले सरकार सशस्त्र बलों के शिविरों को हटाएं। भाकपा (माओवादी) पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाया जाए और जेलों में बंद हमारे पार्टी के नेताओं को रिहा किया जाए। तत्कालीन गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने माओवादियों के वार्ता प्रस्ताव पर कहा कि शांति के लिए सरकार के साथ बातचीत बिना शर्त होनी चाहिए। बातचीत के बाद ही शर्तों पर आगे की चर्चा संभव होगी। ऐसी किसी भी वार्ता की रणनीति बनाने के लिए केंद्र के साथ-साथ अन्य राज्यों को भी शामिल करना होगा। माओवादियों की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के प्रवक्ता विकल्प ने 18 मई 2022 को कहा कि हमने बातचीत करने की इच्छा जताई है और अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दोहराया है कि उनकी सरकार बातचीत के लिए तैयार है, माओवादियों को संविधान में विश्वास व्यक्त करना होगा। मामला लटका रहा।

रेत ठेका होते ही गुर्गों का बढ़ा आतंक, आमजन परेशान, अवैध वसूली से रेत का दाम दो गुना!

कोरिया/नवप्रदेश। कोरिया जिले में रेत ठेका लागू होते ही रेत माफियाओं के गुर्गों का दबदबा बढ़ गया है। सुरमी चौक, कटगोडी, नगर और डुमरिया सहित कई क्षेत्रों में ठेकेदार के लोगों की खुले रूप से तैनाती देखी जा रही है जबकि ठेका मिले ठेकेदार को अभी जिला प्रशासन से उठाव के दस्तावेज नही मिले हैं वही खनिज विभाग के अधिकारी प्रक्रिया में समय लगने का हवाला दे रहे इसके बावजूद चार पहिया वाहनों में घूम-घूमकर ये गुर्गे ट्रैक्टर व टीपर चालकों से अवैध वसूली कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार चिरमी और गेजी नदी का ठेका हुआ है, लेकिन केवल चिरमी नदी के ठेकेदार के गुर्गे ही क्षेत्र में हावी हैं।

बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर से 700 रुपये और टीपर से 1000 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए रेत की आवश्यकता बढ़ी है, लेकिन ठेका लागू होने के बाद चिरमी नदी को छोड़कर किसी भी अन्य नदी से रेत निकालने नहीं दिया जा रहा है। यदि कोई किसान या ग्रामीण रेत निकालते दिखाई देता है, तो ठेकेदार के गुर्गों द्वारा दबाव बनाकर वसूली की जा रही है। शनिवार सुबह बंजारीदांड क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने तीन ट्रैक्टर अवैध रेत के साथ जब्त किए हैं। इसी दौरान चिरमी ठेकेदार के गुर्गे भी मौके पर पहुंच गए थे। अब देखना यह है कि विभाग की कार्रवाई आगे बढ़ती है या फिर समझौते के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

अवैध वसूली और ठेके की मनमानी का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। वर्तमान में 180 फीट रेत की कीमत 4500 रुपये तक पहुंच गई है, जबकि पहले यही रेत 2500 से 3000 रुपये में मिल जाती थी। यानी आमजनों को अब लगभग 1500 रुपये अधिक चुकाने पड़ रहे हैं।

अंबिकापुर में आवारा कुत्तों का वैक्सीनेशन शुरू, 48 वार्डों में फीडिंग प्वाइंट निर्धारित

अंबिकापुर। अंबिकापुर शहर में आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने नगर निगम अंबिकापुर ने कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए नगर निगम ने शहरभर में आवारा कुत्तों को एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाना शुरू कर दिया है। यह अभियान शहर के सभी 48 वार्डों में सतत रूप से चलाया जाएगा। इसकी शुरुआत कर दी गई है। नगर निगम आयुक्त डीएन कश्यप ने बताया कि पशुपालन विभाग से आवश्यक वैक्सीन की उपलब्धता कराई गई है। नगर निगम भी वैक्सीन की व्यवस्था करेगा। पशुपालन विभाग के कर्मचारियों के साथ बेजुबान संस्थान के प्रशिक्षित एवं उत्साही युवाओं की टीम वार्ड-वार्ड घूमकर आवारा कुत्तों का टीकाकरण कर रही है। इस प्रक्रिया से न सिर्फ कुत्तों के स्वास्थ्य में सुधार होगा बल्कि शहर में रेबीज संक्रमण की आशंका भी काफी कम हो जाएगी।

हटाए गए गड़बड़झाला करने वाले नगर पंचायत पटना के सीएमओ सिदार !

कोरिया/नवप्रदेश। कोरिया जिला अंतर्गत नगर पंचायत पटना के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिकंदर सिदार के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। जारी आदेश के अनुसार, नगर पंचायत पटना में उनके पदस्थापना के दौरान विभिन्न निर्माण कार्यों के भुगतान में गंभीर अनियमितताओं की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है। विभागीय स्तर पर गहन परीक्षण के बाद यह पाया गया कि निर्माण मदों में भुगतान प्रक्रिया निर्धारित मानकों के विपरीत बिना कार्य हुए की गई, जिससे शासन को आर्थिक हानि की आशंका गहराई है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि सिदार का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 के स्पष्ट रूप से विपरीत है, जिसमें अधिकारियों को ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का प्रावधान है। इस नियम के उल्लंघन को गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में रखा जाता है।

इसी आधार पर राज्य शासन ने तत्काल प्रभाव से सिकंदर सिदार को निलंबित करने का निर्णय लिया है। उनका निलंबन छत्तीसगढ़ राज्य नगर पालिका सेवा (कार्यालयीन/ शैक्षणिक/ स्वास्थ्य) सेवा, भर्ती एवं सेवा शर्त नियम 2017 के नियम 33 के अंतर्गत किया गया है, जो सेवा संबंधी गंभीर अनियमितताओं की स्थिति में तत्काल निलंबन का प्रावधान करता है।

निलंबन अवधि मेंसिदार का मुख्यालय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा, जैसा कि सेवा नियमों में प्रावधानित है।

यह आदेश छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से उप सचिव अजय तिर्की द्वारा 26 नवंबर 2025 को डिजिटल हस्ताक्षर सहित जारी किया गया। शासन की इस कार्रवाई को प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

जेनेटिक व मानसिक दबाव से मरीजों में हो रही बढ़ोतरी: डॉ. कश्यप

ठंड में अस्थमा, दमा के मरीजों की बढ़ जाती है परेशानी, सावधानी है जरुरी, खानपान में करें परहेज

बिलासपुर/नवप्रदेश। ठंड के दस्तक देते ही मौसम में होने वाले बदलाव की वजह से दमा, अस्थमा, एलर्जी जैसी समस्याओं से जूझ रहे मरीजों के लिए स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की समस्याएं शुरु हो जाती हैं। लापरवाही बरतने पर कई बार गंभीर परिणाम देखने को मिलते हैं। मरीजों को ठंड के दिनों में किस तरह से अपनी खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लाना चाहिए इसे लेकर नवप्रदेश ने तोरवा स्थित लाईफ केयर हास्पिटल के वरिष्ठ पल्मनोलॉजिस्ट डॉ. रामकृष्ण कश्यप से बातचीत की।

डॉ. कश्यप ने जानकारी देते हुए बताया कि दमा, अस्थमा, एलर्जी, निमोनिया से परेशान मरीजों को ठंड के दिनों में अपने आपको ढककर निकलना चाहिए। सीधे ठंड के संपर्क में आने से समस्याएं बढ़ जाती हैं। दोपहिया वाहन चलाते समय शरीर को पूरी तरह से गरम कपड़ों से जरुर ढकें। इस मौसम में मरीजों को सांस लेने में दिक्कतें होती हैं। कई बार लापरवाही की वजह से मरीज की स्थिति गंभीर भी हो जाती है। मरीजों के लिए कई तरह के वैक्सिन उपलब्ध हैं जिससे उन्हें ठंड के दिनों में राहत मिल सकती है, लेकिन किसी भी वैक्सिन को लगवाने से पहले डाक्टरी परामर्श जरुर लें। डॉक्टर इन वैक्सिन का उपयोग तभी करते हैं जब उन्हें मरीज की स्थिति कम्फर्ट नजर आती है। इसके साथ ही खानपान में बदलाव करने की भी आवश्यकता है। ठंडी चीजों को खाने से परहेज करें। ठंडी खाद्य पदार्थ खासी और सांस लेने में होने वाली दिक्कतों तो बढ़ा देते हैं, जिस वजह से डॉक्टरी दवाइयों का असर भी मरीज में कम होता है। गरम पानी का नियमित सेवन करें। इसके साथ ही दिन में एक से दो बार आवश्यकतानुसार गरारा और भाप जरुर लें। डॉक्टर कश्यप ने बताया कि इन दिनों शहर में प्रदूषण भी काफी तेजी से बढ़ रहा है। इंडस्ट्रीज बढ़ रहे हैं, पेड़ों की कटाईयां हो रहीं हैं जिसका दुष्प्रभाव वातावरण में पड़ रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों से ग्रसित मरीजों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके साथ ही जिनके परिवार में बीमारी को लेकर कोई पिछली हिस्ट्री रही हो तो जेनेटिक कारणों से भी मरीज बढ़ रहे हैं। एलर्जी की समस्या सभी आयु वर्ग के लोगों में एक समान ही होती है। युवाओं में प्रतिरोधक क्षमता अधिक होने की वजह से उन्हें दिक्कत कम होती है, लेकिन बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। किसी भी तरह की समस्या होने पर आसपास के मेडिकल स्टोर से दवाई लेकर खाना सही नहीं है। ठंड के दिनों में अपने डॉक्टर के पास नियमित चेकअप करवाते रहना चाहिए। सुबह टहलने के लिए हल्की धूप का इंतजार करें, जिससे किसी तरह की स्वास्थ्यगत समस्या न रहे। डस्ट, धुआं, कोल्ड ड्रिंक, आईसक्रीम के परहेज से बचें।

युवाओं में बढ़ रहा मानसिक तनाव

डॉ. कश्यप ने बताया कि युवा वर्ग भी इस बीमारी से परेशान हैं और कैरियर, पढ़ाई की तनाव की वजह से बीमारी भी बढ़ जाती है। आज प्रतिस्पर्धा के इस दौर में युवाओं में मानसिक तनाव देखा जा रहा है, जिसका बुरा असर स्वास्थ्य में देखने को मिल रहा है। डॉ. कश्यप ने युवाओं से अपील करते हुए कहा है कि मानसिक दबाव नहीं लें। जीवन में प्रथम आना ही सफलता की निशानी नहीं होती है। मेरा ऐसा मानना है कि औसत आने वाले विद्यार्थियों के पास विकल्प ज्यादा होते हैं इसलिए पहले आने की होड में तनाव न लें। तनाव की स्थिति में अपने परिवारजनों, दोस्तों के पास जाकर अपनी समस्या रखें। हर समस्या का हल निश्चित ही होता है। हमेशा अपने विचार सकारात्मक रखें।

■ न्यूज गैलरी

परसाही में आज से बहेगी आस्था की अमृत धारा

सीपत/नवप्रदेश। परसाही में इस वर्ष भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। गोस्वामी परिवार की श्रद्धामयी मातृशक्ति स्वर्गीय कुंती देवी गोस्वामी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक संगीतमयी अमृतरूपी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में चित्रकूट धाम के ख्याति प्राप्त कथा वाचक पंडित श्री कृष्ण गोपाल शास्त्री जी वेदव्यास के रूप में अपनी मधुर वाणी से भागवत कथा का रसपान कराएंगे। प्रतिदिन कथा का आयोजन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक किया जाएगा, जिसके बाद महाआरती संपन्न होगी। कथा का दिव्य प्रवाह प्रत्येक दिवस का विशेष जिसमें 30 नवंबर – शोभायात्रा एवं भागवत महात्म्य से मंगलारंभ , द्वितीय दिवस नारद का पूर्ण चरित्र एवं सुखदेव जी का आगमन, तृतीय दिवस भगवान के 24 अवतारों का संक्षिप्त वर्णन, विदुर चरित्र, चतुर्थ दिवस प्रह्लाद चरित्र एवं समुद्र मंथन, पंचम दिवस पूतना उद्धार, बाल लीलाएं और गोवर्धन पूजा, अंतिम दिवस (5 दिसंबर) कंस वध एवं श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह उत्सव के साथ कथा का भव्य समापन होगा।

120 की शराब 250 में बेचने पर हत्या के मामले का पर्दाफाश

लाठी से पीट-पीटकर की थी युवक की हत्या आरोपी दो महीने बाद बिहार से पकड़ाया

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर में 120 की शराब 250 रुपए में बेचने पर युवक की हत्या करने वाला आरोपी बिहार से पकड़ाया है। घटना 2 महीने पहले की है। वारदात के बाद आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे बिहार से गिरफ्तार किया है। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

अवैध शराब बेचने वाले बदमाशों ने अपने साथियों के साथ मिलकर दो युवकों पर लकड़ी के बत्ते से हमला कर दिया था। हमलावरों ने युवकों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, जिससे एक युवक की मौत हो गई थी, जबकि दूसरे युवक भागकर अपनी जान बचाई थी। दरअसल सिटी कोतवाली क्षेत्र के करबला निवासी किशन यादव (19) 12 अक्टूबर की रात दयालबंद निवासी अपने दोस्त साहिल सोनकर के साथ लुतरा उर्स देखने गया था। कार्यक्रम से लौटते समय, करीब तीन बजे दोनों युवक शहर लौटे। इस दौरान साहिल ने शराब पीने की इच्छा जताई। इसके बाद दोनों युवक ब्लैक में शराब खरीदने के लिए तिफरा सब्जी मंडी स्थित एक शराब दुकान के पास पहुंचे। साहिल साहू मौके पर अवैध रूप से शराब बेच रहा था। किशन यादव और साहिल सोनकर ने उससे शराब मांगी। जिस पर उसने 120 रुपए की शराब की बोतल के लिए 250 रुपए की मांग की। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। इस दौरान साहिल साहू और उसके दोस्तों ने मिलकर साहिल सोनकर और किशन यादव पर बत्ते से हमला कर दिया। हमलावर युवक दौड़ा-दौड़ाकर उनकी पिटाई करते रहे। जान बचाकर भागते समय साहिल सोनकर जमीन पर गिर गया।

मुंगेर से किया गिरफ्तार

हत्या के बाद से फरार आरोपी आकाश शर्मा बिहार के मुंगेर में छिपा था। तकनीकी साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस आरोपी की धरपकड़ के लिए बिहार गई थी। आरोपी को उसके घर में ही पकड़ने के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड में लेकर बिलासपुर लाया गया। यहां उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। इस वारदात के बाद पुलिस की टीम साहिल साहू और नाबालिग को पकड़ने में कामयाब रही। जबकि, आकाश शर्मा फरार हो गया था। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में उपयोग किया गया डंडा, स्कूटी सीजी 10 बीडब्ल्यू 3206 व खून से सने कपड़े जब्त किए हैं।

मुख्यमंत्री साय और विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह बिलासपुर पहुंचे

■ **क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी की पुत्री के विवाह समारोह में हुए शामिल**

बिलासपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने बिलासपुर पहुंचे। उन्होंने मुंगेली रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर नव विवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया और उनके सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, संगठन प्रभारी अजय जामवाल, विधायक किरणदेव सिंह, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक धरम लाल कौशिक, धरमजीत सिंह, अमर अग्रवाल, सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, महापौर पूजा विधानी ने भी नव विवाहित वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। इसके पहले मुख्यमंत्री श्री साय के बिलासपुर पहुंचने पर कोनी में हैलीपेड पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया।

एनटीपीसी राख आधारित उत्पादों को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण के लिए कृतसंकल्पित

बिलासपुर/नवप्रदेश। 28 नवंबर को एनटीपीसी सीपत द्वारा बिलासपुर में राख से निर्मित विभिन्न उत्पादों पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य भवन निर्माण में राख आधारित उत्पादों के प्रभावी, दक्ष एवं पर्यावरण-अनुकूल उपयोग को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त (आइएएस) अमित कुमार, एनटीपीसी सीपत के परियोजना प्रमुख वी. के. पांडेय तथा क्रेडाई अध्यक्ष सुशील पाटेरिया द्वारा दीप प्रज्वलन एवं ईंट के आकार में विशेष रूप से तैयार केक काटकर किया गया। सेमिनार में पीडब्लूडी, सीपीडब्लूडी, नगर निगम, क्रेडाई, बिलासपुर बिल्डिंग एसोसिएशन, रेलवे, तथा विभिन्न आर्किटेक्ट्स, कॉन्ट्रैक्टर्स एवं आरएमसी प्लांट प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान राख आधारित उत्पादों जैसे ब्रिक्स, इंटरलॉकिंग वॉल ब्लॉक्स, विभिन्न आकारों व वजन के एग्रीगेट्स, पेवर ब्लॉक, फ्लोर टाइल्स, पार्क बेंच, पार्क टेबल आदि के उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का समापन एनटीपीसी सीपत के महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) सुरोजित सिन्हा के संबोधन के साथ हुआ। यह प्रचार-प्रसार कार्यक्रम राख आधारित उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण के लिए एनटीपीसी सीपत द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सफलतापूर्वक प्रदर्शित करने में अत्यंत सफल रहा।

पवन मंजूरपहरी हाईस्कूल के प्राचार्य बने

सीपत/नवप्रदेश। शिक्षा जगत में अपनी सादगी, समर्पण और अनुशासनप्रिय कार्यशैली से अलग पहचान बनाने वाले पवन कुमार पटेल ने शासकीय हाईस्कूल मंजूरपहरी में प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व आत्मानंद स्कूल स्टाफ सीपत ने पुष्पगुच्छ भेंटकर पटेल का आत्मीय स्वागत और सम्मान किया। 30 वर्षों की अनुकरणीय सेवा सफर एक प्रेरक सफर रहा। श्री पटेल ने अपने शिक्षकीय जीवन की शुरुआत शा.उ.मा. विद्यालय लोहर्सी सोन से की।

शांता फाउंडेशन ने रक्षा टीम के साथ चलाया जागरूकता अभियान

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर की 365 दिन काम करने वाली एक मात्र संस्था शांता फाउंडेशन ने रक्षा टीम के साथ मिलकर जन जागरूकता अभियान चलाया इसके तहत तिफरा स्थित मॉडर्न एंड मोरल एकेडमिक पब्लिक स्कूल में जाकर बच्चों को साइबर फ्रॉड यातायात के नियम डिजिटल अरेस्ट और बच्चियों में होने वाली मैसटूअल सायकिल एवं हाइजीन के बारे में बताया। सबसे पहले स्कूल के स्टाफ द्वारा आए हुए अतिथि द में रूपाली, भावना अटकल, डी विनीता राव, सृष्टि

सिंह एवं नीरज गेमनानी का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। उसके पश्चात खुले ग्राउंड में बच्चों को एकत्र कर मोटिवेशनल स्पीच के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया गया, जिसमें रक्षा टीम से आई भावना अटकल ने कहा की आज के समय में सतर्क रहना बहुत ही आवश्यक है। वहीं रक्षा टीम से आई रूपाली ने बताया कि वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। साथ ही अभिव्यक्ति ऐप के बारे में भी समझाया गया। शांता फाउंडेशन परिवार की डी विनीता राव ने बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में डेमो के माध्यम से समझाया। सृष्टि सिंह ने बच्चियों को हर माह होने वाली मेंस्ट्रूअल साइकिल के बारे में विस्तार से बताया उसके पश्चात शाला प्रबंधन की तरफ से आभार व्यक्त कर सभी को मोमेंटो प्रदान किया गया, इसके पश्चात स्कूल का भ्रमण भी कराया गया। इस अवसर पर एमएम पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल पूरा स्टाफ शांता फाउंडेशन से नीरज गेमनानी, डी विनीता राव, सृष्टि सिंह रक्षा टीम से भावना एवं रूपाली उपस्थित रही।

हर्षित के मौत की जांच कर नवोदय स्कूल प्रबंधन पर हो कड़ी कार्रवाई: अटल

विधायक श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व कलेक्टर से की मांग

बिलासपुर/नवप्रदेश। कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने मृतक छात्र हर्षित यादव के शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। अटल श्रीवास्तव ने हर्षित यादव के मौत की जांच करने एवं स्कूल प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुये कहा कि बेलगहना के नवोदय स्कूल मल्हार के लापरवाही एवं कुप्रबंधन के कारण एक 15 वर्षीय होनहार 10वी के छात्र हर्षित यादव की मौत हो गई। स्कूल प्रबंधन द्वारा सर्दी बुखार से पीड़ित छात्र हर्षित यादव के बिमारी को गंभीरता से नही लिया गया और

अथवा चार पहिया वाहन भी उपलब्ध नहीं करवाया गया जिसके कारण मजबुरीवश गंभीर छात्र को पिता जयप्रकाश यादव के द्वारा स्कूल से 40 कि.मी दूर नहीं उपचार करवाया गया यहां तक परिजन को हॉस्पीटल ले जाने के लिये एंबुलेस मोटरसाईकल में बैठाकर बिलासपुर के निजी हॉस्पीटल लाया गया जहां हर्षित यादव की अकास्मिक मौत हो गई। स्कूल प्रबंधन के घोर लापरवाही सुरक्षा मानको की अनदेखी और गैर जिम्मेदारी के कारण एक होनहार छात्र का मौत होना पूरे समाज के लिये अघातजनक है। छात्रावास की अव्यवस्था छात्रावास में छात्रावास अधीक्षक का उपस्थित नही होना स्कूल के प्राचार्य शिक्षक एवं प्रबंधन के गैर जिम्मेदाराना कृत करना अत्यंत निंदनीय है। इस प्रकार की गंभीर घटना की पुनरावृति को रोकने एवं पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने मुख्यमंत्री शिक्षा मंत्री एवं कलेक्टर से पत्राचार किया गया है।

कैबिनेट मंत्री नितिन का धरमलाल कौशिक ने किया जोशीला स्वागत

बिलासपुर /नवप्रदेश। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरम लाल कौशिक की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने बिहार सरकार बनने के पश्चात बिहार कैबिनेट मंत्री एवं छत्तीसगढ़ के प्रभारी नितिन नबीन के प्रथम बिल्हा आगमन पर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर कौशिक ने परसदा स्थित निवास पर शाल भेंट कर सहपारिवार स्वागत किया। इस मौके नितिन नबीन ने कहा कि छत्तीसगढ़ आना मेरा सौभाग्य है। उन्होंने कहा संगठन कि मजबूती ही भाजपा को मजबूत बनाती है संगठन कि मजबूती हेतु सभी कार्यकर्ताओं को एक जुटता के साथ कार्य करना

ही अनिवार्य है क्योंकि भाजपा कि ताकत एकता में ही है। उन्होंने बिहार की जीत हेतु सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी कहा की आप सभी के मेहतान से ही बिहार में एनडीए की पुनः सरकार बनी है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भी विकास की गंगा बहाते हुए सेवा सुशासन और गरीब कल्याण की नीति से जनता से अटूट विश्वास बनाए रखेंगे।

आयोजन — एसईसीएल मुख्यालय में सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

सेवानिवृत्त कर्मी कार्यकुशलता से एसईसीएल को नई ऊंचाइयों तक ले गए: बिरंची दास

बिलासपुर/नवप्रदेश। कल 30 नवंबर को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

इस माह मुख्यालय से एकमात्र कर्मी ले. कर्नल अशोक कुमार सेवानिवृत हुए। सेवानिवृत्त पर आज निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास के मुख्य आतिथ्य, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-प्रशासन) मनीष श्रीवास्तव, विभिन्न विभागाध्यक्ष, श्रम संघ प्रतिनिधि, सुरक्षा विभाग के कर्मियों, अधिकारी और कर्मचारी की उपस्थिति में मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त

भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास ने अपने उद्बोधन में कहा कि ले. कर्नल अशोक कुमार कर्तव्यनिष्ठ, मिलनसार, विपरीत परिस्थितियों में भी कार्य सम्पादन की कुशल क्षमता, उच्च प्रबंधन व अपने मातहतों से परस्पर सौहार्द वातावरण के चलते वे सभी के मध्य लोकप्रिय हैं। इन्होने अपनी कार्यकुशलता और समर्पण से एसईसीएल को सफलता की नई ऊँचाइयों तक लेकर गए। उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। उन्होंने ले. कर्नल अशोक कुमार के उज्ज्वल भविष्य और सुखद पारिवारिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन एवं सेवानिवृत्त अधिकारी का परिचय प्रबंधक (मानव संसाधन-औ संबंध) वरुण शर्मा ने दिया।

एसईसीएल में काम करना गौरव की बात

ले. कर्नल अशोक कुमार ने भी कम्पनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि एसईसीएल में कार्य करना गौरव का विषय रहा। उन्होंने कहा कि यहाँ कार्य के दौरान मुझे अपने शीर्ष अधिकारियों, साथी अधिकारियों का परस्पर स्नेह, मार्गदर्शन, सहयोग मिलता रहा। मातहत कर्मचारियों ने सदैव सम्मान, अपनापन दिया जो कि अमूल्य धरोहर है।

अगहन विशेष : दीप प्रथा

हमारे हिंदू पंचांग के अनुसार अगहन माह का विशेष महत्व है। कार्तिक माह के पश्चात् अगहन माह जिसे मार्गशीर्ष माह भी कहते हैं, जिसके आते ही ठंड द्वार पर दस्तक देने लगती है। शीतल समीर के साथ ओस की बूँदें स्वर्ग से उतरकर मोतियों की भाँति प्रकृति का श्रृंगार करने लगती हैं एवं माता लक्ष्मी की आभा के सदृश्य पृथ्वी लोक में अपनी छटा बिखेरने लगती हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं कि स्वयं माता लक्ष्मी और देवगुरु बृहस्पति दोनों का साथ में धरती पर आगमन होता है। महिला? एवं कुँवारी कन्या? व्रत रख कर माता लक्ष्मी को प्रसन्न करती हैं।

प्रिया देवांगन

हमारे हिंदू धर्म में महिला? व्रत रखने में पीछे नहीं; हर व्रत को भगवान की भक्ति मान कर सच्चे मन से साधना करती हैं। इसी प्रकार अगहन माह में प्रत्येक गुरुवार के दिन यह व्रत रखा जाता है ताकि मॉं लक्ष्मी का आशीर्वाद सदैव बना रहे।

ऐसे ही हिंदू धर्म के देवांगन कुल में अपनी कुल देवी माता परमेश्वरी में दीप चढ़ाने की परंपरा है। मान्यता है कि माता परमेश्वरी, वीर हनुमान जी तथा माता लक्ष्मी को अगहन में दीप चढ़ाने से कष्ट और निर्धनता दूर होती है।

कुल देवी साक्षात् अपने भक्तों पर कृपा कर उन्हें सुखङ्कसमृद्धि और वैभव प्रदान करती हैं। साथ में अंजनीपुत्र वीर हनुमान जी माता परमेश्वरी की सहायता के लिए सदैव साथ रहते हैं, इससे वीर हनुमान जी का भी आशीर्वाद भक्तों पर बना रहता है। दीप दान के नियम:- अगहन बृहस्पतिवार के आते ही परिवारङ्कसमाज में एक अलग ही रौनक चेहरे में दीप्तिमान होने लगती है। धान की नई बालियॉं, नई फसलें तथा माता को भोग के रूप में दीपक अर्पित किया जाता है।

नई ऊर्जा, नई उमंग शरीर में संचारित होने लगती है। हमारे पूर्वजों के समय से ही यह मान्यता चली आ रही है कि ऐसे ही किसी भी दिन दीप नहीं चढ़ाया जाता है; यह दीप 'देवांगन कुल में अगहन माह के कोई भी एक मंगलवार को अर्पित किया जाता है।'

मंगलवार विशेषङ्क माँ परमेश्वरी के रूप का मंगलवार के दिन प्राकट्य माना जाता है इसलिए कोई भी कार्य मंगलवार के दिन किया जाना शुभ माना जाता है। इससे माता परमेश्वरी प्रसन्न रहती हैं और आशीर्वाद देती हैं। इस दिन हम मिट्टी का दीपक नहीं बल्कि चावल आटे से बना दीपक जलाते हैं। दीपक बनाने की विधि:ङ्क सूर्य किरण के धरा आगमन से पहले महिला? उठ कर स्नान करती हैं और नए धान के चावल को स्वच्छ जल से धो लेती हैं तथा इसे बाँस की टोकरी (चुरकी) में रखती हैं। पानी पूरी तरह से निकल जाने के बाद उसे धूप की आँच दिखाती हैं। एकङ्कदो घंटे में चावल के सूख जाने पर उसे अच्छी तरह साफ कर पिसती हैं। पहले के जमाने में सिलबट्टे में इसे पीसा जाता था, अब इस आधुनिक युग में मील या मिक्सी का सहारा लिया जाता है। शाम के समय एक बर्तन में चावल आटा रखकर उसमें गर्म पानी डालते हैं, जिसे (खुद करना) बोला जाता है। धीरेङ्कधीरे आटा गूंथने के बाद उसे छोटेङ्कछोटे दीयों का आकार दिया जाता है तत्पश्चात गैस चूल्हे में रखे गर्म पानी के उबलने के बाद उसमें छन्नी या जालीदार बर्तन की सहायता से उन कच्चे दीपकों को रखकर ढँक दिया जाता है। लगभग पंद्रह से बीस मिनट तक भाप की सहायता से पकाया जाता है। नए चावल से तैयार दीपक बहुत ही अच्छा और मुलायम बनता है। पूजन विधि- सूर्यास्त होते ही घरों में घंटी की ध्वनितरंगें चारों दिशाओं में गूंजने लगती हैं। धूप की महक आत्मा को छू जाती है। कपूर से नकारात्मक ऊर्जा घरों में प्रवेश नहीं करती है। माता? पूरे घर की साफङ्कसफाई करने के पश्चात् देवता कमरा (पूजन का एक अलग सा कमरा जो विशेष देवताओं के लिए बनाया जाता है) को पीली मिट्टी (पींवरी छूही) से लिपाई करती हैं, उसके बाद परिवार के सभी सदस्य माता परमेश्वरी के पूजन स्थान में जाकर चावल आटे से बने दीपक में बाती लगाकर उसमें तेल डालकर जलाते हैं, हूम-धूप, अगरबत्ती, चंदन, कपूर और गेंदे के पुष्प के साथ नतमस्तक होकर माता का आशीर्वाद लेते हैं और वैभव की कामना करते हैं। घर के बड़े बुजुर्ग से शुरुआत करते हुए सबसे छोटे बच्चे तक क्रमश: इस विधान का अंत किया जाता है। कुल के सभी देवीङ्कदेवताओं को बारीङ्कबारी से प्रणाम करते हैं। उसके बाद घर के हर एक कोने में चावल आटे का दीपक रखा जाता है, जिससे माता लक्ष्मी का आगमन होता है।

प्रसाद- पूजन विधि समाप्त होने के बाद बच्चे घर के बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हैं। वैसे तो प्रसाद ग्रहण करने का सभी इंतजार करते हैं लेकिन बच्चे कुछ ज्यादा ही उत्सुक होते हैं। इस दिन आसपास जितने भी देवांगन परिवार रहते हैं, उन्हें चावल आटा का दीपक प्रसाद के रूप में वितरण करते हैं। एकङ्कदूसरे के घर दीया पहुँचाने की परंपरा है। इस दिन को त्यौहार स्वरूप मनाया जाता है। घर आते ही सभी सदस्य एक साथ इकट्ठा होकर चावल आटा का दीपक और साथ में टमाटर मिर्च की चटनी खा कर आनंद लेते हैं। यह मुलायम और स्वादिष्ट होता है।

"सभी धर्म जाति में अपनेङ्कअपने कुल के देवीङ्कदेवताओं को प्रसन्न रखने का अलगङ्कअलग नियम होता है, इसी प्रकार हमारे देवांगन कुल में भी अगहन बृहस्पति मा?स में दीपक चढ़ा कर माता को प्रसन्न किया जाता है।"

सुनो भाई उधो

ये दे देखे नहीं होगे लफड़ा..!

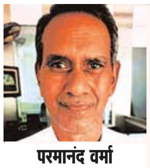

परमानंद वर्मा

राजधानी मं ओ दिन एक झन बड़काहा नेता के अगुवई मं 'शांति मार्च निकलिस जेमा एक विशेष व्यवसायी, उद्योगपति, कारोबारी, धंधा करइयाअउ कोनो-कोनो लिखइया, पढ़इया चेतलग वर्ग के मन भाग ले रिहिन हे।

'शांति मार्च काबर निकलिस, का अइसे पहाड़ टूटगे, या टुटइया रिहिसे या फेर कोनो बड़का जनी अनहोनी होइया रिहिसे तेला उही मन जानय? बड़े मनखे मन के बड़े विचार, सोच, दूरदृष्टि होथे जउन भविष्य के घटना ला जोतिषी मन बरोबर जान लेथे, टमड लेथे। अच्छा हे, अइसन जानकार अउ जोतिषी होना शहर मं जरूरी हे।

बइद मन तो घला अइसने नाड़ी ला टमड़ के शरीर के बड़े-बड़े रोग के पता लगा लेथे। तब वइसने कस रोग, बीमारी ला ओ नेता हा जान डरिस होही तभे राजधानी मं 'शांति मार्च निकाले के उदीम रचिस होही। भुस-भुस गिस होही, कहूं न कहूं, कभू न कभू, कुछु न कुछु अनहोनी घट सकत हे। बड़ेकजनी नेता हे भई, लम्बा हाथ हे, लम्बा पहुंच हे।

मीडिया अउ एती-ओती सुने अउ कानाफूसी के जउन बात निकल के आय हे ओ ये बात हे- राउलगी मं बड़ेक जनिक 'क्रांति के चिनगारी सुलगइया हे, कोनो क्रांति सेना के नेता के जनम होवइया हे या होगे हे? अब जंगल मं एक शेर रहि सकत हे, दूसर ला कोनो देख नइ सकय। मरहा कुकुर रइही तउनो हा कोनो सांगर-मोंगर कुकुर ला जात देखही तब भुके ले नइ छोड़य, अउ तब तक भुकत रइही जब तक ओकर आंखी ले ओ ओझल नइ हो जाही। 'जाति देख गुर्राऊं कहिथे तउन इही ला कहिथे।

अब ओ नेता कोन हे, का अतेक बड़े नेता होगे ओहर जउन जनम भर राजनीति करत आवत हे तेकर बर भारी होवत हे? ए परन दिन के लइका, ओकरे आघू मं जनमे, पले अउ बढ़े तउन डोमी अउ करायत बन के फुफ्कारे ले धर ले हे। इही डर समागे ये नेता के मन मं, एकर बाद शुरू होगे 'शकुनि मामा कस चाल। बिछगे चौसर छत्तीसगढ़ महतारी के अंगना मं।

अउ क्रांति सेना के ये नेता छत्तीसगढ़ महतारी के अस्मिता, आस्था के चीर हरन करइया मन बर आगी उगले ला धर लिस। पूरा छत्तीसगढिया छत्तीसगढ़ महतारी के मूरती के अपमान ला देख नइ सकिन अउ आंदोलन करे ले धर लिन। कोनो होवय अपन दाई, बहिनी, बेटी, गोसइन के बेइज्जती ला देख नइ सकय?

'शांति मार्च निकलइया नेता मन असली छत्तीसगढिया होतिन तब उहू मन ओ दिन आतिन अउ छत्तीसगढ़ महतारी के मूरती ला टोर के फेंके के घटना के विरोध करतिन अउ आरोपी के गिरफ्तारी के मांग करतिन, फेर कोनो चिटपोट नइ करिन। खाना पूरती करे बरोबर घटना के कोनो-कोनो निंदा कर भर दीन।

जब क्रांति सेना के जोर पकड़िस तब होइस का 'उल्टा चोर कोतवाल ला डांटय कस विरोध करइया नेता के खिलाफ रिपोर्ट करवा दिन। पुलिस हा शांति भंग के आशंका मं एफआईआर दर्ज कर लिस। इही तो शकुनि चाल हे। अब ये नेता भूमिगत होगे हे। का करबे उल्टा जमाना हे, 'सांच को मारन धावय, झूठे जग पतियाय।

छत्तीसगढ़ अउ छत्तीसगढ़ी के नांव ला ले के रोटी सेकइया, राजनीति, धंधा, बेवसाय करइया, लेखक, पत्रकार, कवि, साहित्यकार मन बोकबाय होके देखत हे। न कोनो कांही बोलत हे, न करत हे। सबके के मुंह बंद होगे हे। मुंह मं ताला ठेसागे हे। अउ भासा, बोली, संस्कृति, परम्परा बर बइठक करइया हे, करत हे। अरे का होही, ये सब करे ले, महतारी के इज्जत जउन मन लेवत हे तेकर तो पहिली हजामत करे बर जुगत बनाओ। जउन आगू आय हे तेला साथ दो।

स्व. लक्ष्मण मस्तुरिया के बहुत सुग्घर गीत हे - गीत -

मोर संग चलव रे,
मोर संग चलव जी।
मोर संग चलव गा,
मोर संग चलव रे।।
ओ गिरे थके हप्टे मन,
अउ परे डरे मनखे मन।
मोर संग चलव जी,
मोर संग चलव गा।।
दीपक संग जूझे बर संगी,
मय बाना बांधे हों।
सर्ग ला पीरथी मा ला देहूं,
परन अइसन हों।।
मोर सुमत के सर्ग निसेनी,
जुरमिल सबो चढ़व रे,
मोर संग चलव गा।।

बर्ड फ्लू पर बेअसर शरीर का 'सुरक्षा कवच'

नई दिल्ली। बर्ड फ्लू को लेकर एक नई वैज्ञानिक खोज सामने आई है, जिसने विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। आमतौर पर माना जाता है कि बुखार शरीर की प्राकृतिक ढाल की तरह काम करता है और कई संक्रमणों को रोक देता है, लेकिन शोधकर्ताओं ने पाया कि बर्ड फ्लू वायरस तेज बुखार की स्थिति में भी खुद को बढ़ाते रहते हैं, जिससे इंसानों पर इसका खतरा और अधिक बढ़ सकता है।

शरीर को कैसे बचाता है बुखार?

मानव शरीर में जब कोई गंभीर संक्रमण होता है, तो तापमान बढ़कर बुखार बनता है। यह बढ़ा हुआ तापमान वायरस को कमजोर करने में मदद करता है। शोध में बताया गया कि मानव फ्लू वायरस, जिसे इन्फ्लूएंजा ए कहा जाता है- बुखार के कारण जल्दी कमजोर हो जाता है। शरीर के तापमान में सिर्फ दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि कई बार एक खतरनाक संक्रमण को हल्की बीमारी में बदल देती है।

क्यों नहीं रुकते बर्ड फ्लू वायरस?

हालिया अध्ययन, जो जर्नल साइंस में प्रकाशित हुआ है, बताता है कि एवियन या बर्ड फ्लू वायरस बुखार पर भी कमजोर नहीं पड़ते। कैंब्रिज और ग्लासगो विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने पाया कि- बुखार मानव फ्लू वायरस की बढ़त रोक देता है, लेकिन बर्ड फ्लू वायरस पर इसका असर बेहद कम होता है।

इसका कारण यह है कि बर्ड फ्लू वायरस मानव शरीर के ऊपरी हिस्से में कम और निचले श्वसन तंत्र में अधिक सक्रिय रहते हैं।

अपने प्राकृतिक मेजबानों- जैसे बत्तखें और समुद्री गिलहरियां, में ये वायरस अक्सर आंत को संक्रमित करते हैं, जहां तापमान स्वाभाविक रूप से 40-42°C तक पहुंच सकता है। यही वजह है कि ऊंचे तापमान का उन पर कोई खास असर नहीं पड़ता।

कैंब्रिज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सैम विल्सन बताते हैं कि इंसानों में बर्ड फ्लू के मामले कम मिलते हैं, लेकिन जो भी मामले सामने आते हैं, उनमें मृत्यु दर पारंपरिक रूप से बहुत अधिक रही है। यानी यह वायरस भले ही आसानी से मनुष्यों को संक्रमित न करता हो, लेकिन एक बार संक्रमण होने पर इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं।

शोधकर्ताओं ने चूहों पर किए गए प्रयोग

बुखार मानव फ्लू वायरस के खिलाफएक मजबूत सुरक्षा कवच की तरह काम करता है, लेकिन यह सुरक्षा एवियन इन्फ्लूएंजा को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसका मतलब यह है कि अगर बर्ड फ्लू वायरस कभी बड़े पैमाने पर मनुष्यों में फैलने लगे, तो सामान्य बुखार आधारित सुरक्षा तंत्र उन्हें रोक नहीं पाएगा। यह शोध हमें सावधान करता है कि बर्ड फ्लू वायरस साधारण फ्लू वायरल की तरह व्यवहार नहीं करता। उच्च तापमान में भी यह सक्रिय रहता है, इसलिए इसके संक्रमण को रोकने के लिए केवल प्राकृतिक प्रतिरक्षा पर निर्भर रहना काफी नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस वायरस की प्रकृति को समझना और उसके अनुसार रोकथाम व उपचार रणनीतियां बनाना बेहद जरूरी है।

भारत के समंदर में दो साइक्लोन

भारत के आसपास के समुद्रों में एक के बाद एक दो चक्रवातों ने मौसम विभाग को सतर्क कर दिया है। पहला चक्रवात सेन्यार अब कमजोर हो चुका है, लेकिन दूसरा चक्रवात दितवा तेजी से मजबूत हो रहा है। ये दोनों चक्रवात बंगाल की खाड़ी और मलक्का जलसमरूमध्य के पास बने हैं। इनके कारण दक्षिण भारत के तटीय इलाकों में तेज बारिश, तेज हवाएं और बाढ़ का खतरा बढ़ गया है.आईएमडी ने तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के लिए अलर्ट जारी किए हैं।

व्यंग्य रचना : नई पीढ़ी बिगड़ गई है

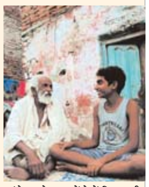

किनकिनाती ठंड में कांपते गजोधर को बड़ी राहत हुई जो बसेसर सुबह-सुबह उससे मिलने आ पहुंचा। बसेसर गजोधर से उम्र में आधा पर भला लड़का था, इज्जत बहुत करता था। वह कांपता कांपता आया और बोला

"काका हो आज तो फिर बहुत ही ठंडा परत है हो।"

"अरे बाप रे, हे भगवान ! है तो ठंडा पर दोष हमारा ही है।"

"काका वह कैसे ?"

÷"अरे यह जो कोहरा पाला पड़ा है ना जिसमें छपरा, दुमदुमा, छपास होते हुए शीत लहर दौड़ा है वह सब दोष मेरा ही है।"

"ठंड पड़ने में तुम्हारा दोष कैसे ?"

डॉ. किशोर अग्रवाल

"अरे सुबह उठकर जैसा ही हम टीवी ऑन किया हूं तो देखा कि यह ठंडा हमारे दाउदपुर से चलकर दुमदुमा, टेकन, छपास होते हुए छपरा पहुंचकर चारों तरफ फैल गया। डोरीगंज दिधवारा होकर पटना तक जा पहुंचा रे बसेसर। फिर चारों स्टेट तक फैल गया। नैनीताल में बर्फगिरने लगा, शिमला में रोड जाम हो गया, वहां बर्फपड़ने लगा।" "तो इसमें तुंहरा दोष क्या कका, बर्फतो शिमला में हर साल पड़ता ही है।"

"सब दोष हमरा ही है रे बाबू। भोर में जब हम उठे तो पियास लगा हुआ था, हम फिरजवा खोल दिए, पानी निकाल लिए और पानी पीकर दिशा मैदान तरफ चल दिए। फ्रिज बंद करना भूल गए। फिरजवा खुलल रह गोइल। उतने पर तो हमरा अंदाजै ना रहल कि हमरा फ्रिज इतना ठंडा करल बा।"

"तुम्हारा फ्रिज से यह बर्फ गिर रहा है तुम्हारा यह मतलब है?"

" हां रे यहीं से चालू हुआ दुमदुमा होते हुए छपरा फिर चारों तरफ बढ़ता ही गया। पटना पहुंचने पर फिर तो वह पूरा बिहार और आसपास के सभी स्टेट को चपेट में ले लिया रे।" "तो तुंहरा फ्रिज से इतना ठंडा पड़ा बता रहे हो कका ?"

"हां उहे हा, हमको पता ना चली, जरा भी पता होता तो फ्रिज का किवड़िया खुला न छोड़ते, बंद कर देते तो गरमें गरम रहता सब। तुम्हारे घर हीटर नई खे ? जाकर हीटर में सेंको गरमे-गरम।"

"का हीटर सेंकें बुढ़ कका ? क्या आप जानते हो कि पिछले गर्मियों में का भइले कि हम हीटर की मरम्मत कराए कि ठंड आएगी तो हीटर से सेंकेंगे, बनवाकर ले आए और ऑन करके छोड़ दिए। रात भर हीटर जलता रहा सुबह हो गई। " "इससे तो घर में आग लग गई होगी रे।" "नहीं काका दिन भर भी हीटर खुला रह गईल शाम में जब घर पहुंचे ना तो न्यूज़ में देखें कि कश्मीर, पंजाब, केरल सब तरफ बाढ़ आ गई असम में बाढ़, गंगाजी उफनाने लगी।"

"नदी में ऊपर से पूर आ गया होगा ?"

नहीं कका हीटर से।"

"वह कैसे?"

"हीटर की गर्मी से हिमालय के ग्लेशियर पिघलने लगे कका हीटरवा गरमेंगरम रहे गोइल रात भर अऊर सारे दिन। अब आप बताओ हम क्या करें हीटर का ?"

"अच्छा तुम्हारे हीटर से हिमालय की बर्फ पिघलने लगी ?""न्यूज़ में आया था तुम भी सुने होंगे ?" "हां सुना तो था, पर तुमको सुबह से और कोई नहीं मिला? सुबह-सुबह यहां आकर बैठे हो और हीटर से ग्लेशियर पिघला रहे हो लप्पड़ देखे हो नूं, मारेंगे एक लप्पड़ तो सुरतिया बिगड़ जाएगी बदमाश कहीं के!"

"इसमें लप्पड़ का क्या बात है काका जी, एक बात बताओ कका, तुम्हारा फ्रिज खुले रहेसे यदि शीतलहर चल सकती है तो क्या मेरे हीटर से ग्लेशियर नहीं पिघल सकता ?"

"तो तू मेरी बराबरी करेगा रे बसेसर ? जो मैं कहूंगा उसी की कटाई करेगा तू ? अपनी उम्र देख मुझसे आधा भी नहीं है रे कुछ तो लिहाज कर।"

"तो मैं उम्र देखूं तू फेंकन लागल हो तो हम का करी ?"

"तो मैं फेंकूंगा तो तू भी फेंकेगा, वह भी मेरे सामने। चल भाग यहां से फिर इधर दिखा तो जूता मार कर चूतड़ लाल कर देंगे।" "तो कका फेंकना तो तुम ही शुरू किए थे।"

"तो बराबरी करेगा क्या रे ! हम बूढ़ बुजुर्गबानी अपना अनुभव बतावत ही। तुम्हरा अनुभव हमरा अनुभव क्या बराबर हो गया, बाप रे बाप कैसा जमाना आ गया बुजुर्गों की तो नई पीढ़ी में कोई इज्जत ही नहीं रह गई यह तो मेरा दिल मजबूत है कमजोर दिल तो बैठ जाता, देखो तो हीटर से ग्लेशियर पिघलाकर गंगा जी में बाढ़ ला रहा था कैसा जमाना आ गया है रे।" सचमुच नई पीढी बिगड़ तो गई है।

आज का इतिहास

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज आपकी महात्त्वकांक्षाओ की पूर्ती में अड़चने आने से हताश हो सकते है। फिर भी भले-बुरे का विवेक रहने से मानसिक रूप से परेशान नहीं होंगे।

वृष: आज दिन का पूर्वार्ध आशा से अधिक शुभ रहेगा। आज के दिन आकस्मिक घटनाएं अधिक घटित होंगी चाहे वो आर्थिक या पारिवारिक हों।

मिथुन: आज के दिन धन की कमी रहने पर भी खुश रहने का सफल प्रयास करेंगे। परिजनों से भावनात्मक सम्बन्ध रहने से मन को शान्ति मिलेगी।

कर्क: आज भी दिन विपरीत फल देने वाला रहेगा। स्वयं अथवा किसी पारिवारिक सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी दवाओं पर खर्च बढ़ेगा।

सिंह: आज भी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने से लाभ के कई अवसर मिलेंगे परन्तु अज्ञान की स्थिति अथवा गलत सलाह के कारण लाभ होना संदिग्ध ही रहेगा।

कन्या: आज आप उदासीनता युक्त जीवन जीयेंगे। पेट सम्बंधित शिकायत रहने एवं अन्य शारीरिक कष्ट के कारण शरीर शिथिल रहेगा।

तुला: आज दिन का पूर्वार्ध नयी उलझने लाएगा। हठी प्रवृति रहने से व्यापार में हानि एवं प्रियजनों से दूरी बढ़ सकती है।

वृश्चिक: आज के दिन आपको प्रत्येक कार्य में सावधानी रखने की सलाह है। धैर्य से समय बिताएं।

धनु: आपका आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। स्वास्थ्य में भी उतार चढ़ाव बना रहेगा।

मकर: आज भी दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत होगा। थोड़ी आर्थिक परेशानियां रह सकती है परंतु मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे।

कुंभ: आज दिन का प्रारंभिक भाग सुख-शांति से बितायेंगे। मन खुश रहने से आसपास का वातावरण भी हास्यमय बनाएंगे।

मीन: आज आपको प्रतिकूल फल मिलने से मन में नकारत्मकता रहेगी। कार्य को करने से पहले ही हार मान लेने से सफलता की उम्मीद भी अल्प रहेगी।

सूर्योदय : 07:01, सूर्यास्त : 05:29, चन्द्रोदय: : 13:14, चन्द्रास्त: :25:28, अयन : दक्षिणायणे (दक्षिण गोले), ऋतु: : हेमन्त, शक सम्वत: : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत: : 2082 (सिद्धार्थी), मास : मार्गशीर्ष, पक्ष : शुक्ल, तिथि : दशमी, नक्षत्र : उत्तराभाद्रपद, योग : वज्र, प्रथम करण : बालव (11:50 तक), द्वितीय करण : कौलव (23:15 तक)

॥ गोचर ग्रहा: ॥

सूर्य : वृश्चिक, चंद्र : मीन (20:33 से), मंगल : वृश्चिक (अस्त, पश्चिम , मार्गी), बुध : तुला (उदित, पूर्व, मार्गी), गुरु : कर्क (उदित, पूर्व, वक्री), शुक्र : वृश्चिक (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, मार्गी), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) हाल ही में भारतीय तटरक्षक बल के किस जहाज को सेवामुक्त कर दिया गया है?

2) झारखण्ड में जौ का सर्वाधिक उत्पादन कहाँ होता है?

3) वेदों का संकलनकर्ता किसे माना जाता है?

4) किस राज्य के मेडचल मलकजगिरी जिले के बाहरी इलाके में एक पूर्ण वृत्त के रूप में 3000 साल पुराना जियोग्लिक खोजा गया है?

5) कौन सा देश अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का नया सदस्य बन गया है?

उत्तरमाला- (1) संग्राम (2) पलामू (3) महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास (4) तेलंगाना (5) चिली

शब्द सागर

तीन नन्हे चमत्कार, एक अद्भुत सफर – ILS हॉस्पिटल रायपुर ने किया संभव

रायपुर/नवप्रदेश। कभी-कभी चिकित्सा विज्ञान के आँचल में ऐसे चमत्कार होते हैं जो उम्मीद से भी आगे निकल जाते हैं। ILS हॉस्पिटल, रायपुर में ऐसा ही एक अनोखा क्षण देखने को मिला – जब केवल 32 सप्ताह की गर्भावस्था में एक माँ ने तीन प्री-टर्म (असमय जन्मे) शिशुओं को जन्म दिया। प्रत्येक बच्चे का वजन मात्र 1.3 से 1.5 किलोग्राम था।

यह चुनौतीपूर्ण प्रसव और उसके बाद का उपचार एक माँ के साहस, और ILS हॉस्पिटल रायपुर की अत्याधुनिक NICU टीम की समर्पित मेहनत का परिणाम रहा। इस पूरे कार्य में हमारे विशेषज्ञ चिकित्सकों –

डॉ. मनीषा शर्मा (MBBS, DGO, DNB – Obstetrics & Gynaecology, DMAS, FCCS, CIMP, FMAS) और डॉ. राकेश सिंह (MBBS, MD - Peadtric, Clinical Fellowship – Neonatology) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डिलीवरी को आपातकालीन सी-सेक्शन (LSCS) के माध्यम से सम्पन्न किया गया, क्योंकि माँ की गर्भावस्था में PPROM और Oligohydramnios जैसी गंभीर जटिलताएँ मौजूद थीं। जन्म के तुरंत बाद तीनों शिशुओं को श्वसन कष्ट (Respiratory Distress) हुआ और उन्हें तत्काल CPAP सपोर्ट पर रखा गया।

हर बच्चे की कहानी अलग थी –

ट्रिपलेट A को जन्मजात विकार जैसे हाइड्रोसेफेलस और क्लब-फुट की चुनौती थी, फिर भी उसने जीवन से हार नहीं मानी।

ट्रिपलेट B ने शुरुआती संक्रमण और सांस की कठिनाई का सामना किया, लेकिन धीरे-धीरे उसने वजन और ताकत दोनों पाई।

ट्रिपलेट C ने दवाओं और निरंतर देखभाल से तेज़ी से सुधार दिखाया।

अगले 25 दिनों तक, NICU टीम ने दिन-रात निगरानी रखी – IV एंटीबायोटिक्स, फोटोथैरेपी, फीडिंग सपोर्ट और सतत चिकित्सकीय देखभाल के साथ। इस सफ़र में माँ ने भी सक्रिय भूमिका निभाई – कंगारू मदर केयर (KMC) और स्तनपान के माध्यम से अपने बच्चों को सबसे बड़ा सहारा दिया – माँ का स्नेह और स्पर्श।

अंततः, जब तीनों बच्चे लगभग 2 किलोग्राम वजन के साथ स्वस्थ होकर घर लौटे, तो यह क्षण पूरे हॉस्पिटल के लिए गर्व का पल था। यह केवल एक उपचार नहीं, बल्कि एक माँ और उसकी संतानों की जीत थी।

लेखक संजीव ठाकुर राष्ट्रीय सलाहकार एवं प्रांत अध्यक्ष मनोनीत

रायपुर/नवप्रदेश। कवि एवं लेखक संजीव ठाकुर को राष्ट्रीय तुलसी साहित्य अकादमी द्वारा राष्ट्रीय सलाहकार एवं प्रांताध्यक्ष पद पर मनोनीत

किए जाने की औपचारिक घोषणा अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. मोहन तिवारी 'आनंद' द्वारा दिनांक 29 नवंबर 2025 को अधिसूचित की गई। इस महत्वपूर्ण मनोनयन के पश्चात श्री ठाकुर को प्रदेश में अकादमी की कार्यकारिणी का गठन, साहित्यकारों के चयन, सम्मान एवं पुरस्करण तथा साहित्यिक गतिविधियों के विस्तार हेतु भी निर्देशित किया गया हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय तुलसी साहित्य अकादमी वर्ष 2004 से निरंतर देश में साहित्यिक चेतना के संवर्धन, संरक्षण एवं प्रसार के लिए सक्रिय रूप से समर्पित है। अकादमी द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय स्तर के कवि सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवं साहित्यिक परिसंवादों का आयोजन किया जाता है, साथ ही राष्ट्रभर के प्रतिष्ठित कवियों, लेखकों एवं साहित्यकारों को उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया जाता है। राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि, लेखक एवं साहित्यकार संजीव ठाकुर पिछले 35 वर्षों से सतत साहित्य-सेवा में संलग्न हैं। उनकी रचनाएँ–कविताएँ, आलेख तथा ग़ज़लें–देश के अग्रणी एवं लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्रों तथा प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिकाओं में पिछले पाँच वर्षों से प्रतिदिन निरंतर प्रकाशित हो रही हैं। उनके निरंतर साहित्यिक योगदान के लिए उनका नाम गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है। उनकी अनेक साहित्यिक कृतियाँ पुस्तक रूप में प्रकाशित हो चुकी हैं तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान तथा पुरस्कारों से अलंकृत किया गया है। वे अनेक अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक यात्राओं में भी भारतीय साहित्य का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। देश की कई प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्थाओं में वे संरक्षक एवं सलाहकार के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। देशभर में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाले लेखकों में अग्रणी कवि संजीव ठाकुर का लोकप्रिय स्तंभ 'संजीवनी' पिछले 15 वर्षों से देशभर की साहित्यिक पत्रिकाओं एवं दैनिक समाचार पत्रों में नियमित रूप से प्रकाशित होकर साहित्य प्रेमियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है। वर्तमान में श्री ठाकुर साहित्य के उत्थान, सृजनधर्मिता एवं सांस्कृतिक चेतना के विस्तार के लिए निरंतर समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ सक्रिय है।

नवंबर माह में पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र हेतु विशेष अभियान

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के पेंशनरों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि द्वारा नवंबर माह में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। संचालक श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देश पर सभी बैंकों में पेंशनरों से जीवन प्रमाण पत्र प्राप्त करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। वृद्ध पेंशनरों को बैंक शाखाओं में जाकर जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय तथा संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार ÷डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र मिशन 4.0÷ के तहत अब पेंशनर किसी भी बैंक में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करा सकते हैं। राज्य के विभिन्न शहरों में भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य 8 अधिकृत बैंकों द्वारा विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जहां फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक से पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही पेंशनरों को यह सुविधा भी दी गई है कि वे "JEEVAN PRAMAAN" मोबाइल ऐप या वेबसाइट के माध्यम से अपने आधार और मोबाइल नंबर का उपयोग कर घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकें।

शीतलहर की चपेट में उत्तरी छत्तीसगढ़

24 घंटे में ढाई डिग्री गिरा राजधानी में पारा

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में सर्दी ने फिर से असर दिखाना शुरू कर दिया है। जहां एक ओर उत्तरी छत्तीसगढ़ शीतलहर की चपेट में है तो वहीं, पिछले 24 घंटे में राजधानी में पारा ढाई डिग्री तक गिरा है। न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री पर आ गया। यह सामान्य से 1.8 डिग्री कम है। वहीं, अंबिकापुर प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंडा रहा। यहां रात का तापमान 6.9 डिग्री रहा। जबकि दुर्ग में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री पर आ गया है।

गुरुवार रात को ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया था। शुनिवार सुबह इसमें और बढ़ोतरी हुई। एक दिन में ढाई डिग्री तापमान गिरना, सामान्य नहीं माना जाता। हालांकि रविवार से ठंड फिर से कम हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में प्रदेश में न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। इसके बाद तीन दिनों में 2-3 डिग्री तापमान में वृद्धि हो सकती है। 30 नवंबर की सुबह साइक्लोन दितवाह तमिलनाडु, पुडुचेरी व इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पहुंचने की संभावना है। शुक्रवार को यह श्रीलंका के तटीय इलाकों में भारी तबाही मचा रहा है। भारत में प्रवेश के बाद भारी से अतिभारी बारिश होने की संभावना है। हालांकि प्रदेश में इसका कोई खास असर नहीं पड़ेगा।

'धान बोरा भराई चार्ज 7.50 रु. प्रति क्विंटल, बंद किया जाए'

रायपुर/नवप्रदेश। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है जिसमें कहा है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी केंद्रों पर किसानों से अवैधानिक रूप से लिए जा रहे बोरा भराई हमाली चार्ज 7.50 रुपए प्रति क्विंटल को तत्काल बंद किया जाए। यदि शीघ्र ही ऐसा नहीं किया गया तो पूरे प्रदेश में कांग्रेस इस भ्रष्टाचार के विरोध में आंदोलन करेगी। डॉ. महंत ने पत्र में लिखा है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो चुका है। पूरे प्रदेश से यह जानकारी प्राप्त हो रही है कि धान बेचने वाले किसानों से यह कहा जा रहा है कि या तो वे सोसाइटी के बोरे में धान भरकर दें या खरीदी केंद्र पर कार्यरत हमालों को बोरा भराई 3 रुपए प्रति कट्टा (40 किलो) अर्थात 7.50 रुपए प्रति क्विंटल हमाली चार्ज का नगद भुगतान करें

अन्यथा उनका धान नहीं लिया जाएगा। जबसे आपकी सरकार आई है तब से अर्थात 2023-24 से ऐसा हो रहा है।

डॉ. महंत ने लिखा है कि धान खरीदी केंद्रों पर बोरा भराई, तौलाई, सिलाई, छपाई, लोडिंग तथा स्टेकिंग इन सभी कार्यों के लिए भारत सरकार द्वारा प्रति क्विंटल 22.05 रुपए राज्य सरकार की एजेंसी को दिए जाते हैं। इसका स्पष्ट उल्लेख खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार के परिपत्र दिनांक 9 अक्टूबर 2025 में है, जिसकी प्रतिलिपि संलग्न है।

नेता प्रतिपक्ष ने पत्र में कहा है कि इस प्रकार 2023-24 तथा 2024-25 में बोरा भराई के लिए किसानों से कुल 220.68 करोड़ रुपए की अवैधानिक वसूली राज्य में की गई है, यह बहुत बड़ा और गंभीर भ्रष्टाचार है।

आंबेडकर अस्पताल से नवजात के अपहरण केस में मां-बेटी को 10-10 साल की सजा

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के आंबेडकर अस्पताल में लगभग 10 महिने पहले हुई नवजात बच्ची चोरी के मामले में कोर्ट ने दो महिलाओं को 10-10 वर्ष की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश बृजेश राय की अदालत ने आरोपी रानी साहू और उसकी बेटी पायल को यह सजा सुनाई, जबकि मामले में नामजद युवक को बरी कर दिया गया।

झांसे में लेकर किया बच्चे का अपहरण

अस्पताल के जच्चा-बच्चा वार्ड में भर्ती अन्य महिलाओं ने बताया कि रानी और पायल नीता और

उनकी सास के करीब आकर अपनी सहानुभूति बटोर रही थी। रानी ने बताया कि उनकी बहु का मेजर ऑपरेशन हुआ है और नवजात की मौत हो गई, ताकि नीता की सास का भरोसा जीत सके। चार जनवरी को नीता और उनकी सास लंच के बाद हाथ धोने गई, इसी दौरान रानी और पायल ने बच्ची चोरी कर ली।

पुलिस की सतर्कता से पकड़ी गई महिला

नवजात चोरी की जानकारी मिलते ही मौदहापारा थाना और क्राइम ब्रांच की टीमें सक्रिय हो गई। दोनों संदिग्ध महिलाओं को बिलासपुर जाने वाली लोकल ट्रेन में देखा गया। ट्रेन के रवाना होते ही पुलिस ने चेन स्नैचिंग कर उन्हें पकड़ लिया और थाने ले आई।

पैसों के लिए किया था अपहरण

जांच में सामने आया कि रानी ने पहले भी अपनी एक बेटी को प्रयागराज में 50 हजार रुपये में बेच चुकी थी। पैसों की लालच में उन्होंने नीता की नवजात बच्ची को भी किसी दंपत्ति को बेचने की योजना बनाई थी। कोर्ट ने इस पूरी घटना को गंभीर मानते हुए मां-बेटी को 10-10 साल की कठोर सजा सुनाई है।

त्रुटि सुधार न करने पर 2742 समितियों के पंजीयन आवेदन निरस्त

रायपुर/नवप्रदेश। रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं, छत्तीसगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-1973 (संशोधित 1998) के तहत प्रस्तुत पंजीयन आवेदनों की समीक्षा के दौरान बड़ी कार्रवाई की गई है। जिन समितियों को उनके आवेदन पत्रों में पाई गई आपत्तियों के सुधार के लिए ऑनलाइन सूचना भेजी गई थी, उनके द्वारा छह माह से अधिक समय बीत जाने पर भी आवेदनों मे सुधार नहीं किया गया। इसके कारण ऐसे कुल 2742 आवेदन पत्रों को निरस्त कर दिया गया है तथा इनसे प्राप्त पंजीयन शुल्क को राजसात किया गया है।

इसी प्रकार जो समितियां अधिनियम की धारा 27 एवं 28 के अनुसार अपना वार्षिक विवरण प्रस्तुत करने में विफल रहीं, उन्हें नोटिस जारी किया गया था। नोटिस का जवाब न मिलने की स्थिति में संबंधित समितियों का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। इसी क्रम में सुंदर विहार कॉलोनी वेलफेयर सोसायटी, जिला दुर्ग का पंजीयन भी निरस्त किया गया है।

समिति पदाधिकारियों पर परिवाद की कार्रवाई होगी– इसके अलावा 15 अन्य समितियों को भी वार्षिक विवरणी प्रस्तुत न करने पर पंजीयन निरस्तीकरण नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि समिति के पदाधिकारियों के विरुद्ध अधिनियम की धारा 37 के तहत सिविल न्यायालय में परिवाद (मुकदमा) दायर करने की कार्यवाही की जाएगी।

एसआईआर: 12 राज्यों में छत्तीसगढ़ 7वें स्थान पर

■ अबतक 77.80 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन

रायपुर/नवप्रदेश। देशभर के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया की रोजाना निगरानी भारत निर्वाचन आयोग की ओर से की जा रही है। आयोग की ओर से जारी रैंकिंग के अनुसार 12 राज्यों में जारी एसआईआर में छत्तीसगढ़ सातवें स्थान पर है। अब तक प्रदेश में 77.80त्न डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। वहीं लक्षद्वीप पहले स्थान पर है, जहां सौ प्रतिशत एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। देशभर के 12 राज्यों में कुल 50 करोड़ 97 लाख 84 हजार 423 मतदाताओं को एसआईआर के तहत शामिल किया गया है। इनमें से 50 करोड़ 68 लाख 42 हजार 224 मतदाताओं को फॉर्म बांटे जा चुके हैं। अब तक 37 करोड़

77 लाख 15 हजार 220 फॉर्म डिजिटलाइजेशन किए जा चुके हैं, जो कुल का 74.10 प्रतिशत है। सभी 12 राज्यों में फॉर्म वितरण का औसत 99.16 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

1,04,229 मतदाताओं को गणना प्रपत्र का वितरण बाकी

राज्य में कुल 2,12,30,737 मुद्रित गणना फॉर्म उपलब्ध हैं, जिनमें से 2,11,26,508 फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं, जिसका प्रतिशत 99.51 है। अबतक 1,65,17,666 मतदाताओं के गणना प्रपत्र का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है, जो कि कुल प्रतिशत में 77.80त्न है। इसके साथ ही सिर्फ 6 दिन में 1,04,229 मतदाताओं को गणना प्रपत्र का वितरण व 47,13,071 प्रपत्र का डिजिटलाइजेशन किया जाना बचा है।

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भारतीय ज्ञान प्रणाली और लोकतंत्र पर शोध की भव्य प्रस्तुति

■ दूसरे दिन 100 से अधिक शोध-पत्र पेश

रायपुर/नवप्रदेश। शासकीय जे। योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय में आयोजित त्रि-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी ÷भारत में लोकतंत्र के 75 वर्ष एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली: बहुविषयी दृष्टिकोण÷ का दूसरा दिवस विविध अकादमिक दृष्टिकोणों, संवादों तथा शोधपरक प्रस्तुतियों से अत्यंत समृद्ध रहा। आयोजन सचिव डॉ। विनीता अग्रवाल ने बताया कि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो। तपेश चंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन, सतत पर्यवेक्षण और दूरदर्शी शैक्षणिक नेतृत्व में सभी सत्र सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुए, जिनमें देश-विदेश से आए विद्वानों, शोधार्थियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। दिन के प्रथम सत्र में श्रीलंका के विख्यात विद्वान डॉ। एन। राजेश्वरन ने आधुनिक लेखांकन में श्रृंखलाबद्ध

अभिलेख (ब्लॉकचेन), कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन तकनीकों के बढ़ते महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय पारंपरिक लेखा-पद्धति, जो अपनी संरचनात्मक सुदृढ़ता के कारण प्राचीन समय से ही प्रभावी मानी जाती रही है, आधुनिक डिजिटल तकनीक के साथ एकीकृत होकर वैश्विक स्तर पर आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर सकती है। इसके पश्चात् प्रो। चित्तरंजन कर ने भारतीय ज्ञान प्रणाली की दार्शनिक, आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक परंपराओंकृवेद, उपनिषद, दर्शन, आयुर्वेद तथा गणित-खगोल विज्ञानकृकी अंतर्निहित व्यापकता को समकालीन संदर्भों से जोड़ते हुए समझाया कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी सामाजिक-सांस्कृतिक तथा वैज्ञानिक विकास के लिए उपयोगी दिशा प्रदान करती है।

दोपहर बाद आयोजित सत्र में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नवीन रायपुर) के निदेशक और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कंप्यूटर वैज्ञानिक प्रो। ओ। पी। व्यास ने ÷भारतीय ज्ञान प्रणाली और डिजिटल मानविकी÷ विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय ग्रंथों का डिजिटलीकरण, संस्कृत का संगणकीय अध्ययन, डिजिटल अभिलेखागार का निर्माण तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद परियोजनाएँ भारतीय ज्ञान के वैश्वीकरण में क्रांतिकारी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल मानविकी भारतीय ज्ञान प्रणाली को नई पीढ़ी के लिए सुलभ, आकर्षक तथा शोध-उन्मुख बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। संगोष्ठी के दौरान कला, वाणिज्य, विज्ञान और विधि संकायों के समानांतर तकनीकी सत्रों में 100 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें भारतीय न्यायशास्त्र, प्राचीन आर्थिक ढाँचा, सौंदर्यशास्त्र, गणित, रसायन, खगोल, पर्यावरण, आयुर्वेद तथा सार्वजनिक नीति जैसे विषयों पर शोधार्थियों ने अपने निष्कर्षों को विस्तारपूर्वक रखा। इन सत्रों की अध्यक्षता डॉ. व्ही. के. गोयल, डॉ. विजय गोयल, डॉ. आर. श्रीधर, डॉ. कविता शर्मा, डॉ. गोवर्धन व्यास, डॉ. अखिलेश जाधव, डॉ. रेनू यादव, डॉ. सी. एस. ओझा, डॉ. नेहा तिकरिहा, डॉ. नमिता ब्रह्मे, डॉ. अनिल रामटेके, डॉ. मीता झा, डॉ. प्रिया राव, डॉ. प्रीति सतपथी तथा सेवा-निवृत्त प्राध्यापक डॉ. सी. एल. पटेल जैसे प्रतिष्ठित विद्वानों ने की, जिनके अनुभव और मार्गदर्शन ने शोधार्थियों को समृद्ध शैक्षणिक वातावरण प्रदान किया।

हमर लक्ष्य कार्यक्रम बोर्ड परीक्षा में बेहतर परीक्षा परिणाम

- 100 प्रतिशत बोर्ड रिजल्ट से कम मान्य नही-- डीईओ
- राज्य मेरिट सूची में स्थान बनाने वाले छात्रों को हवाई सफर से मुम्बई भ्रमण

कांकेर/नवप्रदेश। कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं हरेश मंडावी सीईओ जिला पंचायत कांकेर के निर्देशन में जिला प्रशासन जिला उत्तर बस्तर कांकेर द्वारा हमर लक्ष्य कार्यक्रम के तहत शिक्षा के क्षेत्र में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड कक्षाओं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने तथा राज्य प्रवीण्य सूची में स्थान बनाने हेतु कक्षा 10वीं एवं 12वीं के अध्यापन करने वाले व्याख्याताओं हेतु विशेषज्ञों द्वारा टीप देने हेतु कार्यशाला का आयोजन चार चरणों में किया जा रहा है। प्रथम चरण में कक्षा 10वीं व 12वीं में के प्राचार्यो की बैठक तथा द्वितीय चरण में व्यावसायिक शिक्षा देने वाले व्याख्याताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया जा चुका है तृतीय चरण में गणित, फिजिक्स, जीवविज्ञान एवं रसायन शास्त्र के व्याख्याताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है अंतिम चरण में शेष विषयों का किया जावेगा।

उक्त प्रशिक्षण में रमेश निषाद जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में सम्पन्न किया जा रहा है सभी व्याख्याताओं को ब्लुप्रिन्ट के आधार पर अध्यापन करने तथा बच्चों को दो भागों में विभाजित कर अच्छे एवं कम अच्छे बच्चों का चिन्हांकन किया जावे तथा एक एक व्याख्याता कम से कम 5 बच्चों को गोद ले लेवें किसी भी स्थिति में बच्चों को बोर्ड परीक्षा में बैठाना है और उन्हे उत्तीर्ण कराये जाने हेतु अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन भी अवकाश दिवस में किया जाना है नीजि विद्यालयों की तर्ज पर नियमित रूप से कठिन विषयों हेतु लागू अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जावे अंग्रेजी, गणित, फिजिक्स, विज्ञान जैसे कठिन विषयों का बारिकी से परीक्षण कर अध्यापन करें तया नियमित अभ्यास करावें ताकि बच्चे कठिन विषयों के डर एवं शंकाओं को असानी से दूर किया जा सके। डीईओ रमेश निषाद ने कहा कि जो भी विद्यालय 100 प्रतिशत रिजल्ट लायेगा उन्हे सम्मानित किया जावेगा जो व्याख्याता अपने विषय में 100 अंक प्राप्त करेगा उन्हे भी सम्मानित किया जावेगा। रमेश निषाद ने व्याख्याताओं से अपील किया कि वे अनावश्यक अवकाश ना ले छात्र हीत में अपना बेस्ट दें। विद्यालय में अन्य विषय के व्याख्याताओं के साथ समन्वय कर प्रति दिवस के कार्ययोजना को टीम के रूप में एक साथ मिलकर मूर्त रूप देवें दिसम्बर माह में छमाही परीक्षा आयोजित किया जावेगा जिसके आधार पर बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु समीक्षा की जावेगी। 01 जनवरी 2026 से मिशन 40 डेज संचालित किया जावेगा।

जिसमें एक एक दिन के कार्ययोजना तैयार कर प्राचार्यो से वर्चुअल समीक्षा की जावेगी। कमजोर परिणाम देने वाले व्याख्याताओं से सीधे चर्चा करने का प्रयास किया जावेगा। छमाही बोर्ड कक्षाओं के परिणाम के आधार पर चिन्हांकित ऐसे छात्र जो राज्य प्रवीण्य सूची में स्थान बनाने योग्य है उनका मोटिवेशनल कार्यशाला आयोजित किया जावेगा। इसी प्रकार से कार्यशाला में राष्ट्रीय स्तर के मोटिवेशनल विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जावेगा। जिला शिक्षा अधिकारी कांकेर ने प्रशिक्षण के शुरूआत में ही व्याख्याताओं को मोटिवेट करते हुए कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग को आप पर पुरा भरोसा है कि आप उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देंगे और राज्य जिले का नाम रौशन करेंगे। पिछले सत्रों में जिले ने बेहतर परीक्षा परिणाम दिया है जिसके कारण हमारा जिला राज्य में उत्कृष्ट स्थान पर रहा है और इस स्थान को बरकार ही नही रखना है अपितु राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने का भरसक प्रयास करना है।

रमेश निषाद ने जिला प्रशासन की मंशा अनुरूप भविष्य में आयोजित जेईई एवं नीट परीक्षा के प्रवेश की तैयारी विद्यालय समय के पूर्व अथवा बाद में करने के निर्देश दिये बोर्ड के साथ साथ हमें उक्त परीक्षा की भी तैयारी किया जाना है ताकि बच्चे उच्च शिक्षा हेतु क्वालीफाई हो सके जिला प्रशासन अर्थिक रूप से कमजोर छात्रों हेतु भी कार्ययोजना बना रहा है। जो छात्र जिले में ही पढना चाहते है तथा कोचिंग नहीं कर पायेंगे ऐसे छात्रों को मावा मोदोल निःशुल्क कोचिंग में प्रवेश दिलाने का प्रयास किया जायेगा।

कांचेका प्रतिनिधि मंडल एसबीआई के सामने सफाई को लेकर सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

कांकेर/नवप्रदेश। शुक्रवार को कांकेर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि मंडल द्वारा कांकेर स्टेट बैंक के बाहर साफ-सफाई कराये जाने की मांग को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन कुमार मेरिया को ज्ञापन सौपा गया जिसमें उल्लेख किया गया हैं कि कांकेर नगर का सबसे पुराना बैंक भारतीय स्टेट बैंक हैं जो नगर के हृदय स्थल पर स्थित हैं, यहां बड़ी संख्या में शहर के व्यापारी, आम जनता, गणमान्य नागरिकों सभी का आना-जाना यहां होता है, लेकिन यहां आने वालों सबसे बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है वह यह है बैंक के बाहर व्याप्त गंदगी निर्माण अवशेष जो फैला पड़ा है जिसे कई बार वार्डवासियों एवं बैंक कर्मियों के द्वारा मौखिक रूप से सूचित करने के बाद भी साफ-सफाई नहीं की गई है, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अतः महोदय से निवेदन है कि उक्त समस्या को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल सफाई कराने तथा निर्माण सामग्री को हटाने का कष्ट करेंगे। प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से कांकेर चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अनूप शर्मा, महामंत्री दिनेश रजक,कोषाध्यक्ष सचिन गिडलानी,मीडिया प्रभारी केतन व्यास,मो.असलम ईशानी,पंकज ठाकुर शामिल थे ।

जिला पंचायत सीईओ ने किया औचक निरीक्षण

- पीएम योजना के हितग्राहियों से किया चर्चा अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूरा करने की दी समझाईश

कांकेर/नवप्रदेश। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी द्वारा आज प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत विकासखंड कांकेर के ग्राम पंचायत नारा एवं कोकड़ी का निरीक्षण किया गया। ग्राम नारा में निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत अप्रारम्भ आवास वाले हितग्राहियों रमूला बाई एवं रुकमनी तथा ग्राम सुभिया मुड़पार के असमो बाई, तितरा बाई एवं नरेन्द्र से व्यक्तिगत चर्चा कर आवास अप्रारम्भ होने

के कारणों पर जानकारी ली। हितग्राहियों ने धान कटाई पश्चात घर तोड़ने के बाद आवास निर्माण कार्य प्रारंभ करने की बात कही।

जिला पंचायत सीईओ श्री मंडावी ने ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव को हितग्राहियों को आवास निर्माण हेतु आवश्यक निर्माण सामग्री एवं राजमिस्त्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करने के निर्देश दिए, साथ ही स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मिक्सर मशीन एवं सेंट्रिंग प्लेट भी उपलब्ध कराने के लिए एनआरएलएम के अधिकारियों को निर्देशित किया। अपूर्ण आवासों को पूर्ण करने के लिए रात्रिकालीन चौपाल लगाकर हितग्राहियों का उन्मुखीकरण के निर्देश भी उनके द्वारा दिए गए। हितग्राहियों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत हितग्राहियों को आवास निर्माण हेतु 3 किश्तों में 01 लाख 20 हजार रुपये एवं अभिसरण के तहत 90 दिन का मजदूरी भुगतान हितग्राहियों को किया जाता है। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना एवं एनआरएलएम की जिला एवं विकासखंड स्तरीय टीम भी उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण–2025–26 में 90% से अधिक डिजिटाइजेशन पूर्ण

एमसीबी/नवप्रदेश। विशेष गहन पुनरीक्षण-2025-26 के अंतर्गत मतदाता सूची डिजिटलाइजेशन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 500 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्रों पर 90 प्रतिशत से अधिक डिजिटलाइजेशन प्रविष्टि सुनिश्चित करने वाले बीएलओ को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्टर कार्यालय में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। निर्वाचन कार्यों में प्रतिबद्धता, दक्षता और समयबद्धता का शानदार उदाहरण प्रस्तुत करने वाले इन बीएलओ ने मतदाता सूची अद्यतन को विश्वसनीय और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे जिले की निर्वाचन तैयारी को नई मजबूती मिली है।

सम्मानित बीएलओ में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 के मतदान केन्द्र 268 नौढिया के कमलेश्वरी, मतदान केन्द्र 255 हर्रा की जमुनादेवी राय, मतदान केन्द्र 307 न्यू लेदरी के रवि कुमार पटेल, मतदान केन्द्र मोरगा की विमला गोड़ और मतदान केन्द्र 305 न्यू लेदरी-1 के योगेश कुमार जायसवाल शामिल हैं। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 02 के मतदान केन्द्र 93 कोड़ा के तेजराम साहू, मतदान केन्द्र 134 रतनपुर के चौथ कुमार पटेल, मतदान केन्द्र 152 चिरमिरी कॉलरी (बड़ाबाजार-8) की उमा रजक, मतदान केन्द्र 39 डोमनहिल की रूक्सार खातून को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

बेवरती में उपभोक्ता जागरुकता शिविर संपन्न

कांकेर/नवप्रदेश। राज्य उपभोक्ता आयोग रायपुर के निर्देशानुसार 28 नवंबर 2025 को जिला उपभोक्ता आयोग कांकेर द्वारा ग्राम बेवरती में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया इस अवसर पर जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष श्रीमती सुजाता जसवाल द्वारा उपभोक्ता कानून की जानकारी उपस्थित लोगों को प्रदान कर ई हियरिंग एवं ई-फाइलिंग के संबंध में विस्तार से बताते हुए कहा कि अब आमजन को उपभोक्ता कानून का बेवरती लाभ प्राप्त करने के लिए जिला आयोग की दूरी तय नहीं करना पड़ेगी और आप घर बैठे ही की जागृति पोर्टल के द्वारा अपने मोबाइल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्पाद और सेवाओं से जुड़ा प्रत्येक मुद्दा जिसमें उपभोक्ता को किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है वह उपभोक्ता कानून के अंतर्गत आता है। ऐसी स्थिति में आम उपभोक्ता बीमा, फसल बीमा, बैंकिंग सुविधा, कोचिंग संस्थान एवं निर्माण कार्य एजेंसियों के विरुद्ध आयोग के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं इस अवसर पर सरपंच संघ के अध्यक्ष विष्णु नेताम ग्राम सभा अध्यक्ष श्रीमती रीना नेताम सचिव पंचगण कर्मचारी गण एवं ग्रामीण जन तथा जिला उपभोक्ता आयोग के कर्मचारी संजय कश्यप रविन्द्र ठाकुर दीपक धूव भारती धुव सहित मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

बीजापुर/नवप्रदेश। बीजापुर जिला पंचायत में सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य एवं बाल संरक्षण कार्यक्रम अंतर्गत बीजादूतीर स्वयंसेवकों का 26 और 27 नवंबर को दो दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले की 45 ग्राम पंचायतों से आए स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य समुदाय स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य एवं बाल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मनोसामाजिक प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए स्वयंसेवकों को व्यवहारिक रूप से सक्षम बनाना था। यह प्रशिक्षण जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, यूनिसेफ और छत्तीसगढ़ एग्रीकॉन समिति के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण के पहले दिन राज्य समन्वयक दानिश के. हुसैन ने ÷मैं हूँ ना÷ थीम पर मानसिक स्वास्थ्य तथा मनोसामाजिक प्राथमिक उपचार के महत्वपूर्ण सिद्धांत, देखना, सुनना और जोड़ना पर केंद्रित सत्र लेते हुए स्वयंसेवकों को सरल एवं संवेदनशील तरीके से समुदाय की सहायता करने के कौशल सिखाए। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अपने गाँवों में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों, परिस्थितियों और अनुभवों को खुलकर साझा किया जिससे प्रशिक्षण सत्र और भी व्यवहारिक बन गया।

दूसरे दिन ट्रेनर सुश्री अंकिता ठाकुर ने बाल संरक्षण, बाल अधिकार, पोक्सो एक्ट और जिला बाल संरक्षण इकाई की संरचना एवं भूमिका पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। सत्र के दौरान जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कांता मेश्राम, बाल संरक्षण अधिकारी राहुल कौशिक, महिला संरक्षण अधिकारी श्रीमती शीला भारद्वाज, गैर संस्थागत देखरेख अधिकारी नवीन मिश्रा तथा जिला बाल संरक्षण इकाई परियोजना अधिकारी अविनाश नायक और उनकी टीम की सक्रिय उपस्थिति ने कार्यक्रम को और प्रभावी बनाया। प्रशिक्षण के दौरान भ्रुण हत्या, महिला उत्पीड़न रोकथाम और बाल विवाह मुक्त बीजापुर बनाने के संकल्प को सशक्त करने हेतु शपथ एवं हस्ताक्षर अभियान भी संचालित किया गया।

पैराडाइज़ स्कूल में वार्षिक खेलकूद के तीसरे दिन नन्हे खिलाड़ियों का सम्मान एवं पुरस्कार

खिलाड़ियों के द्वारा विविध प्रतियोगिताओं की शानदार प्रस्तुति

कांकेर/नवप्रदेश। पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का तृतीय दिवस आज अत्यंत उत्साह, अनुशासन और गरिमामय वातावरण के साथ संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता मुख्य अतिथि समाजसेवी योग शिक्षक मोहन सेनापति के द्वारा छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन एवं मागदर्शन करते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा स्कूल शाला परिवार को बधाई दी।

आज के कार्यकम की मुख्य विशेषता यह रही कि कक्षा नर्सरी से कक्षा 5वीं तक के सभी सब जूनियर विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर को विशेष बनाने हेतु विद्यालय प्रशासन द्वारा मननीय अतिथियों एवं पालकगण को आमंत्रित किया गया, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और अधिक बढ़ा दी।

पुरस्कार समारोह के दौरान विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल और ब्रॉस मेडल एवं प्रमाण पत्र, अतिथियों के द्वारा प्रदान किया गया। नन्हें प्रतिभागियों का उत्साह एवं उनकी उपलब्धियाँ समारोह की केन्द्र बिंदु रही।अतिथि अंजु गुप्ता, कनक जोशी, अल्का कोठारी एवं विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेताओं एवं प्रतिभागी छात्रों की सराहना करते हुए, सम्मान एवं पुरस्कार प्रदान किया।

तृतीय दिवस के दौरान जूनियर एवं सीनियर दोनों वर्गों की विभिन्न खेल प्रतियोगिता का संचालन भी सतत् रूप से जारी रहा। सभी राउंड्स में विद्यार्थियों ने उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा, टीम भावना और खेल कौशल का परिचय दिया। खेल शिक्षकों एवं स्पोर्ट्स विभाग के निर्देशन में प्रत्येक गतिविधि अत्यंत सुव्यस्थित एवं अनुशासित रूप से संपन्न हुई, तृतीय दिवस की उपलब्धियों ने आगामी एवं अंतिम दिवस के प्रति छात्रों की उमंग को और भी बढ़ा दिया

इन सभी खेलकूद को संपन्न कराने में प्राचार्य रश्मि रजक, उप प्राचार्य डॉ. श्रेष्ठिता चंदा, कोऑर्डिनेटर सुनील कुमार पंडा, कोऑर्डिनेटर अनिल कुमार ढाके, कोऑर्डिनेटर एम भुबनेश्वरी, कोऑर्डिनेटर ऐश्वर्या साहू के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ शिक्षक प्रीति झा, रूबी खान, दीपांजली गोगोई, मेघा सेवा, एस.मर्सी, तीरथ साहू, भारती सेठिया, संगीता भारती, सरिता मिश्रा, शांतिलीना नेताम, कृष्णापदा कुंभकार, टाकेश्वर साहू रचना शर्मा, लक्ष्मीनारायण नामदेव, अपूर्वा ठाकुर, वर्षा रामनी उज्जवल निर्मलकर, शिखा मेहरा, सुखदेव सरकार, पार्वती गजबल्ला, पेंकटेश पटेल, अभिनव सिंह, अवतार सिंह, संतोष कुमार ठाकुर, पार्थ ज्योति कलिता, रामेश्वरी साहू, यमुना बिलोधिया, रिकी सेठी, मनीषा साहू, प्रीतिलता सोरी, तारामती चंदेल, प्रतीक सिहं ठाकुर, एंजल इलियास, निशा जयसवाल, नंदनी साहू, पूजा खरे, अपरसा रॉय, अंजू बारले, गौरव टाडिया, मृणाल पाण्डे आदि शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा।

बूथ लेवल अधिकारी द्वारा 04 दिसम्बर तक मतदाताओं से भरा हुआ गणना पत्रक प्राप्त किए जाएंगे

कांकेर/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले में निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में संपादित कराया जा रहा है। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार बूथ लेवल अधिकारी द्वारा 04 दिसम्बर 2025 तक घर-घर जाकर मतदाताओं से विधिवत भरा हुआ गणना पत्रक प्राप्त किया जाएगा। गणना पत्रक में यदि मतदाता अपने फोटो से संतुष्ट नहीं है या फोटो अस्पष्ट है, ऐसी स्थिति में मतदाता चाहे तो अपना नवीन फोटो बूथ लेवल अधिकारी को उपलब्ध करा सकते हैं। बूथ लेवल अधिकारी भी सीधे बीएलओ एप के माध्यम से फोटो खींचकर अपलोड करेंगे। सभी मतदाताओं को फोटो देने की आवश्यकता नहीं है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कलेक्टर संबित मिश्रा ने दी भावभीनी विदाई

बीजापुर/नवप्रदेश। जिला कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने आज जिले के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी। उन्होंने सभी कर्मचारियों के उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन की शुभकामनाएँ दीं। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में प्रधान पाठिका अख्तरी बेगम, जो पूर्व माध्यमिक विद्यालय बीजापुर में पदस्थ थीं, श्री नेतराम ठाकुर, जो जनपद पंचायत उसूर में विकास विस्तार अधिकारी के रूप में कार्यरत थे तथा श्री डोरिस लाल, जो स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ थे शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी श्री डोरिस लाल का सेवानिवृत्ति से मात्र 15 दिन पूर्व आकस्मिक निधन हो गया था। इस कारण उनका पेंशन प्रमाण पत्र उनके परिवार की ओर से उपस्थित बहू श्रीमती महिमा लाल को सौंपा गया।

प्रथम पेज का शेष

पीएम की मौजूदगी...

एम-11 में ठहरे हैं। श्री मोदी आज सुबह आठ बजे से रात 8:30 बजे तक और रविवार को सुबह आठ बजे से शाम 4:30 बजे तक विभिन्न सत्रों में भाग लेंगे। इसके बाद वे शाम पांच बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

दित्वाहः तमिलनाडु-...

कल्लक्कुरिची, पुदुक्कोट्टई, पेराम्बलूर, पुडुच्चेरी और कराईकल में स्कूलों और कॉलेजों दोनों में छुट्टी घोषित की गई है।

लोगों को सतर्क रहने की सलाह

प्रशासन ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, जबकि मछुआरों को समुद्र में न जाने का निर्देश जारी किया गया है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने और तेज हवाएं चलने की संभावना को देखते हुए राहत और आपदा प्रबंधन टीमों को अलर्ट पर रखा गया है।

नवा रायपुर मेडिसिटीः...

उभर रही है। नवा रायपुर अटल नगर पहले से ही शिक्षा, परिवहन, उद्योग और आधुनिक शहरी ढांचे का प्रमुख केंद्र रहा है। अब मेडिसिटी इसे राष्ट्रीय स्तर पर हेल्थकेयर की राजधानी के रूप में स्थापित करने जा रहा है। अत्याधुनिक कनेक्टिविटी, व्यापक परिवहन नेटवर्क और भौगोलिक दृष्टि से रणनीतिक स्थिति नवा रायपुर को न सिर्फ छत्तीसगढ़, बल्कि ओडिशा, मध्यप्रदेश, झारखंड, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र जैसे पड़ोसी राज्यों के लिए भी उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख गंतव्य बना रही है। हर वर्ष 7 करोड़ से अधिक यात्री यहां के एयरपोर्ट और रेल सेवाओं का उपयोग करते हैं, और जल्द ही शुरू होने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के बाद मेडिकल टूरिज्म के विस्तृत अवसर यहां खुलने वाले हैं।

सेक्टर 36ङ्37 में 200 एकड़ में विकसित की जा रही मेडिसिटी में 5,000 से अधिक बेड की क्षमता और देश के अग्रणी हेल्थकेयर समूहों की भागीदारी इस परियोजना को देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य शहर के रूप में स्थापित करेगी।

मेडिसिटी में मेडिकल यूनिवर्सिटी, नर्सिंग कॉलेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थापित किए जा रहे हैं ताकि डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल पेशेवरों की नई और सक्षम पीढ़ी तैयार हो सके। कार्डियोलॉजी, कैंसर साइंस, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, ऑर्गन ट्रांसप्लांट और मल्टीङ्क्स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स लैब्स यहां स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँगे। मरीजों और उनके परिजनों के लिए आवासीय परिसर, छात्रावास, होटल और धर्मशाला जैसी सुविधाएँ इस पूरे क्षेत्र को एक व्यवस्थित ह्यूमनङ्क्सेंट्रिक मेडिकल ज़ोन में बदल देंगी। 'वॉक-टू-हॉस्पिटल' मॉडल, पर्यावरण अनुकूल डिजाइन, सुगम सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी और पीएमजेएवाई व सीजीएचएस जैसी योजनाओं के तहत किफायती उपचार सेवाएँ इस परियोजना को पूरी तरह समावेशी बनाती हैं।

विवादों में उलझना...

के विचार के साथ वास्तविक वैश्वीकरण लाएगा, जो एक परिवार बनाने पर आधारित होगा, न कि वैश्विक बाजार बनाने पर।

'राष्ट्र' की हमारी अवधारणा पश्चिमी अवधारणा से अलग

उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र की अवधारणा को लेकर भारत का दृष्टिकोण पश्चिमी व्याख्याओं से मूल रूप से भिन्न है। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्र की हमारी अवधारणा को समझ नहीं पाते, इसलिए उन्होंने इसे 'राष्ट्रवाद' कहना शुरू कर दिया। 'राष्ट्र' की हमारी अवधारणा पश्चिमी अवधारणा से भिन्न है। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं। राष्ट्र के प्रति अत्यधिक गर्व के कारण दो विश्व युद्ध हुए और यही कारण है कि कुछ लोग राष्ट्रवाद शब्द से डरते हैं।

भारत की राष्ट्रीयता पर क्या कहा?

भागवत ने कहा कि यदि राष्ट्र की उस परिभाषा को माना जाए, जो पश्चिमी संदर्भ में समझी जाती है, तो उसमें आमतौर पर एक राष्ट्र की व्यवस्था होती है। इसमें केंद्र सरकार क्षेत्र का संचालन करती है, लेकिन भारत हमेशा से एक 'राष्ट्र' रहा है, चाहे अलग-अलग शासन-व्यवस्थाएं रही हों या विदेशी शासन का समय रहा हो। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत की राष्ट्रीयता अहंकार या अभिमान से नहीं, बल्कि लोगों के बीच गहरे अंतर्संबंध और प्रकृति के साथ उनके सह-अस्तित्व से उपजी है।

अगली कॉन्फ्रेंस से पहले..

कई ठिकानों पर छापे मार कर की गईं गिरफ्तारियां

केन्द्रीय गृह मंत्री ने आतंकवाद और उग्रवाद पर मोदी सरकार की कार्रवाई का जिक्र कहते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा पॉपुलर फ्रन्ट ऑफइंडिया पर बैन लगाने के बाद देशभर में उसके ठिकानों पर छापे मार कर गिरफ्तारियां की गईं, जो केंद्र-राज्य के समन्वय का उत्तम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि, सुरक्षाबलों और पुलिस द्वारा Intelligence की Accuracy, Objective ·clarity और एक्शन की ह्य4ठुद्गह्द्द4 के तीन बिंदुओं पर काम कर कट्टरता, उग्रवाद और नारकोटिक्स पर कड़ा प्रहार किया जा रहा है।

नार्को व्यापारियों और अपराधियों को एक इंच भी जमीन नहीं मिलेगी

गृह मंत्री ने दोहराया कि, हमें नारकोटिक्स और ærganised क्राइम पर 360 डिग्री प्रहार कर ऐसा तंत्र बनाना है, जिससे इस देश में नार्को व्यापारियों और अपराधियों को एक इंच जमीन भी न मिल पाए। उन्होंने कहा कि, अब समय आ गया है कि राज्यों की पुलिस नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ मिलकर नारकोटिक्स के राज्य, राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर के गिरोहों पर कड़ा प्रहार कर उनके आकाओं को जेल में डाले।

न्यूज गैलरी

आधार पंजीकरण शिविर आज

भिलाई। डाक विभाग द्वारा दो स्थानों पर 29 नवम्बर को आधार पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इंडियन पब्लिक स्कूल नाकापारा नंदिनी रोड जामुल और श्री शंकराचार्य विद्यालय हुडको में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में नए आधार कार्ड का पंजीकरण, आधार कार्ड में सुधार-संशोधन, बायोमेट्रिक अपडेट किये जाएंगे। इसके लिये आवश्यक दस्तावेज़ (पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र, पुराना आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल आईडी, बिजली बिल, बैंक पासबुक, पासपोर्ट साईज़ फोटो आदि के साथ शिविर में सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है। इंडियन पब्लिक स्कूल में सुबह 9:30 बजे और श्री शंकराचार्य विद्यालय, हुडको भिलाई में सुबह 8:30 बजे से शिविर का आयोजन किया जाएगा।

निगम का टैक्स वसूली अभियान तेज

दुर्ग। निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने बकाएदारों के नल कनेक्शन काटने की चेतावनी का असर होने लगा है। वार्ड 32 में कैलाश शर्मा, रवि कुमार और विमला शर्मा के माध्यम से 1 लाख 127 रुपए की नगद राशि करदाताओं द्वारा जमा की गई। वार्ड नंबर 34 सिद्धार्थ नगर क्षेत्र में खोरबाहरा सांडेकर ने बकाया और सन हाल टैक्स के 55,231 रुपए जमा किये गए। वार्ड 35 में भगवान दीन यादव ने नल कनेक्शन काटने की चेतावनी के बाद 50,410 रुपये जमा किये।

प्लेसमेंट कैम्प 4 दिसंबर को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र मालवीय नगर चौक दुर्ग में 4 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में 530 रिक्त पदों के लिये भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। कायरोस सिक्युरिटी, हेल्थ एवं कम्पोजिट सर्विस प्रा लि हैदराबाद के सिक्युरिटी गार्ड व सिक्युरिटी सुपरवाईजर, हाउस कीपिंग और मुथूत माइक्रोफाइन लि. छत्तीसगढ़ के रिलेशनशिप ऑफिसर व ब्रांच क्रेडिट मेनेजर के पद शामिल है। इन पदों के लिये वेतन 16 हजार से 25 हजार तक है। 10 वीं, 12 वीं व कोई भी स्नातक शैक्षणिक योग्यताधारी आवेदक प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित हो सकतें है। विस्तृत जानकारी रोजगार कार्यालय के सूचना पटल से प्राप्त कर सकते है।

जिला बाल संरक्षण इकाई में संविदा पदों पर आवेदन 15 तक

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित जिला बाल संरक्षण इकाई जिला दुर्ग में मिशन वात्सल्य के तहत रिक्त पदों के लिये संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त स्वीकृति के अनुरूप संविदा भर्ती हेतु पात्र आवेदकों से 15 दिसम्बर तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला बाल संरक्षण इकाई में रिक्त विभिन्न पदों की पूर्ति हेतु राज्य शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के बाद जिला बाल संरक्षण अधिकारी, संरक्षण अधिकारी (गैर संस्थागत देखभाल), विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी, लेखापाल, आउटरीच वर्कर के रिक्त पदों की विज्ञापन जारी किया गया है।

धान खरीदी में अनियमितता, कलेक्टर ने जताई नाराजगी, दो समिति प्रबंधकों को शोकाज नोटिस

■ **धान खरीदी और एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण**

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज जिले के पाटन विकासखण्ड के कुर्मीगुण्डरा, जामगांव (एम), घुघवा और पंदर में धान उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने पंदर में एसआईआर कार्य का भी अवलोकन किया। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने आए किसानों से चर्चा कर व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर ने कुर्मीगुण्डरा उपार्जन केन्द्र में धान बिक्री कर चुके ग्राम गब्दी के किसान चितरंजन लाल से मोबाईल पर चर्चा कर धान की उपज और रकबा समर्पण के संबंध में जानकारी ली। किसान ने बताया कि उत्पादित धान फसल की बिक्री करने के बाद अब उनके पास बिक्री के लिये धान उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने रकबा समर्पण न होने की जानकारी दी। कलेक्टर ने समिति द्वारा किसान से रकबा समर्पण न कराने पर नाराजगी जताते हुए समिति प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने धान बेच चुके सभी किसानों के धान विक्रय के बाद शीघ्रतापूर्वक रकबा समर्पण कराने अधिकारियों को निर्देशित किया।

जामगांव (एम) उपार्जन केन्द्र में धान बोरे में अधिक तौल कराने की शिकायत पर कलेक्टर ने मौके

पर धान बोरे की रेण्डम तौल कराई। बोरा में 300 ग्राम धान की अधिक मात्रा पाई गई। बोरे में निर्धारित मात्रा से अधिक धान तौल कराने पर कलेक्टर ने समिति प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस देने निर्देशित किया। कलेक्टर सिंह ने इन गांवों में एसआईआर के अंतर्गत डिजिटाइजेशन कार्यों का भी अवलोकन किया और प्रगति लाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर एसडीएम लवकेश ध्रुव, तहसीलदार पवन ठाकुर, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, सीसीबी के प्रभारी नोडल अधिकारी हृदेश शर्मा, धान उपार्जन केन्द्रों के समिति प्रबंधक व अन्य कर्मचारी और धान बेचने पहुंचे क्षेत्र के कृषक उपस्थित थे।

धान उपार्जन केन्द्र कुर्मीगुंडरा, जामगांव (एम) और घुघुवा में गत वर्ष की तुलना इस वर्ष अधिक खरीदी, वहीं पंदर में कम खरीदी हुई है। आज की तिथि में धान उपार्जन केन्द्र कुर्मीगुण्डरा में 8295 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। जिसमें धान मोटा 2378 क्विंटल, धान पतला 2003 क्विंटल एवं धान सरना 3914 क्विंटल शामिल है। जबकि गत वर्ष इस उपार्जन केन्द्र में 7006 क्विंटल धान की खरीदी हुई थी। जामगांव (एम) उपार्जन केन्द्र में 5940 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। जिसमें धान मोटा 2737 क्विंटल, धान पतला 943 क्विंटल एवं धान सरना 2261 क्विंटल शामिल है। गत वर्ष इस उपार्जन केन्द्र में 5346 क्विंटल धान की खरीदी हुई थी। इसी प्रकार घुघवा उपार्जन केन्द्र में 4750 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। जिसमें धान मोटा 1960 क्विं., धान पतला 435 क्विं. एवं धान सरना 2356 क्विं. शामिल है। गत वर्ष इस उपार्जन केन्द्र 4460 क्विं. धान की खरीदी हुई थी। पंदर उपार्जन केन्द्र में आज की तिथि में 5492 क्विं. धान की खरीदी हुई है। जिसमें धान मोटा 1322 क्विं., धान पतला 1912 क्विं. एवं धान सरना 2258 क्विं. शामिल है। गत वर्ष इस उपार्जन केन्द्र में 6299 क्विं. धान की खरीदी हुई थी।

प्रत्येक मतदाता का गणना फॉर्म अनिवार्य रूप से भरा जाए : केबिनेट मंत्री गजेंद्र

दुर्ग/नवप्रदेश। एसआईआर अभयिान की प्रगति का जायजा लेने केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने वार्ड 44 गुरुघासीदास नगर में बीएलओ और एसआईआर कार्य में संलग्न कर्मचारियों से गणना फॉर्म की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और शेष कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मंत्री यादव ने वार्ड के नागरिकों से आग्रह किया कि वे बीएलओ का सहयोग कर गणना फॉर्म शीघ्र भरें।ॉ निरीक्षण के दौरान मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों में एसआईआर फॉर्म भरने की प्रगति, लंबित कार्य और समस्याओं का निदान करने जिला प्रशासन के अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। कई मतदाताओं के मतदान केंद्र बदले गए हैं, उनके फॉर्म में शिफ्टिंग स्पष्ट रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए गए। यह सुनिश्चित करने कहा गया कि प्रत्येक मतदाता का गणना फॉर्म अनिवार्य रूप से भरा जाए। मंत्री यादव ने मतदाताओं को अपने बूथ लेवल अधिकारी के पास गणना पत्र भरकर जमा करने की अपील की।

मंत्री यादव ने सभी पार्षदों, मंडल अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं से अपने-अपने वार्डों में सक्रियता बढ़ाने, टीम के साथ समन्वय बनाए रखने और मतदाताओं के सतत संपर्क में रहकर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु प्रेरित किया।

इस दौरान पार्षद सरिता चंद्राकर, मनीष कोठारी, संजय अग्रवाल, साजन जोसफ, गुलशन साहू, प्रकाश गीते, मंडल अध्यक्ष महेन्द्र लोढ़ा, आसिफ अली, विनोद चंद्राकर, अनिकेत यादव, एडीएम अभिषेक अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता उपस्थित रहे।

विधायक चंद्राकर ने रिसाली मंडल में एसआईआर को लेकर बैठक ली

भिलाई। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने आज रुआंबांधा सेक्टर स्थित नारी जागरण केंद्र में भाजपा के रिसाली और मरोदा-पुरैना मंडल में एसआईआर अभियान की बैठक ली। सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को एसआईआर फार्म निर्धारित समय में जमा कराने के निर्देश दिये गए। बैठक में कहा गया कि प्रत्येक मतदाता का नाम केवल एक ही स्थान पर दर्ज होना चाहिये। 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं और नवविवाहित महिलाओं के नाम भी मतदाता सूची में जोड़े जाएं। इस दौरान सभी बीएलए ने अपने बूथ, वार्ड में चल रहे एसआईआर की जानकारी दी। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला भाजपा उपाध्यक्ष मनोज सोनी, शिवेन्द्र परिहार, राजीव पांडे, शैलेंद्र शेंडे, दिनेश देवांगन, नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, रिसाली मंडल अध्यक्ष अनूपम साहू, दशरथ साहू, कंचन सिंह, पार्षद धर्मेंद्र भगत, चंद्र प्रकाश निगम, शीला नारखेड़े, सारिका साहू, ईश्वरी साहू, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष रूखमणी साहू सहित भाजपा संगठन पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेयर अलका ने एसआईआर की प्रगति का जायजा लिया

दुर्ग। शहर की मेयर अलका बाघमार ने शुक्रवार को दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 60, 19, 20 और 21 के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। मेयर ने सभी बूथों पर जाकर बीएलओ और उपस्थित कर्मचारियों से फॉर्म भरने की वास्तविक स्थिति, लंबित गणना पत्रकों की संख्या और नागरिकों की सहभागिता पर विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर, अरुण सिंह, रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, विजय भनोट और कृष्णा सिंह मौजूद रहे। महापौर ने कहा कि बीएलओ गणना पत्रक के साथ फॉर्म 6 भी अनिवार्य रूप से प्रदान करें, ताकि नए मतदाताओं, स्थानांतरित मतदाताओं और त्रुटि सुधार हेतु आवेदन करने वालों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बीएसपी के दो महाप्रबंधक सस्पेंड, दो कार्यपालकों को चेतावनी

■ **दो महाप्रबंधकों को एडवाइजरी पत्र, सुरक्षा के प्रति बीएसपी के शीर्ष प्रबंधन का सख्त रुख**

भिलाई/नवप्रदेश। सेल-बीएसपी में विगत दिनों कार्यस्थल पर हुई मृत्यु और कर्मियों के चोटिल होने जैसी गंभीर दुर्घटनाओं को संज्ञान में लेते हुए संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपनी प्रतिबद्धता को दृढ़ता से दोहराया है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि असुरक्षित कार्य और असुरक्षित कार्यप्रणाली के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पहले की तरह आगे भी कड़ाई से लागू रहेगी। दुर्घटनाजनित परिस्थितियों और सुरक्षा संबंधी चूक की गंभीरता को देखते हुए कठोर प्रशासनिक कदम उठाए गए हैं। सिंटर प्लांट 3 के एक महाप्रबंधक और ऊर्जा प्रबंधन विभाग के एक महाप्रबंधक को सस्पेंड कर दिया गया है। ऊर्जा प्रबंधन विभाग के दो कार्यपालकों को चेतावनी पत्र जारी किया गया है। प्लेट मिल के दो महाप्रबंधकगणों को एडवाइजरी पत्र दिये गए हैं। सिंटर प्लांट 3 से महाप्रबंधक शंकर मोरी और ऊर्जा प्रबंधन विभाग से महाप्रबंधक सुब्रमणि रमणी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। दोनों अधिकारियों को पत्र रिसीव नहीं हुआ था। ऊर्जा प्रबंधन विभाग के दो कार्यपालकों प्यारे लाल देशमुख, विनय कुमार को उनके कर्तव्यों के प्रति लापरवाही के लिए चेतावनी पत्र जारी किए गए हैं। प्लेट मिल के दो महाप्रबंधकों सुधाकर और पद्मनाभन को सुरक्षा प्रोटोकॉल को और मजबूत करने के संबंध में आवश्यक एडवाइजरी पत्र दिए गए हैं। सभी घटनाओं के मूल कारणों का विश्लेषण किया गया है, ताकि प्रत्येक पहलू का तथ्यपरक मूल्यांकन हो सके। भविष्य में ऐसी घटनाएँ न होने देने के लिये आवश्यक सुधारात्मक और निवारक उपायों की रूपरेखा तैयार कर संबंधित विभागों को कड़ाई से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। संयंत्र प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा संस्कृति को मजबूत बनाना प्रत्येक स्तर पर सामूहिक उत्तरदायित्व है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या असुरक्षित व्यवहार को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एकमुश्त टैक्स भुगतान पर 2 प्रतिशत की छूट 30 तक

■ **गलत स्व-विवरणी भरने पर करदाताओं पर लगेगा 5 गुना पेनाल्टी**

दुर्ग/नवप्रदेश। गलत स्व विवरणी भरने वालों पर नगर निगम पांच गुना पेनाल्टी वसूल करेगा। भवन व भूमि स्वामियों को चेतावनी दी गई है कि करदाता स्व-विवरणी में अपनी संपत्ति का विवरण गलत या कम दिखाता है, तो उस पर अंतर राशि का 5 गुना तक जुर्माना लगाया जाएगा। निगम कमिश्नर सुमीत अग्रवाल ने कहा कि गलत विवरण प्रस्तुत करने वाले किसी भी करदाता को पेनल्टी माफ करने का अधिकार निगम के पास भी नहीं रहेगा। सभी संपत्ति स्वामी सही जानकारी देकर स्व विवरणी भरें।

कमिश्नर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रॉपर्टी टैक्स का एकमुश्त भुगतान 30 नवंबर तक करने पर 2 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। करदाता समय पर भुगतान कर इसका फायदा उठा सकते हैं।

निरीक्षण के दौरान किसी करदाता की संपत्ति में वास्तविकता से कम आंकड़े प्रस्तुत किए जाने पर निगम सीधे 5 गुना पेनाल्टी वसूल करेगा। स्व-विवरणी भरने और बिना अधिभार के टैक्स जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित है।

भिलाई में महिला का अपहरण, 5 लाख फिरौती की मांग

स्कूल जाते समय किया किडनैप, महिला के मोबाइल से पति को भेजी फोटो, शिकायत दर्ज

भिलाई/नवप्रदेश। स्टील सिटी में आज एक महिला का अपहरण होने की खबर है। बदमाशों ने 43 साल की महिला को किडनैप कर 5 लाख रुपये की फिरौती की मांग की है। अपहरणकर्ताओं ने महिला के पति मुकेश साहू को उसकी फोटो भेजकर रुपए की मांग की है। कैंप-1 निवासी मुकेश साहू ने छावनी थाने में पत्नी राधा साहू के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि राधा साहू भिलाई के सेक्टर-8 में एक स्कूल में टीचर है। रोज की तरह शुक्रवार सुबह स्कूल के लिए घर से निकली थी। ऑटो में बैठकर स्कूल जा रही थी, लेकिन वह स्कूल नहीं पहुंची। राधा के स्कूल न पहुंचने पर स्कूल से फोन आया। स्कूल न आने की वजह पूछी गई।

इसके बाद टीचर के पति मुकेश साहू अपनी पत्नी को ढूंढने लगा। इसी बीच महिला के मोबाइल फोन से मुकेश साहू के पास फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि उसकी पत्नी का अपहरण कर लिया गया है। किडनैपर ने महिला के मोबाइल से ही फोटो खींचकर पति को भेजा था। किडनैपर ने कहा कि उसे एक जगह पेड़ के नीचे बांधकर रखा गया है। उन्होंने 5 लाख रुपये की मांग की है। परिजन फोटो देखकर डरे हुए हैं। हालांकि छावनी थाना की पुलिस इस मामले में कुछ भी नहीं बता रही है। महिला का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। सीएसपी छावनी अभिषेक झा ने कहा कि इस मामले में अभी कार्रवाई चल रही है। पूछताछ जारी है।

एनएचएम सोशल वर्कर भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और नियमसंगत

दुर्ग/नवप्रदेश। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत सोशल वर्कर-एनएमएचपी के पद पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। विज्ञापन में स्पष्ट किया था कि सोशल वर्कर पद शैक्षणिक योग्यता और अनुभव के आधार पर एमफिल साईकाईट्रिक सोशल वर्क की अर्हता रखने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। 6 जून को जारी मेरिट सूची में एमफिल अर्हताधारी उम्मीदवार को प्रथम स्थान पर रखा गया। कौशल परीक्षा के बाद चयन समिति ने विज्ञापन के नियमों का पालन सुनिश्चित करने 18 नवंबर को जारी की गई सोशल वर्कर की चयन सूची को संशोधित किया। सूची में उल्लेख किया गया है कि भर्ती विज्ञापन की शर्तों अनुसार एमफिल साइकाईट्रिक सोशल वर्क को चयन सूची में वरीयता दी गई है। भर्ती प्रक्रिया में तथ्यों और योग्यता पर पूरा ध्यान दिया गया है।

उपादन राशि जल्द जारी होगी, पात्र परिवारों को शीघ्र मिलेगी अनुकम्पा नियुक्ति

■ **निगम की वित्त समिति की बैठक में सदस्यों ने दिये सुझाव**

दुर्ग/नवप्रदेश। महापौर अलका बाघमार और सभापति श्याम शर्मा के मार्गदर्शन में नगर निगम दुर्ग में आज वित्त, लेखा एवं अंकेक्षण समिति की समीक्षा बैठक में कई अहम फैसले किये गए। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने की। बैठक में समिति के सदस्य देवनारायण चंद्राकर, विजयंत पटेल, साजन जोसेफ, अब्दुल

खालिक, सावित्री दमाहे, मनोज सोनी, मनीष बघेल, संजय अग्रवाल, हिरोदी चंदनिया मौजूद रहे। बैठक में कर्मचारियों की उपादन राशि (सेवानिवृत्ति लाभ) और अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित मामलों की समीक्षा की गई। प्रभारी नरेंद्र बंजारे ने बताया कि कई कर्मचारियों की उपादन राशि प्रक्रियाधीन है। समिति द्वारा दस्तावेज़ों की जाँच की जा रही है और शेष कर्मचारियों के प्रकरणों को जल्द निपटाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य शासन से अनुमति मिलने के बाद मृत कर्मचारियों के पात्र निराश्रित परिवारों को अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएगी। निगम की प्राथमिकता कर्मचारियों और उनके परिवारों के हितों को सुरक्षित रखना है। सभी लंबित प्रकरणों को पारदर्शी और तीव्र प्रक्रिया के माध्यम से जल्द समाधान किया जाएगा।

संगीत महाविद्यालय में 3 दिवसीय कौशल उन्नयन कार्यशाला

दुर्ग/नवप्रदेश। नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग में तीन दिवसीय स्किल एन्हांसमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों और कलाकारों में शास्त्रीय नृत्य व संगीत की बारीकियों को निखारने और व्यावहारिक कौशल में वृद्धि करने कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रथम विषय भरतनाट्यम का आहार्य जिसके विशेषज्ञ प्रख्यात भरतनाट्यम नर्तक व कोरियोग्राफर मोहम्मद आसिफ हुसैन थे। उन्होंने आहार्य अभिनय के विभिन्न आयामों, मेकअप, वेशभूषा, आभूषण और मंच प्रस्तुति की बारीकियों पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय विषय हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन के मूल सिद्धांत के विशेषज्ञ वरिष्ठ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक माधो राम सिन्हा थे। उन्होंने तानपुरा, हारमोनियम और तबले के मुख्य तकनीकी तत्वों, उसके संधारण व सुधार की बारीकियों को गहराई से बताया। प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ऐसे विषय कौशल उन्नयन में महत्वपूर्ण भागीदारी रखते हैं। कार्यशाला में मोहम्मद आसिफ हुसैन ने कहा कि संगीत केवल मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि आत्मरंजन के लिये भी हैं। माधोराम सिन्हा ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि केवल गायकी ही नहीं बल्कि उसके अन्य सम्बन्धित सिद्धांत को भी जानना जरुरी है। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से सवाल और शंका समाधान भी किए।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में गर्ल्स कॉलेज की प्राध्यापक रेशमा का पेपर प्रस्तुतिकरण

दुर्ग/नवप्रदेश। विश्वभारती विश्वविद्यालय शांति निकेतन में 'करूणा से सह अस्तित्व तक विश्व शांति पर बौद्ध दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शासकीय डॉ वा वा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की प्राध्यापिका डॉ रेशमा लाकेश द्वारा 'स्ट्रैस एण्ड इंटरनेट एडिक्शन, इफेक्ट ऑन मेंटल हेल्थ ऑफ एडोलिशन्स एण्ड बुद्धिष्ट प्रसपेक्टिव्स' पर पेपर प्रस्तुतिकरण किया गया। गौतम बुद्ध के शांतिपूर्ण जीवन यापन और प्रगतिशील राज्य के लिए अमूल्य मान, बौद्ध धर्म ने करूणा, मेत्ता और अहिंसा को केन्द्रिय नैतिक मूल्यों के रूप में

मान्यता दी है। इन आदर्शों ने सीमाओं को पार करते हुए पूरे एशिया और इसके बाहर संस्कृतियों को आकार दिया है। सशस्त्र संघर्षो, शरणार्थी संकटों, पर्यावरणीय चुनौतियों और डिजिटल युग की दुविधाओं के आज के संदर्भ में सामाजिक सद्भाव की नींव के रूप में आंतरिक शांति के विकास पर बौद्ध धर्म का जोर सह-अस्तित्व की ओर गहन मार्ग प्रदान करता है। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विद्वानों, मठवासियों, शांतिसाधकों और नीति निर्माताओं को समकालीन शांति निर्माण में बौद्ध सिद्धांतों की दार्शिनिक, नैतिक और व्यावहारिक प्रांसगिकता पर विचार-विमर्श हेतु एक साथ उपस्थित हुए।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 73 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से कुल 2563 कर्मचारियों को किया कवर

राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन प्रशिक्षण में सेल की सभी इकाईयों में बीएसपी प्रथम

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात संयंत्र ने राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के अंतर्गत संचालित लार्ज स्केल जन सेवा प्रोग्राम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेल की सभी इकाइयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 28 नवम्बर तक भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 73 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से कुल 2563 कर्मचारियों को कवर किया गया है, जो पूरे सेल में सर्वाधिक है। यह आंकड़ा बीएसपी को शीर्ष प्रदर्शनकारी इकाई के रूप में स्थापित करता है।

प्रधानमंत्री द्वारा सितंबर 2020 में राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन प्रारंभ किया गया था। सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों में आधुनिक कार्य दृष्टि, नागरिक केंद्रित सोच, दक्षता संवेदनशीलता और सेवा-भाव को विकसित करने के उद्देश्य से मिशन प्रारंभ किया गया। इस मिशन का संचालन क्षमता निर्माण आयोग द्वारा किया जा रहा है।

बीएसपी ने इस राष्ट्रीय मिशन को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए प्रशिक्षण गतिविधियों को तेज गति से विस्तार दिया है। संयंत्र के 2 लीड ट्रेनर उप महाप्रबंधक एचआर एलएंडडी यशवंत जौहरी व उप महाप्रबंधक एएंडडी नीरजा शर्मा के साथ 63 प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स इन मॉड्यूल्स को औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप सरल, व्यावहारिक और कार्यस्थल पर सीधे लागू होने योग्य स्वरूप में कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। मानव संसाधन विकास केंद्र और बीएमडीसी में प्रतिदिन 60 से 70 कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर अधिकतम कार्यबल को त्वरित रूप से कवर किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके कर्मचारियों और अधिकारियों ने बताया कि मिशन कर्मयोगी के सत्रों ने उनकी कार्यशैली में ठोस और सकारात्मक बदलाव लाए हैं। निर्णय क्षमता, समस्या समाधान कौशल, टीमवर्क, समय प्रबंधन, संवाद क्षमता या नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण के मामले में यह प्रशिक्षण उनके दैनिक कार्यों में दक्षता और स्पष्टता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुआ है।

70,178.32 मे. टन धान की खरीदी

दुर्ग। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतर्गत शुक्रवार 28 नवम्बर को 87 सहकारी समितियों के 102 उपार्जन केन्द्रों में 13257 किसानों से 70,178.32 मे. टन धान खरीदी की गई है। शासन की पारदर्शी व्यवस्था और तुंहर टोकन के अंतर्गत किसानों को सहुलियतें मिल रही है और वे निर्धारित तिथि अनुसार धान बेचने उपार्जन केन्द्रों में पहुंच रहे हैं। उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए समुचित प्रबंध की गई है। धान खरीदी हेतु केन्द्रों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था है।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर बैठक, 131 केंद्रों में होंगी परीक्षाएं

जिला शिक्षा विभाग की बैठक, फरवरी से शुरू होंगी परीक्षाएं, 10वीं के 21 हजार और 12वीं के 15 हज़ार विद्यार्थी देंगे परीक्षा

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिला शिक्षा विभाग ने आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। जिले के सभी प्राचार्यों को बिलासपुर के एक स्कूल में बुलाकर आगामी बोर्ड परीक्षाओं से जुड़े अहम निर्देश दिए गए। इस बार जिले में 131 परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे और स्पष्ट आदेश है कि कोई नया परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा।

बैठक में शिक्षा विभाग ने बताया कि इस साल बोर्ड परीक्षाएं पहले की तुलना में जल्दी आयोजित की जाएंगी। परीक्षा फरवरी से शुरू होकर मार्च की शुरुआत तक खत्म कर दी जाएगी। विभाग का कहना है कि कई बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और परीक्षाएं देनी होती हैं, ऐसे में बोर्ड परीक्षा जल्द कराने से छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी।सभी प्राचार्यों को निर्देश दिए गए कि परीक्षा केंद्रों में सभी तरह की व्यवस्थाएँ पूरी हों। किसी भी हालत में छात्रों को जर्जर भवन या असुरक्षित कमरे में न बैठाया जाए। सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल और निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए। इस बार बड़ी घोषणा यह भी की गई कि दूधराज इलाके के किसी भी प्राइवेट स्कूल को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। विभाग का कहना है कि व्यवस्था और सुविधा के आधार पर इस बार केवल उपयुक्त सरकारी और मान्यता प्राप्त सुरक्षित भवनों को ही परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा।बैठक में यह भी बताया गया कि इस वर्ष लगभग 21,000 विद्यार्थी कक्षा 10वीं की परीक्षा देंगे। वहीं 12वीं की परीक्षा में लगभग 15,000 छात्र शामिल होंगे। विभाग ने कहा कि बच्चों की संख्या को देखते हुए सभी केंद्रों पर पर्याप्त रूम, स्टाफ और सुरक्षा की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कहा है कि परीक्षा को नकलमुक्त और सुरक्षित माहौल में कराने के लिए सभी प्राचार्यों की पूरी जिम्मेदारी तय की गई है। विभाग का लक्ष्य है विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और तनावमुक्त माहौल में परीक्षा दिलाना।

यूपीएससी की एपीएफसी परीक्षा आज, 2316 परीक्षार्थी 6 केन्द्रों में देंगे परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित एपीएफसी और ईओ की परीक्षा कल 30 नवंबर को आयोजित होगी। जिला मुख्यालय बिलासपुर की 6 परीक्षा केन्द्रों में 2316 परीक्षार्थी शामिल होंगे । कलेक्टर संजय अग्रवाल ने नियुक्त केंद्राध्यक्षों और स्थल पर्यवेक्षकों की मंथन सभाकक्ष में बैठक लेकर परीक्षा के सफल आयोजन के लिए यूपीएससी के दिशानिर्देशों से अवगत कराया और इनका पालन करने के निर्देश दिए। यूपीएससी की ये परीक्षा निर्धारित केंद्रों पर प्रातः 9.30 बजे से 11.30 बजे तक होगी। परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा के प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 30 मिनट पहले पूर्वान्ह सत्र के लिए प्रातः 9 बजे के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जावेगी। उम्मीदवार को ई-प्रवेश पत्र में उल्लेखित स्थान को छोड़कर किसी अन्य स्थान पर उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा केन्द्रों में मोबाइल फोन, ब्लूटूथ एवं अन्य सूचना प्रौद्योगिकी संचार उपकरण सभी के लिए वर्जित है। सभी केन्द्राध्यक्ष अपने कार्यालय का दूरभाष चालू रखे । परीक्षार्थियों के लिए कुर्सी, डेस्क एवं टेबल मानक आकार के हों। परीक्षा केन्द्र में पुरुष एवं महिला के लिए पृथक-पृथक साफ शौचालय हो।परीक्षा केन्द्र में पंखे, बिजली चालू हालत में हो। हॉल कमरे में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। परीक्षा कक्ष में अभ्यर्थियों के बैठने का स्थान सुविधाजनक हो, प्रत्येक परीक्षार्थी के बीच का अंतर आयोग के निर्देश के अनुरूप हो। परीक्षा केन्द्र में जल आदि की सुविधा हो।

न्यूज गैलरी

4 वर्ष के मासूम की बेरहमी से पिटाई, गोद लेने वाली मां गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। गोदनामा लेने के बाद 4 वर्ष के मासूम की बेरहमी से पिटाई व प्रताड़ित करने वाली माँ को कोटा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया है। चोट के निशानों ने उसके साथ हुए क्रूरता को उजागर किया। थाना कोटा को 27 नवंबर को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बिलासपुर की टीम द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड क्रमांक 01, राममंदिर चौक के पास, करगीरोड कोटा में 4 वर्षीय बालक को उसकी कथित गोदनामा माता राजकुमारी भैना द्वारा लगातार गाली-गलौज, मारपीट एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उक्त मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा त्वरित कार्रवाई करने निर्देशित किए जाने पर निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं एसडीओपी कोटा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोटा के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची। टीम द्वारा बालक की स्थिति, चोटों एवं प्रताड़ना के तथ्यों के आधार पर प्राथमिक पुष्टि की गई। प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए प्राप्त आवेदन एवं साक्ष्यों के आधार पर थाना कोटा पुलिस द्वारा आरोपी राजकुमारी भैना को गिरफ्तार किया है।

होमवर्क नहीं किया तो छात्र को पेड़ से लटकाने का मामला

हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, स्कूल शिक्षा सचिव से मांगा जवाब

बिलासपुर/नवप्रदेश। सूरजपुर जिले के रामानुजनगर स्थित एक प्राइवेट स्कूल में केजी-टू के एक मासूम छात्र को होमवर्क नहीं करने पर टीचर ने सज़ा के तौर पर घंटों पेड़ से लटकाए रखा। घटना का वीडियो सामने आते ही परिजनों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने स्कूल के बाहर जमकर हंगामा किया। इस मामले को हाईकोर्ट ने भी बहुत गंभीर माना है। कोर्ट ने इस अमानवीय घटना का संज्ञान लेते हुए सचिव स्कूल शिक्षा विभाग से शपथ पत्र में जवाब माँगा है। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को तय की गई है।

कोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि शिक्षा के नाम पर बच्चों के साथ इस तरह की क्रूरता और निजी स्कूलों की अव्यवस्था बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। कोर्ट ने शासन को इस मामले को गंभीरता से लेने को कहा है। उधर, शिक्षा विभाग ने बताया है कि इस मामले में दोषी शिक्षिका को बर्खास्त कर दिया गया है और स्कूल की मान्यता समाप्त करने का नोटिस भी जारी किया गया है। यह पूरा मामला रामानुजनगर ब्लॉक मुख्यालय क्षेत्र के नारायणपुर स्थित हंसवानी विद्या मंदिर का है। जानकारी के अनुसार, बीते सोमवार को जब नर्सरी क्लास में टीचर काजल साहू ने बच्चों का होमवर्क चेक किया तो एक छात्र ने अपना होमवर्क पूरा नहीं किया था। इस पर टीचर काजल साहू ने गुस्से में आकर बच्चे को क्लास से बाहर निकाला और स्कूल परिसर में लगे एक पेड़ से रस्सी के सहारे उसे लटका दिया। घंटों बच्चा रस्सी के सहारे रोता रहा और टीचर से छोड़ने की गुहार लगाता रहा, लेकिन टीचर ने उसकी एक नहीं सुनी।

वीडियो वायरल अभिभावकों का फूटा गुस्सा

जिस समय बच्चे को पेड़ से लटकाया गया था, उसी समय किसी ग्रामीण ने घटना का वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत तेज़ी से वायरल हो गया। वीडियो देखकर अभिभावकों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया। बड़ी संख्या में पेरेंट्स स्कूल के बाहर इकट्ठा हो गए और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, स्कूल प्रबंधन घटना को मामूली बताता रहा। विवाद बढ़ने पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे और जाँच शुरू की। उन्होंने जाँच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही है।

रील और स्टंटबाजी: एसएसपी ने वीडियो जारी कर युवाओं को दी समझाइश

बिलासपुर /नवप्रदेश। हाईकोर्ट की सख्ती और पुलिस की लगातार समझाइश के बाद भी रील और स्टंटबाजी कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आज भी सिविल लाइन थाना क्षेत्र में कार के रुफ टॉप छत पर बैठकर रील बनाने और स्टंटबाजी का वीडियो सोशल मीडिया में सामने आया है। हालांकि पुलिस ने दोनों युवाओं को पकड़ लिया है और जमकर खातिरदारी भी की है। इसी के मद्देनजर बिलासपुर जिले के एसएसपी रजनेश सिंह का वीडियो सामने आया है। एसएसपी युवाओं को समझाइश दे रहे हैं कि ऐसा करना ना केवल उनके लिए जान को जोखिम में डालने जैसा है साथ ही राहगीरों के लिए भी बड़ा खतरा है। एसएसपी ने कहा गलत काम करने से कोई इंप्रेस नहीं होता है। एसएसपी द्वारा जारी वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में कार की छत पर बैठे रील बनाते और स्टंटबाजी करते युवा दिखाई दे रहा है। इसके ठीक ऊपर लिखा है, रील में स्टंटबाजी का परिणाम जेल। डेढ़ मिनट के इस वीडियो में एसएसपी युवाओं को समझाइश देते सुनाई दे रहे हैं। एसएसपी बोल रहे हैं, जिस तरह से यह लड़का लफंगेबाजी कर रहा है, गाड़ी के रूफटॉप पर बैठकर वीडियो बना रहा है रीलबाजी कर रहा है, यह किसी भी दृष्टिकोण से ठीक नहीं है। अपनी जान के साथ राहगीरों की जान को भी खतरे में डाल रहा है। एसएसपी युवाओं को समझाते सुनाई दे रहे हैं कि ऐसे किसी भी हरकत से आपका जीवन संकट में पड़ सकता है। आप अपने साथ राहगीरों की जान को भी संकट में डालने का काम करते हैं।

शार्ट सर्किट से साढ़े चार एकड़ की तुलसी मंजरी धान जलकर राख

■ **लाखों का नुकसान, किसान ने की मुआवजे की गुहार**

सीपत/नवप्रदेश। ग्राम गुड़ी देउरपारा निवासी किसान अश्वनी साहू के लिए शुक्रवार का दिन कहर बनकर आया, जब विद्युत विभाग की 11 केवी हाईटेंशन लाइन में हुए शार्ट सर्किट से उठी चिंगारी ने उनके कोठार में रखी साढ़े चार एकड़ की तुलसी मंजरी किस्म की धान को आग के हवाले कर दिया। कुछ ही पलों में धुएं और लपटों ने पूरी फसल को अपनी चपेट में ले लिया और वर्षो की मेहनत देखते ही देखते राख में तब्दील हो गई। घटना शुक्रवार दोपहर लगभग 1:30 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक ऊपर से निकली चिंगारी सीधे कोठार पर गिरी, जिससे सूखी धान में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि ग्रामीणों द्वारा तुरंत प्रयास के बावजूद उसे काबू में नहीं लाया जा सका। एनटीपीसी के दमकल वाहन के पहुंचने तक पूरी धान जल चुकी थी। पीड़ित किसान अश्वनी साहू ने बताया कि जली हुई तुलसी मंजरी धान की अनुमानित कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपए है। उन्होंने विभाग की लापरवाही बताते हुए कहा कि बार-बार शिकायत के बावजूद जर्जर तारों की मरम्मत नहीं की गई, जिसका खामियाजा आज उन्हें भुगतना पड़ा है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और प्रशासन को भी सूचित किया गया। पीड़ित ने विद्युत विभाग से तत्काल क्षतिपूर्ति एवं मुआवजे की मांग की है।

पीड़ित परिवार आर्थिक संकट में

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी विद्युत तारों से चिंगारी गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसी घटनाओं पर विभाग को संज्ञान लेने की जरूरत है। किसान अश्वनी साहू की यह फसल उनके पूरे वर्ष की आजीविका का मुख्य आधार थी, जो अब राख हो चुकी है। पीड़ित परिवार आर्थिक संकट में आ गया है और प्रशासन से जल्द राहत की उम्मीद लगाए बैठा है। फिलहाल विद्युत विभाग द्वारा मामले की जांच की बात कही जा रही है, वहीं किसान और ग्रामीणों की नजरें अब प्रशासनिक निर्णय पर टिकी हैं कि उन्हें न्याय और उचित मुआवजा कब मिलेगा।

आईटीआई कोनी में प्लेसमेंट कैम्प 3 को

बिलासपुर/नवप्रदेश। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी में 3 दिसम्बर को सवेरे 10 बजे से टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक लिमिटेड द्वारा एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प निःशुल्क शिक्षा लर्न विथ अर्न प्रोगाम के अंतर्गत डिप्लोमा इन मेकाट्रोनिक्स के लिए है। जिसमें 18 से 23 वर्ष आयु के 12वीं पास या 2 वर्षीय आईटीआई उत्तीर्ण एवं अंतिम वर्ष में अध्ययनरत अभ्यर्थी शामिल हो सकते है। स्टाइपेंड 18149 रूपए, क्लासरूम अटेंडेंस बोनस 2500 एवं रिटेनशन अवार्ड 1000 होगी।

जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में देवेंद्र यादव ने लहराया परचम

■ **युवा नेता सिद्धांशु मिश्रा शहर अध्यक्ष, महेंद्र गंगोत्री को ग्रामीण की जिम्मेदारी**

बिलासपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव का दबदबा रहा। जिला अध्यक्ष पद के लिए दावेदार अपने नेताओं के माध्यम से दिल्ली तक आवाज पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत के समर्थक यहां पीछे रह गए और देवेंद्र यादव गुट ने अपना परचम लहरा दिया। शहर अध्यक्ष के लिए सिद्धांशु और ग्रामीण जिला अध्यक्ष महेंद्र गंगोत्री बने। लिस्ट जारी होते ही चर्चाओं का बाजार गरम हो गया। कांग्रेस ने सभी जिलों में जिला और शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर चयन करने संगठन सृजन अभियान चलाया, और दावा किया कि संगठन को मजबूत और सशक्त बनाने दमदार चेहरों को सामने लाया जाएगा। इसके लिए जिलों में पर्यवेक्षक भेजकर कांग्रेसजनों और जनसामान्य से मिले फीडबैक के आधार पर जिला और शहर अध्यक्ष तय करने का दावा किया गया। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खेमे से प्रमोद नायक और महेश दुबे, पूर्व डिप्टी सीएम रहे टीएस बाबा के खेमे से पूर्व विधायक शैलेश पाण्डेय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री चरणदास महंत खेमे से आशीष सिंह और त्रिलोक श्रीवास ने दावेदारी की। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवा मिश्रा और पूर्व शहर अध्यक्ष नरेंद्र बोलर भी दावेदार रहे। सब टकटकी लगाए एआईसीसी के फरमान की बॉट जोह रहे थे पर शुक्रवार रात एआईसीसी द्वारा जारी जिला व शहर अध्यक्षो की सूची ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। पिछले दिनों जारी युवक कांग्रेस की सूची की तरह जिला कांग्रेस कमेटी के जिला और शहर कांग्रेस अध्यक्ष बनवाने में भी भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने बाजी मार दी।

जनजातीय समाज से सीखें सामुदायिक विकास और प्रकृति संरक्षण की राह : वैभव

मदनलाल शुक्ल कॉलेज में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया

सीपत/नवप्रदेश।शासकीय महाविद्यालय मदन लाल शुक्ल, सीपत में जनजातीय गौरव दिवस माह के अंतर्गत जनजाति समाज का गौरवशाली अती : साहित्यिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर महाविद्यालय स्तरीय कार्यशाला का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं, संस्कृति एवं उनके राष्ट्रनिर्माण में योगदान को रेखांकित करने का सशक्त मंच बना।। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरस्वती सोनवानी (जनपद पंचायत अध्यक्ष, मस्तूरी) रहीं, जबकि मुख्य वक्ता वैभव सुरंगे (कल्याण आश्रम के युवा आयाम के अखिल भारतीय प्रमुख) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में नागेश काले (वनवासी विकास समिति प्रांत सह संगठन मंत्री), धनेश्वर सिंह नेताम (युवा आयाम वनवासी कल्याण आश्रम बिलासपुर प्रमुख), रामचंद्र राठौर (ग्रामीण अध्यक्ष वनवासी कल्याण आश्रम बिलासपुर) तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजीव शंकर खेर (प्राचार्य) ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता, भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती एवं शहीद वीर नारायण सिंह के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात राज्य गीत, अतिथियों का परिचय एवं स्वागत उपरांत संयोजक शत्रुघ्न घृतलहरे द्वारा प्रस्तावना का वाचन किया गया। मुख्य वक्ता वैभव सुरंगे ने कहा कि जनजातीय गौरव माह केवल उत्सव नहीं बल्कि अपनी जड़ों को पहचानने का अवसर है। उन्होंने बताया कि जनजातीय समाज की जीवनशैली से सामुदायिक एकता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता की सशक्त प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि 'बेटी बचाओ' की जो संस्कृति आज राष्ट्रीय अभियान बन चुकी है, वह जनजातीय समाज में सदियों से विद्यमान है।

रतनपुर में रावत नाच महोत्सव एक को

रतनपुर/नवप्रदेश। रतनपुर में 1 दिसंबर को 19वां विराट मड़ई मेला एवं रावत नाच महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। जहां जिले के आठ बार के प्रथम विजेता रहे ग्राम पंचायत सिलपहरी के यदुवंशी भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

आयोजन यादव कल्याण समिति द्वारा स्थानीय बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में किया जा रहा है। इस महोत्सव में समाज के बुजुर्गों और बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया जाएगा। महोत्सव में रावत नाच में भाग लेने वाले दलों को प्रथम पुरस्कार 21 हजार रुपये नकद और रनिंग शील्ड सहित कई नकद और स्मृति चिन्ह पुरस्कार दिये जाएंगे। सम्मानित छात्रों को भी नकद राशि और स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। यादव समाज के प्रमुख लोग और आसपास के गांवों के सदस्य आयोजन में जुटे हैं और यह मड़ई मेला छत्तीसगढ़ की जीवित परंपरा का प्रतीक है। मुख्य आयोजन स्थल बूढ़ा महादेव मंदिर का परिसर है, जहां रतनपुर के यादव समाज द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इस महोत्सव में सामाजिक एकता, संस्कृति और परंपराओं का उत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष भी यह आयोजन पिछले वर्षों की तरह बड़ी धूमधाम से होगा।

मुलाकात

शहरी प्रगति, जनकल्याण और अवसंरचना सुदृढ़ीकरण, तोखन साहू ने साझा की मंत्रालय की अग्रगामी दृष्टि

आवास व शहरी मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल की उपराष्ट्रपति से सौजन्य भेंट

बिलासपुर/नवप्रदेश। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के नव-निर्वाचित उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, राज्य मंत्री तोखन साहू, तथा वरिष्ठ मंत्रालयिक अधिकारियों ने किया।

बैठक के दौरान दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने उपराष्ट्रपति को मंत्रालय के जनादेश, प्रमुख पहलों तथा आगामी संसदीय सत्र की प्राथमिकताओं से अवगत कराया। उपराष्ट्रपति को मंत्रालय की संस्थागत संरचना–विभागों, अधीनस्थ व संलग्न कार्यालयों, तकनीकी संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्वायत्त एवं वैधानिक निकायों, तथा देश भर में मिशन क्रियान्वयन का दायित्व निभा रहे विशेष प्रयोजन वाहनों –का विस्तृत अवलोकन प्रस्तुत किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने वर्षवार बजटीय प्रावधानों एवं व्यय विवरण पर भी जानकारी साझा की, जो शहरी अवसंरचना को मजबूत करने, सेवा-प्रदायन में सुधार लाने और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। अमृत के तहत जल एवं सीवर नेटवर्क का विस्तार, हरित क्षेत्रों का विकास तथा सर्वजन-नलजल लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन, यंत्रीकरण और स्वच्छता के व्यापक जन-आंदोलन को नई गति दे रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी बड़े पैमाने पर किफायती आवास निर्माण के माध्यम से 'सभी के लिए आवास' के लक्ष्य को साकार कर रही है। शहरी गतिशीलता सुधारों के अंतर्गत ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट, मेट्रो रेल और नमो भारत (आरआरटीएस) जैसी उच्च-गति परिवहन प्रणालियाँ सार्वजनिक परिवहन को अधिक आधुनिक और सुगम बना रही हैं।

उपराष्ट्रपति ने मंत्रालय के प्रयासों को सराहा

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने मंत्रालय के प्रयासों की सराहना करते हुए सतत, समावेशी एवं भविष्य-तत्पर शहरी केंद्रों के निर्माण पर बल दिया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को अपने मूल्यवान सुझाव प्रदान किए एवं मंत्रालय द्वारा किए जा रहे सुधारात्मक कार्यों को प्रशंसनीय बताया। आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने उपराष्ट्रपति के मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंत्रालय शहरी विकास की प्रत्येक पहल को अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुख और जन-केंद्रित बनाने के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

न्यूज गैलरी

संविधान के प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

मुंगेली/नवप्रदेश। डॉ. भीमराव अम्बेडकर शिक्षण संस्थान छत्तीसगढ़ द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर कक्षा सज्जा एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्थाध्यक्ष राजेन्द्र दिवाकर, व्यवस्थापक एचआर भास्कर, प्राचार्य आशा दिवाकर एवं वरिष्ठ अभिभावक पार्षद संजय चंदेल द्वारा भारतीय संविधान के किताब एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर दैनिक प्रार्थना के साथ कक्षा दूसरी के छात्र निखिल साहू ने संविधान के प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया। प्राचार्य आशा दिवाकर ने कहा कि आजादी के बाद देश को चलाने एवं एकसूत्र में बांधने के लिए नियम, कानून बनाने की बात आई तब संविधान निर्माण समिति ने संविधान बनाने का कार्य किया जिसमें बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का विशेष योगदान रहा। डॉ. अम्बेडकर ने इतनी कठिनाइयों को सहन करने के बाद पढ़-लिखकर, समाज के लिए जीवन भर संघर्ष किया और संविधान लिखकर दिया। तब से हम लोकतांत्रिक देश में संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उपयोग कर पा रहे हैं एवं अपने कर्तव्य का पालन करने में सक्षम हो रहे हैं। इसीलिए संस्थान हमेशा संविधान के प्रचार-प्रसार एवं संवैधानिक जागरूकता के लिए तत्पर रहता है। कार्यक्रम का संचालन उपप्राचार्य छत्रपाल डाहिरे ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक, संस्थान के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका, छात्र-छात्रा एवं अभिभावकों ने संविधान दिवस के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

'उद्योग व बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम' आयोजित

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला प्रशासन एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के संयुक्त सहयोग से रैम्प योजना के तहत 'उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम' का आयोजन जिला पंचायत के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, महिला उद्यमी, नए उद्यमी, स्टार्टअप्स एवं युवा नवाचारकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला उद्योग केंद्र, जिला व्यापार एवं औद्योगिक संगठनों के साथ-साथ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, आईडीबीआई बैंक, प्रदेश ग्रामीण बैंक सहित विभिन्न वित्तीय संस्थानों के बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों और बैंक अधिकारियों के बीच सीधा संवाद आयोजित हुआ, जिसमें उद्यमियों ने अपने व्यवसाय से जुड़े मुद्दों के समाधान, ऋण प्रक्रिया, उपलब्ध योजनाओं एवं विपणन सहायता पर प्रश्न पूछे। बैंक प्रतिनिधियों ने मौके पर ही समाधान एवं मार्गदर्शन प्रदान किया, साथ ही ऋण सहायता हेतु आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी। महाप्रबंधक किशोर प्रभात सिंह राजपूत ने बताया कि एमएसएमई सेक्टर को सशक्त बनाने एवं उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने हेतु इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जिससे स्थानीय उद्योगों को विस्तार एवं रोजगार निर्माण के अवसर प्राप्त होते हैं।

गवर्नमेंट साइंस कॉलेज में सिंपोजियम साइंस एंड विजन शेपिंग द फ्यूचर ऑफ सोसाइटी का आयोजन

विज्ञान और प्रौद्योगिकी एक-दूसरे के समानांतर, समाज को भविष्य निर्माण में देते हैं योगदान: डॉ. खेर

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर एवं भौतिक शास्त्र विभाग एवं आईक्यूएसी सेल डॉ. ज्वाला प्रसाद मिश्र गवर्नमेंट साइंस कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सिंपोजियम साइंस एंड विजन शेपिंग द फ्यूचर ऑफ सोसाइटी का आयोजन वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश त्रिपाठी सीकॉस्ट रायपुर के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया।

इस सिंपोजियम के प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. आरएस खेर प्राचार्य शासकीय मदनलाल शुक्ल पीजी कॉलेज सीपत द्वारा साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंपैक्ट आफ सोसायटी विषय पर अपने व्याख्यान में विज्ञान प्रमाणिक ज्ञान के साथ प्रकृति को जानने का साधन है जो जिज्ञासा पर आधारित है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी एक दूसरे के समानांतर हैं जिनका विजन समाज को बेहतर भविष्य के निर्माण में योगदान देते हैं। विशिष्ट अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. विनोद दुबे प्राचार्य शासकीय जेएमपी कॉलेज तखतपुर ने कहा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सिद्धांत से समाज में बेहतर बदलाव आते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा विज्ञान के विकास का मूल स्त्रोत है युवा पीढ़ी के लिए इस ज्ञान स्त्रोत से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। इस सिंपोजियम के संरक्षक डॉ. शोभित बाजपेई ने कहा विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित अवधारणा नहीं है बल्कि यह मानव जीवन के हर

क्षेत्र को दिशा देने वाली शक्ति है। द्वितीय तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. आरके पांडे एसोसिएट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ प्योर एंड अप्लाइड फिजिक्स गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर ने कहा विज्ञान मानव जीवन को आसन एवं सुविधाजनक बनाती है तथा समाज के विकास के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण का होना आवश्यक है। इस सिंपोजियम के संयोजक एवं डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने कहा आज की यह सिंपोजियम हमें यह समझने का अवसर देती है कि कैसे विज्ञान और तकनीकी नवाचार हमारे जीवन, शिक्षा और समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। भविष्य के समाज को आकार देने में हमारी सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही सबसे बड़ी ताकत हैं। इस कार्यक्रम में छात्रों के लिए डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनका योगदान विषय पर निबंध एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कॉलेजों के 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम मोनिका मिरे, द्वितीय सुमन साहू एवं तृतीय ऊषा साहू तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दीप्ती साहू प्रथम, निखिल देवांगन द्वितीय, जागेश कुमार तृतीय स्थान प्राप्त किए। इन्हे प्रशस्ति पत्र के साथ क्रमशः 1000, 700, 500 नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि शासकीय एसएनजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. रजत दवे ने कहा कि हमारे समाज और देश को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं का वैज्ञानिक सोच अपनाना बेहद आवश्यक है एवं कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दिए। इस कार्यक्रम में आयोजक एनके पुरले असिस्टेंट प्रोफेसर और डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, कोऑर्डिनेटर और डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, आयोजन सचिव डॉ. प्रेरणा गुप्ता, तकनीकी टीम श्याम लाल मौर्य, डॉ. रमाकांत चंद्राकर, रामचरण साहू, आयोजन समिति के सदस्य सुरेश कुमार भारती, तृप्ति लकड़ा, श्रीमति पूनम कोरी, डॉ. राजू, टिकेश्वर राजपूत, डॉ. अनीता तिर्की, कुमारी किरण भास्कर तथा जिले के विभिन्न महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या उपस्थित रहे तथा सभी को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कलेक्टर ने सीएमएचओ कार्यालय का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य समिति की स्वीकृति बिना नियुक्ति पत्र जारी करने पर सीएमएचओ को नोटिस

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज सीएमएचओ कार्यालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति, फाइलों के निष्पादन, स्वास्थ्य संस्थानों की निगरानी व्यवस्था तथा विभिन्न अधिनियमों के अनुपालन की गहन जांच की।

कलेक्टर ने पीसीपीएनडीटी से संबंधित फाइलों में अनावश्यक विलंब और निर्धारित समय-सीमा में कार्य नहीं होने, नर्सिंग होम एक्ट के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित नहीं करने एवं लापरवाही पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सीएमएचओ डॉ. शीला साहा, पीसीपीएनडीटी नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश खैरवार, सहायक ग्रेड 02 सरस्वती बघेल और सहायक ग्रेड 03 दीपक प्रजापति को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत लंबित फाइलों एवं हाल ही में हुई भर्ती प्रक्रिया की जांच के दौरान नियमों के उल्लंघन और जिला स्वास्थ्य समिति की स्वीकृति के बिना नियुक्ति पत्र जारी किए जाने को गंभीर लापरवाही मानते हुए सीएमएचओ के खिलाफ नोटिस जारी करने निर्देशित किया। उन्होंने एनएचएम में की गई भर्ती एवं पदस्थापना की जांच हेतु एडीएम, जिला कोषालय अधिकारी एवं डीआईओ की सदस्यता में जांच समिति गठित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गांव, गरीब और आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जिल प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को समय पर कार्यालय उपस्थित रहने, जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों को तय समय पर खोलकर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कांग्रेस को बड़ा झटका, नपं अध्यक्ष रीमा ने थामा भाजपा का हाथ

एमसीबी/मनेन्द्रगढ़/नवप्रदेश। स्थानीय राजनीति में बड़ा उलटफेर उस समय देखने को मिला जब झगराखांड नगरपंचायत की अध्यक्ष और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता रीमा यादव ने कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। उनके भाजपा प्रवेश के साथ ही कांग्रेस खेमे में गहमागहमी तेज हो गई है और इसे पार्टी के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। रीमा यादव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और प्रदेश के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि रीमा यादव के शामिल होने से संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलेगी। भाजपा पदाधिकारियों के अनुसार नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने और जनता से बढ़ते जुड़ाव के कारण रीमा यादव ने भाजपा की जन-कल्याणकारी नीतियों पर भरोसा जताया है। वहीं कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह कदम व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का परिणाम है, जिसका संगठन पर व्यापक असर नहीं पड़ेगा। रीमा यादव के भाजपा में शामिल होने से झगराखांड नगरपंचायत और आसपास के क्षेत्रों की स्थानीय राजनीति में नई समीकरण बनने की संभावना बढ़ गई है। यह फैसला आने वाले समय में चुनावी माहौल को प्रभावित कर सकता है।

विशेष गहन पुनरीक्षण में लापरवाही बीएलओ और वालंटियर को नोटिस

एमसीबी/नवप्रदेश। विशेष गहन पुनरीक्षण-2025-26 के तहत निर्वाचन कार्यों को समयबद्ध और सुचारू रूप से पूरा कराने के लिए जारी निर्देशों के बावजूद जिले में कुछ मतदान केन्द्रों पर लापरवाही सामने आई है। निर्वाचन प्रक्रिया को गंभीरता से न लेने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) एवं वालंटियर के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह आदेश अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी किया गया है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मतदाता को एनुमेरेशन फार्म का वितरण, प्राप्त फॉर्म का सत्यापन, अपलोडिंग तथा डिजिटाइजेशन का कार्य 4 दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाना है। किंतु विधानसभा क्षेत्र भरतपुर-सोनहत के मतदान केन्द्र क्रमांक 277, चैनपुर-2 की बीएलओ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती राधा दूबे तथा वालंटियर व्याख्याता मधु जैन द्वारा इन कार्यों में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरती गई। तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनेन्द्रगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि गणना पत्रक के वितरण, मतदाताओं से प्राप्त फॉर्मो के सत्यापन तथा ऑनलाइन प्रविष्टि में शिथिलता पाई गई है, जिससे विशेष गहन पुनरीक्षण की संपूर्ण प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। निर्वाचन जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील दायित्व में कोताही को गंभीर सेवा दोष मानते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 (अनुबंध 1.2) के तहत दोनों कार्मिकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। जारी नोटिस में दोनों कार्मिकों को निर्देशित किया गया है कि वे 24 घंटे के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। निर्धारित समयसीमा में उत्तर प्रस्तुत न करने या उत्तर असंतोषजनक पाए जाने की स्थिति में एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पटवारी गुप्ता को कारण बताओ नोटिस

विशेष गहन पुनरीक्षण-2025-26 के तहत मतदाता सूची अद्यतन कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान मनेन्द्रगढ़ तहसील में गंभीर लापरवाही सामने आई है। निर्वाचन कार्यों में अपेक्षित तेजी न होने और निर्धारित समयसीमा के पालन में कमी पाए जाने पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए पटवारी छाया गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मतदाता को बीएलओ के माध्यम से एनुमेरेशन फार्म का वितरण, सत्यापन तथा फॉर्म की अपलोडिंग एवं डिजिटाइजेशन का कार्य 4 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाना है। हालांकि मनेन्द्रगढ़ तहसील के कई मतदान केन्द्रों में ऑनलाइन एंट्री की प्रगति अत्यंत धीमी पाई गई। इसके पूर्व जारी कारण बताओ सूचना पत्र का उत्तर भी गुप्ता द्वारा समयसीमा में प्रस्तुत नहीं किया गया।

पीएम आवास योजना से शिवरतन का पक्के मकान का सपना पूरा

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिले के विकासखण्ड उदयपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत मरेया निवासी विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के शिवरतन को प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ग्रामीण के तहत पक्का मकान मिल गया है। शिवरतन को वर्ष 2023-24 में पक्का मकान निर्माण के लिए स्वीकृति प्राप्त हुई थी। पहले कच्चे मकान में परिवार सहित निवास करने वाले शिवरतन बताते हैं कि घर की जर्जर स्थिति के कारण बरसात, सर्दी, गर्मी सभी मौसम में रहना अत्यंत कठिन था। बरसात में टपकती हुई छत और कीड़े-मकोडों का डर बना रहता था। वहीं कच्चे घर में ठण्ड और गर्मी में भी बहुत समस्या होती थी।

पूर्व विधायक कमरो के नाम की गलत मैपिंग तकनीकी त्रुटि, संशोधन पूर्ण

■ मतदाता सूची से नाम काटे जाने का दावा निराधार

एमसीबी/नवप्रदेश। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भरतपुर एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय विधानसभा क्षेत्र 01 भरतपुर-सोनहत ने कुछ यूट्यूब चैनलों व समाचार पत्रों में प्रसारित इस भ्रामक खबर का खंडन जारी किया है कि पूर्व विधायक गुलाब कमरो का नाम धर्मजयगढ़ विधानसभा की मतदाता सूची में दर्ज है और त्रुटि सुधार के बाद भी गलत दर्ज बना हुआ है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि 20 नवंबर को स्वयं गुलाब कमरो द्वारा भेजे गए स्क्रीनशॉट के आधार पर पता चला कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 2003 के ईपिक विवरण का डिजिटाइजेशन तकनीकी समस्या के कारण विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 19 धर्मजयगढ़ के भाग संख्या 169 में बीएलओ द्वारा मैपिंग दिखा रहा था। मामले में तत्परता दिखाते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा 21 नवंबर 2025 को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ को पत्र भेजकर तकनीकी समाधान का अनुरोध किया गया। 26 नवंबर को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बीएलओ ऐप में अनमैपिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई जिसके पश्चात धर्मजयगढ़ के बीएलओ द्वारा अनमैपिंग की कार्रवाई की गई और उसी दिन गुलाब कमरो के एनुमेरेशन फार्म का डिजिटाइजेशन, सत्यापन तथा मैपिंग उनके मूल विधानसभा क्षेत्र 01 मनेन्द्रगढ़ के भाग संख्या 94 भलौर, सरल क्रमांक 767 में सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया। निर्वाचन कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम अनुसार 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक एनुमेरेशन फार्म का वितरण, वापसी और डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया जारी है तथा 9 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। चूंकि अभी ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन ही नहीं हुआ है, इसलिए किसी मतदाता का नाम काटे जाने का दावा पूरी तरह भ्रामक, असत्य और तथ्यों के विरुद्ध है।

संविधान दिवस पर भीम आर्मी ने निकाली रैली

जांजगीर-चापा/नवप्रदेश। संविधान दिवस पर भीम आर्मी ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र कुर्रे की अध्यक्षता में संविधान दिवस पर पामगढ़ में बाबा साहेब को नमन करते हुए रैली निकाली गई। रैली की शुरुआत पामगढ़ से हुई, जो मुख्य मार्ग से होकर शिवरीनारायण पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में शामिल भीम आर्मी के सिपाही झंडा लहराते हुए 'जय भीम, जय संविधान' के नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल संविधानिक चेतना और उत्साह से भर गया। शिवरीनारायण पहुंचकर उपस्थित जनसमूह व भीम आर्मी पूर्व प्रदेश सचिव कलेशवर खूंटे जी,जिला प्रभारी संतराम खरे,जिला उपाध्यक्ष मंगलू खांडेकर जी ने बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्य अर्पण कर नमन किया और देश वासियों को बधाई देते हुए भारतीय संविधान की मूल प्रस्तावना का सभी ने मिलकर पाठन किया। सभी ने समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व का पालन करने का संकल्प लिया।

काला झंडा दिखाने की तैयारी पर जिले भर के कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी

मनेंद्रगढ़/नवप्रदेश। आदिवासी भूमि पर कथित कब्ज़े और भाजपा कार्यालय निर्माण को लेकर गुरुवार को जिला कांग्रेस ने व्यापक विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। कांग्रेस का आरोप है कि जहां उनके पार्टी कार्यालय हेतु भूमि आवंटन की फाइल महीनों से तहसीलदार स्तर पर लंबित है, वहीं उसी क्षेत्र की विवादित आदिवासी भूमि पर भाजपा कार्यालय निर्माण के लिए प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया। इसी के विरोध में कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित शांतिपूर्ण प्रदर्शन और काला झंडा दिखाने की तैयारी से पहले ही पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी। सुबह से ही जिला

एवं स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। पूर्व विधायक गुलाब कमरो को नजरबंद किया गया। कार्यक्रम स्थल के आसपास पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार केसरवानी, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हाफिज़ मेमन, युवा कांग्रेस भरतपुर-सोनहत अध्यक्ष मोती सिंह, युवा कांग्रेस मनेंद्रगढ़ विधानसभा अध्यक्ष मनोज शर्मा, पार्षद स्वप्निल सिन्हा एवं रवि जैन सहित कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। चिरमिरी में युवा कांग्रेस महासचिव एवं पार्षद राहुल पटेल, पूर्व जिला महासचिव सदाशिव बारीक, विधानसभा महासचिव प्रिंस शाही, उपाध्यक्ष अशरफ अली, जितेंद्र साव, राहुल मालिक, परवेज खान, विश्वदीप दास गुप्ता, दिनेश राही, संजय सिरदार, अभय कुमार, विक्रम सिंह चौहान समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। खोंगापानी क्षेत्र में राम यादव, राजा पांडे, जगदीश मधुकर, पिंटू भास्कर, गोल्डी, सागर तिवारी, मनोज साहू, अमित राणा दास सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने थाने पहुँचाया। जिले में सैकड़ों कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम स्थल पहुँचने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया।कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा, 'आदिवासी जमीन पर कब्ज़ा करने वालों को संरक्षण और विरोध करने वालों पर दमन–यह भाजपा सरकार की पहचान बन चुकी है। इसके बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता न डरेंगे, न झुकेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
(निर्माण संगठन)
ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांक: सी.ए.ओ./सी/बीएसपी/25-26/15 दिनांक : 21-11-2025 (ओपन ई-टेंडर) (सिंगल पैकेट सिस्टम)

कार्य: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर डिवीजन में सरडेगा-भालुमुडा (37.24 किलोमीटर) नई बीजी डबल लाइन के संबंध में, वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अनुसार वन भूमि के लिए वन विचलन प्रस्ताव की योजना तैयार करना, पर्यावरण और वन मंत्रालय (भारत सरकार) से स्टेज। और स्टेज-।। वन मंजूरी प्राप्त करना, और रेलवे भूमि में लगभग 44.02 हेक्टेयर क्षेत्रफल में जमकानी, बुर्हापहार और बुधिया वन, ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्यों में वृक्ष गणना और वृक्ष कटाई के लिए वन विभाग की अनुमति प्राप्त करना।"

निविदा मूल्य: रु. 1,02,94,120.29 अमानत राशि: रू. 2,01,500.00 निविदा दस्तावेज़ की लागत: शून्य कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से । निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक 16/12/2025 को 15:00 बजे तक। (2) निविदा खोलने का समय एवं दिनांक 16/12/2025 को 15:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज़ का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर-पिन: 495004 अथवा उप-मुख्य अभियंता /निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर पिन 492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबंधक /पश्चिम/निर्माण/नागपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर पिन: 440001 के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर / देख सकते है।

उप-मुख्य अभियंता/निर्माण
सीपीआर/10/AM/502 द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

क्र. सं. (1) ई-निविदा सूचना संख्या: 80A एसटी टेंडर 2025 दिनांक- 21.11.2025 कार्य : बिलासपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (IPIS) का प्रावधान/उन्नयन। निविदा मूल्य: रु.12,25,34,401.64 (बारह करोड़ पच्चीस लाख चौंतीस हजार चार सौ एक रुपये और चौसठ पैसे मात्र)। अमानत राशि : रु. 7,62,700/- (सात लाख बासठ हजार सात सौ रुपये मात्र)। निविदा का जमा होना : दिनांक 15.12.2025 के 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी http://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (CIC)
सीपीआर/10/AM/490 द.पू.म.रेलवे/बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पण्डरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.) Email: Lspsskm@gmail.com
// ई-निविदा सूचना// Contact No. 07987900070, 09907575796

ई-निविदा सूचना -180661 दिनांक- 29.11.2025

2500 टी.सी.डी. शक्कर कारखाना पण्डरिया में पुनः ई-टेण्डर आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मो / निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर पृथक-पृथक ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1311/- रू. (1000/-रु. + 311/-रू. चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) से फार्म Upload किया जाना है। निम्नलिखित तिथि अनुसार निविदा आमंत्रित की जानी है:-

क्र.	विवरण	निविदा प्रपत्र विक्रय/जमा तिथि एवं समय	निविदा खोलने तिथि एवं समय
1	ई- निविदा सूचना क्रमांक 180661 कुशल तकनीकी कर्मचारी (मेन पॉवर) हेतु	दिनांक 29/11/2025 दोपहर 12:00 बजे से 05/12/2025 को समय दोपहर 12.00 बजे तक फार्म भर कर/अपलोड करने पर मान्य होगा।	निविदा 05/12/2025 समय दोपहर 12:30 बजे से

निविदा की शर्ते व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साइट WWW.Lspssk.in में भी अवलोकन कर सकते है।

महाप्रबंधक (प्रशा.)

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्या. कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
टेली फैक्स: 07740-252273 email:bssukm1@gmail.com
// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना // Contact No. 09454221467, 08305143251,09893404589

निविदा विज्ञप्ति क्र. 14 दिनांक- 29/11/2025

3500 टी.सी.डी. के भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, कवर्धा, जिला-कबीरधाम में विभिन्न इलेक्ट्रिकल्स कार्य हेतु ई-टेण्डर आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मो / निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1311/-रू. (1000/-रु. + 311/-रू. चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) से फार्म Upload किया जाना है। निम्नलिखित तिथि अनुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	विवरण	निविदा प्रपत्र विक्रय / जमा तिथि एवं समय	निविदा खोलने तिथि एवं समय
1.	**ई-निविदा क्रमांक 180534** Overhauling Service & Testing 600KW Alternator, Exciter CT, PT Isolator, Transformer, Protection wiring problem, AVR Calibration PFC Panel **(Only OEM & Authorized Dealer/ Experiences)** विभिन्न इलेक्ट्रिकल्स कार्य	दिनांक 30/11/2025 समय सायं 08:00 बजे से 03/12/2025 को समय दोपहर 12:00 बजे तक फार्म भर कर/अपलोड करने पर मान्य होगा।	निविदा 03/12/2025 समय दोपहर 12:30 बजे से

निविदा की नियम एवं शर्ते निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साइट WWW.bssukm.co.in में अवलोकन कर सकते है।

महाप्रबंधक
भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्या. कवर्धा,
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरी द्वारा एसआईआर कार्य का निरीक्षण

नगरी/नवप्रदेश। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरी की टीम ने क्षेत्र में चल रहे विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण दल में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भूषण साहू, जिला उपाध्यक्ष भानेन्द्र सिंह ठाकुर, SIR ट्रेनर पेमन स्वर्णबेर, जनपद सदस्य प्रमोद कुंजाम, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभिषेक बंजारे एवं जोन अध्यक्ष खम्मम साहू फरसिया उपस्थित रहे।टीम ने ग्राम छिपली, संबलपुर, अमाली, गोरेगांव एवं फरसिया में पहुँचकर मतदाता सूची अद्यतन प्रक्रिया की बारीकी से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान SIR फार्म भरने की प्रगति, दस्तावेज़ों के सत्यापन, सामने आ रही समस्याओं तथा मतदाता सूची अद्यतन की स्थिति संबंधी जानकारी बीएलओ से प्राप्त की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकांश स्थानों पर 70 से 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य तेजी से प्रगति पर है। निरीक्षण दल ने बीएलओ के कार्यों की सराहना करते हुए 4 दिसंबर तक सभी लंबित प्रक्रियाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि हर योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत बनाता है और यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने आम जनता से भी आग्रह किया कि वे अपने नाम, परिवार के सदस्यों की जानकारी एवं दस्तावेजों की जांच समय पर कर बीएलओ को सहयोग प्रदान करें।

अल्ट्राटेक रावन द्वारा पर्यावरण संरक्षण को समर्पित कला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

भाटापारा/नवप्रदेश। अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु चुचरुंगपुर हाई स्कूल में ग्राम पंचायत के सहयोग से पर्यावरण आधारित चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 84 विद्यार्थियों ने आकर्षक पेंटिंग और सारगर्भित निबंध प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सीएसआर से विनोद श्रीवास्तव ने चुचरूंगपुर शासकीय हाईस्कूल को पर्यावरण के प्रति समर्पित विद्यालय बताया। उन्होंने इको क्लब की गतिविधियों के अधिक प्रभावी संचालन के लिए सहयोग देने की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य राजकुमार गेंडरे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि पेड.-पौधे को बचाना एवं स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों ने अपनी पेंटिंग और कविताओं के माध्यम से बताया कि छोटे-छोटे प्रयासों से पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित रखा जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी 84 प्रतिभागी विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन हेतु पुरस्कार प्रदान किए गए। अल्ट्राटेक रावन सीएसआर आगे भी पर्यावरण शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यों को निरंतर गति देता रहेगा। विदित हो कि विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों व अल्ट्राटेक सीएसआर के संयुक्त प्रयास से लगाए गए 1200 छायादार पौधे अब सुंदर आकार ले रहे हैं। कार्यक्रम में अल्ट्राटेक सीएसआर टीम से द्वारिका वर्मा और सुनीता निषाद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर लेखराम चंद्रवंशी , मोहन लाल वर्मा , राजेंद्र कुमार वर्मा , रामदयाल साहू , उषा वर्मा , नीतू ध्रुव , दीपिका चतुर्वेदी , गिरीश साहू , एस. आर. ध्रुव , आई के. साहू पी. आर. कोट्रे इत्यादि उपस्थित थे।

भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है

महासमुंद/नवप्रदेश। बागबाहरा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत धरमपुर में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं भारत माता के छाया चित्र में माल्यार्पण और पूजन कर किया गया। संविधान दिवस में प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर शपथ दिलाई गई।

ग्राम पंचायत धरमपुर के पंचायत भवन में संविधान दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद सदस्य दिव्या उपेन्द्र दीवान, सरपंच प्रमोद साहू, सचिव धीरज यादव ने एक स्वर में प्रस्तावना का पाठ कर संकल्प दोहराया कि वे संविधान में निहित मूल्यों, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को सामाजिक जीवन में धारण करेंगे। उन्होंने संविधान निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा, डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं संविधान से जुड़े महान विभूतियों की भूमिका और भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली की विशेषताओं पर अपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों ने बताया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। यह देश की सामाजिक विविधता को एक सूत्र में पिरोता है और हर नागरिक को अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि संविधान भारतीय लोकतंत्र की मजबूत रीढ़ है और यह सभी के लिए समान न्याय का अधिकार देता है। उन्होंने युवाओं को संविधान के अध्ययन और उसके अनुकरण के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर अतिथियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, साहिका, मितानिन और बी आर पी का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। बाद अतिथियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधरोपण किए। और उसकी देखरेख करने की प्रतिज्ञा भी ली। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ जूझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की जिलाध्यक्ष सरोज चंद्राकर, त्रिवेणी निषाद, रेखा चंद्राकर, भोज पटेल, कांति ध्रुव, प्रीति ध्रुव, पदमा नागेश, सुमित्रा सांवरा, पवनी ध्रुव, रोशनी ध्रुव, कुमारी ध्रुव, बिंदा पटेल, भुनेश्वरी गाड़ा, हेमिन साहू, जानकी निर्मलकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

45 केंद्रों में हो चुकी 42 क्विंटल खरीदी, 20 केंद्र में बोहनी का इंतजार

धान खरीदी के 13 दिन बाद भी शुरू नहीं हुआ उपार्जन केंद्रों से उठाव

- मिलर्स से अनुबंध में देरी
- लिमिट से अधिक खरीदी वाले केंद्रों में होगी धान रखने की समस्या

कोरबा/नवप्रदेश। धान खरीदी के शुरूआत को 13 दिन बीतने के बाद 45 उपार्जन केंद्रों में 42 हजार क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। मिलिंग के लिए खाद्य विभाग में 109 मिलर्स ने आवेदन किए है। मिल का सत्यापन करने के बाद ही उन्हे मिलिंग का दायित्व दिया जाएगा। सत्यापन का काम पूरा नहीं होने की वजह से अनुबंध नहीं हो पाया है। उधर फसल कटाई का का 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। उपार्जन केंद्रों में किसानों की भीड़ बढ़ने लगी है। सप्ताह भर में खरीदी के एक लाख क्विंटल से पार हो सकती है। समय पर उठाव नहीं होने से धान रखने की समस्या होगी।

नवप्रदेश — धान खरीदी, फैक्ट चेक — WWW.NAVPRADESH.COM

> धान खरीदी अभी प्रारंभिक चरण में है। मिलिंग के लिए 109 मिलर्स ने आवेदन किया है। मिल का सत्यापन किया जा रहा है। सोमवार तक अनुबंध की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद उठाव भी शुरू किया जाएगा।
>
> **– घनश्याम सिंह कंवर,** जिला खाद्य अधिकारी

बेहतर वर्षा की वजह से इस बार खेतों में धान की बंपर पैदावार हुई है। उपार्जन केंद्र में किसान अपनी गाढ़ी की कमाई की बिक्री करने पहुंच रहे हैं। प्रबंधक व कंप्यूटर आपरेटरों के हड़ताल पर होने की वजह से उपार्जन तैयारी नहीं की गई है। केंद्रों में धान को बिना ड्रेनेज डंप किया जा रहा है। केरवाद्वारी मे सर्वाधिक 4619 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। वहीं तुमान 3,480 क्विंटल खरीदी के साथ दूसरे स्थान पर है। जटगा, कोरबी, निरधी, पाली बक्साही , भैसमा, रामपुर ऐसे केंद्र हैं जहां एक हजार क्विंटल से भी अधिक धान की खरीदी हो चुकी है। वहीं अखरापाली, बोइदा, कुदमुरा, सुमेधा, तिलकेजा, बेरचुआ, पिपरिया, कर्रानवापारा आदि ऐसे केंद्र हैं, जहां अभी धान खरीदी की शुरूआत नहीं हुई है। उपार्जन केंद्र के नोडल अधिकारियों से कहा गया है कि मैदान में ड्रेनेज लगाकर धान को रखें। खरीदी के बाद उपार्जन केंद्रों में आने वाली धान में आने वाली खराबी के लिए नोडल व फड़ प्रभारी जिम्मेदार होंगे। धान की आवक को देखते हुए विपणन विभाग ने बारदानों की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी है। बताना होगा कि इस बार धान बिक्री के लिए 55,691 किसानों ने पंजीयन कराया है। बीते वर्ष की तुलना में तीन हजार नए किसानों की वृद्धि हुई है। रकबा व किसानों की संख्या में हुई वृद्धि से अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार 30 लाख क्विंटल धान की खरीदी हो सकती है। बीते वर्ष 65 उपार्जन केंद्रों से 29 लाख क्विंटल धान की खरीदी हुई थी।

शेड के अभाव में खुले में रख रहे धान

जिले में बीते चार साल के भीतर 11नए उपार्जन केंद्रों की शुरूआत की गई है। इस वर्ष भी 20 नए केंद्रों को शुरू करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया था लेकिन स्वीकृति नहीं मिली। विगत चार साल के भीतर जिन केंद्रों को स्वीकृति मिली है उनमें एक भी केंद्र में शेड गोदाम का निर्माण नहीं किया गया है। वर्षा के दौरान यहां प्रति वर्ष धान भीगने की समस्या रहती है। सुरक्षा के लिए सभी उपार्जन केंद्र प्रभारियों को धान की लाट को ढंकने के लिए कैप कवर रखने के लिए कहा गया है।

हाथी विचरण के चलते केंद्र तक पहुंचने में समस्या

हाथी प्रभावित केंद्रों उठाव को प्राथमिकता देने की बात कलेक्टर ने कही है। पसान, पिपरिया, चचिया, गुरमा आदि ऐसे केंद्र है, जहां धान उठाव नहीं होने की वजह हाथी के आ धमकने की आशंका बनी हुई है। कोरबा वन मंडल में इन दिनों 13 और कटघोरा वन मंडल में 38 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। प्रभावित क्षेत्रों के किसान उपार्जन केंद्र तक धान लेकर नहीं आ पा रहे हैं। हाथियों की संख्या बढ़न के साथ फसल नुकसानी का आंकड़ा साल दर साल बढ़ रहा।

धमधा ब्लॉक में टावर विवाद गहराया

खड़ी फसल रौंदने पर किसानों का फूटा गुस्सा, मुआवज़ा दिए बिना जबरन काम कराने का आरोप

- गोबरा पेंड्री के 7 किसान सीधे प्रभावित, पूरे ब्लॉक में 150 से अधिक किसानों की फसलें संकट में

धमधा/नवप्रदेश। धमधा ब्लॉक के गोबरा पेंड्री गांव में टावर निर्माण को लेकर बड़ा विवाद छिड़ गया है। CSPTCL के अंतर्गत काम कर रही यूनिक स्ट्रक्चर एंड टॉवर लिमिटेड पर किसानों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि एजेंसी के कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना और मुआवज़ा दिए खेतों में घुसकर फसल रौंदते हुए जबरन टावर लगाने का काम कर रहे हैं।

इस पूरे मामले ने ब्लॉक भर के किसानों में आक्रोश फैला दिया है, क्योंकि इस प्रोजेक्ट से धमधा ब्लॉक के 150 से अधिक किसान प्रभावित हो रहे हैं, जिनको अब तक न तो टावर गाड़ने का भुगतान मिला है और न ही फसल क्षति का मुवावजा मिला है।

40-50 कट्टा धान नष्ट, सब्ज़ी की मौसमी फसल पर भी चलाया बुलडोज़र जैसा असर : गोबरा पेंड्री के किसानों ने बताया कि टावर की नींव डालने के दौरान पहले ही उनकी लगभग 40 से 50 कट्टा धान की पैदावार बर्बाद की जा चुकी है। किसानों का आरोप है कि मुआवज़ा देने की बात तो कही गई थी, लेकिन न मुआवज़ा तय हुआ और न ही कोई लिखित सूचना मिली। इसके बावजूद एजेंसी के कर्मचारी खेतों में जबरदस्ती घुसकर काम करते रहे।

तहसील में लगा आरोप– 'न्यूनतम दर पर फसल का मूल्यांकन, लागत भी नहीं निकल पा रही'

किसानों ने तहसीलदार धमधा पर यह आरोप लगाया है कि फसल क्षति का मुआवज़ा सरकार द्वारा आगजनी या प्राकृतिक आपदा के मामलों में तय न्यूनतम दरों के आधार पर तय किया जा रहा है।

किसानों का कहना है कि यह न्यूनतम दर बीज, खाद, दवाई, सिंचाई और मेहनत का खर्च भी पूरा नहीं कर पाती। किसानों ने कहा कि यह मुआवज़ा पाना भी मुश्किल है क्योंकि फसल को 'प्राकृतिक आपदा' के दायरे में नहीं रखा जा रहा। किसानों ने इसे सीधा अन्याय बताया है।

इसी बीच गुरुवार और शुक्रवार को खेतों में लगी टमाटर, सेमी, राहर और भिंडी जैसी सब्ज़ियों की मौसमी फसल को भी भारी नुकसान पहुंचाया गया। किसान बताते हैं कि इन सब्ज़ियों पर उनकी रोज़ की रोज़ी-रोटी चलती है, लेकिन बिना किसी परवाह के खेतों पर मशीनें और भारी सामान चलाकर खेती को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

किसान बोले— डरा-धमकाकर कराया जा रहा काम, विरोध करने पर सुनवाई नहीं : गोबरा पेंड्री के प्रभावित किसान खिलावन सिन्हा, मोहित यादव, नंदकुमार साहू, चौवन चक्रधारी, इतवारी साहू, साधुराम साहू और उमेंद्र लाल साहू ने बताया कि एजेंसी के कर्मचारी आए दिन डरा-धमकाकर खेतों में प्रवेश कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि विरोध करने पर भी उनकी बात सुनी नहीं जाती और सामना करने पर कहा जाता है–

ये सरकारी काम है, चाहे तुम्हें पसंद हो या न हो, हमें करना ही है: किसान बताते हैं कि उन्होंने कई बार काम रोकने की कोशिश की, लेकिन एजेंसी द्वारा ऊपर के आदेश का हवाला देकर काम जारी रखा गया। पूरे ब्लॉक के 150+ किसान मुआवज़े को तरस रहे, प्रोजेक्ट के नाम पर बढ़ रही बेदखली की चिंता धमधा ब्लॉक के करीब 150 किसान इस टावर प्रोजेक्ट से प्रभावित हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि न तो पहले फसल नुकसान का अच्छे से सर्वे किया गया, न उन्हें कोई नोटिस दिया गया और न ही मुआवज़े की राशि ढंग से तय की गई। वहीं अब जब फसल रौंद दी गई है, तब भी किसी किसान को एक रूपया तक मुआवज़ा नहीं मिला। किसानों में यह भी आशंका है कि आगे इसी तरह और भी खेतों में बिना पूछे, बिना कागजी प्रक्रिया के टावर लगाए जा सकते हैं, जिससे कृषि भूमि को स्थायी नुकसान होगा।

आर्थिक संकट गहराता, किसान बोले– खेत-बाड़ी बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं

किसानों ने बताया कि फसल पहले ही कीट, मौसम और बाजार की मार झेल रही है। ऐसे में यदि सरकारी काम के नाम पर फसल रौंद दी जाती है और मुआवज़ा भी नहीं मिलता, तो किसान और उनके परिवार गहरी आर्थिक परेशानियों में फंस जाएंगे।

किसानों ने प्रशासन से मांग की है

- खड़ी फसल को हुआ वास्तविक नुकसान का पूरा मुवावजा किसान के लगत को देखकर दिया जाए
- जब तक सभी किसानों को भुगतान नहीं हो जाता, टावर लगाने का कार्य रोका जाए
- खेतों में जबरन घुसने वाले कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए
- नुकसान का सर्वे स्वतंत्र और निष्पक्ष टीम द्वारा कराया जाए
- किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं होती, तो वे सामूहिक रूप से धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

किसानों का कहना है–

हम टावर लगाने का विरोध नहीं कर रहे, हम केवल अपनी मेहनत की फसल का उचित मुआवज़ा चाहते हैं। किसानों ने प्रशासन को चेतावनी दी– समाधान नहीं मिला तो होगा बड़ा आंदोलन।

नौ दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन ग्राम पाऊवारा में 3 दिसंबर से

उतई/नवप्रदेश। नौ दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की धर्मपत्नी स्व. श्रीमती कमला देवी साहू व सहित परिवार के पूर्वजों के स्मृति में दिनांक 03 दिसम्बर से ग्राम पाऊवारा (उतई) में रखा गया है। इसमें कथावाचक लिमतरा आश्रम के संत निरंजन महाराज जी होंगे में भागवत कथा का विशाल आयोजन साहू परिवार की ओर से किया जा रहा है।जिसकी तैयारी चल रही है। कथा, 03 दिसंबर से 11दिसंबर तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। दिनांक 3 दिसंबर की सुबह 10 बजे से कलश यात्रा शाम 4 बजे से वेदी पूजन, गोकर्ण कथा की कथा सुनाई जायेगी। आयोजक साहू परिवार ने बताया कि दिनांक 4 दिसंबर को पांडव कुल वर्णन, परिक्षित जन्म श्राप सुखदेव आगमन, 5 दिसंबर को सती, पार्वती, ध्रुव चरित्र,6 दिसम्बर को भरत चरित्र, प्रह्लाद चरित्र, 7 दिसंबर को रामवतार, कृष्णवतार,8 दिसंबर को बाल लीला, माखन लूट, गोवर्धन पुजा,56 भोग, 9 दिसंबर को मथुरा लीला,रुक्मिणी विवाह, 10 दिसंबर को द्वारिका लीला, सुदामा चरित्र, चढ़ोतरी,तुलसी वर्षा एवं शोभा यात्रा और 11दिसंबर को गीता पाठ, हवन, सहस्त्रधारा, पूर्ण आहुती, कपिला तर्पण एवं देव विदाई कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। शासकीय कुंज बिहारी चौबे महाविद्यालय, लाल बहादुर नगर में प्राचार्य डॉ. आर. के. ठाकुर के मार्गदर्शन में ÷जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत : ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान÷ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. मनोहर बोकडे तथा सहङ्कसंयोजक अरुण कुमार साहू रहे। कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता गणेश कुमार नेताम (सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र, शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय, डोंगरगांव) थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्रंथपाल गौतम कुमार नेताम उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. ठाकुर के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान भारत की समृद्ध संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के अद्वितीय योगदान, जलङ्कजंगलङ्कजमीन की रक्षा तथा अपनी संस्कृति के संरक्षण हेतु दिए गए बलिदानों की जानकारी साझा की।

विशिष्ट अतिथि गौतम कुमार नेताम ने बताया कि जनजातीय समाज प्रकृति के अत्यंत निकट रहा है। उन्होंने जंगल, नदी, पर्वत एवं पहाड़ों के प्रति आदिवासी समाज की आस्था, पारंपरिक रीतिङ्करिवाज, सामाजिक व्यवस्था एवं सामूहिक निर्णय प्रणाली पर प्रकाश डाला। डॉ. कविता यदु ने धरती आबा बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और प्रेरणादायी विचारों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मुख्य वक्ता गणेश कुमार नेताम ने जनजातीय महानायकों के ऐतिहासिक योगदान का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने परलकोट के जमींदार गेंदसिंह के समाज, संस्कृति एवं भूमि की रक्षा के संघर्ष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर नारायण सिंह के विद्रोह, गुण्डाधुर के भूमकाल आंदोलन तथा झाड़ा सिरहा के मुरिया विद्रोह का उल्लेख किया।

तहसील परिसर मे अधिवक्ता सम्मलेन सम्मान समारोह संपन्न

राजनंदगांव/नवप्रदेश। तहसील राजस्व न्यायालय परिसर में अधिवक्ता सम्मेलन में सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन आयोजित किया गया।उक्त जानकारी देते हुए तहसील अधिवक्ता परिवार के अधिवक्ता पंकज गुप्ता, अशोक श्रीवास द्वारा बताया गया कि वरिष्ठ अधिवक्ता एम एल साहू,बृजमोहन जोशी,कामदेव वर्मा,स्वर्णकारजी के मार्गदर्शन मे अधिवक्ता सम्मलेन आयोजित किया गया.जिसमे छ ग राज्य द्वारा बैरिस्टर छेदीलाल सम्मान से सम्मानित वरिष्ठ अधिवक्ता श्री खेमचंद जैन, छत्तीसगढ़ राज्य अधिवक्ता परिषद के नवनियुक्त सदस्य श्री प्रशांत तिवारी जी के सम्मान के साथ-साथ उपभोक्ता फोरम के सदस्य श्री आनंद वर्गीस वरिष्ठ अधिवक्ता नोटरी श्री जगदीप गरचा, सात बार के कार्यकारिणी सदस्य श्री महेंद्र कुमार शर्मा का सम्मान किया गया,जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री मनोज चौधरी का भी सम्मान किया गया,आयोजन का आरंभ श्रीमती प्रज्ञा गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी राज्य गीत अरपा पैरी के धार के गायन के साथ हुआ।

बिलासपुर-यलहंका (कर्नाटक) के बीच 5 फेरे के लिए चलेगी शीतकालीन स्पेशल ट्रेन

भाटापारा/नवप्रदेश। शीतकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-यलहंका-बिलासपुर के मध्य 5-5 फेरे के लिये साप्ताहिक शीतकालीन स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है ।

गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु) शीतकालीन स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 02 दिसम्बर 2025 से 30 दिसम्बर 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा गाड़ी संख्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु) -बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन यलहंका से दिनांक 03 दिसम्बर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनादगाँव, डोंगरगढ़ एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है।

उपरोक्त संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु) शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को बिलासपुर से 11.00 बजे रवाना होगी तथा भाटापारा आगमन 11.38 बजे, प्रस्थान 11.40 बजे रवाना होकर रायपुर दुर्ग राजनादगाँव डोंगरगढ़ गोंदिया आगमन वडसा चांदाफोर्ट बल्लारशाह के रास्ते होते हुए दूसरे दिन बुधवार की शाम 18.30 बजे यलहंका पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु)-बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को यलहंका से 21.00 बजे रवाना होगी तथा धर्मवरम अनंतपुर गुत्ती गुंटकल रायचूर सिकंदराबाद काजीपेट मंचिर्याल सिरपुर कागजनगर बल्लारशाह गोंदिया होते हुए तीसरे दिन शुक्रवार को 3 बजकर 25 मिनट को भाटापारा पहुंचेगी और प्रातः 04.30 बजे बिलासपुर पहुंचेगी।

श्रीलंका में तबाही अब तक 123 मौतें,130 लापता

ऑपरेशन सागर बंधु शुरू

श्रीलंका में भयंकर चक्रवाती तूफान दितवाह ने देश भर में विनाशकारी तबाही मचा रखी है, जिससे बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हो रहा है। स्थानीय मीडिया और आपदा प्रबंधन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार तूफान के कारण 123 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 130 लोग लापता हैं। भारत ने पड़ोसी देश की गंभीर आपदा की घड़ी में सहायता भेजी है, उसके साथ ही कोलंबो के बंदरानाइक अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट (BIA) पर नागरिकों की मदद के लिए आपातकालीन हेल्प डेस्क स्थापित की है। डेली मिरर की रिपोर्ट और डीएमसी के अधिकारियों के हवाले से बचाव और राहत का काम जोरों पर है। विभिन्न जिलों में मौतों की पुष्टि हुई है। कैंडी में 51 मौतें और 67 लोग लापता है। जबकि बादुल्ला में 35 मौतों की पुष्टि हो चुकी है,वहां 27 लोग लापता है। केगाले में 9 मौतें हुई है। मटाले में 8 मौत की पुष्टि हुई है। नुवारा एलिया में 6 मौतें हुई है। जबकि अम्पारा में 5 मौत हो चुकी है। आपदा प्रबंधन केंद्र ने बताया कि दितवाह की तबाही के कारण बाढ़, भूस्खलन और तेज हवाओं से 1,02,877 परिवारों के कुल 3,73,428 लोग प्रभावित हुए हैं।

300 भारतीय यात्री फंसे

किसी भी भारतीय यात्री को मदद की आवश्यकता होने पर इमरजेंसी नंबर +94 773727832 पर संपर्क करने को कहा है। तूफान के कारण उड़ानों के रद्द होने से लगभग 300 भारतीय यात्री कोलंबो एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। राहत कार्यों को और तेज करने के लिए भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत विशेष रेस्क्यू टीमें भेजी हैं। नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) की दो विशेष टीम में 80 प्रशिक्षित रेस्क्यूअर और चार खोजी कुत्ते शामिल हैं।

भारत मानवीय संकट में श्रीलंका के साथ मज़बूती से खड़ा है। भारतीय दूतावास ने श्रीलंका में फंसे या प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए कदम उठाए हैं। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा में कहा कि कोलंबो के बंदरानाइक इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक इमरजेंसी हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। एयरपोर्ट पर फंसे यात्रियों को खाना, पानी और अन्य आवश्यक सहायता दी जा रही है। भारत से पहुंची सहायता सामग्री शनिवार सुबह 4:06 बजे हिंडन एयरबेस से इंडियन एयर फोर्स के आईएल-76 एयरक्राफ्ट से रवाना हुई। इस टुकड़ी का नेतृत्व 8वीं बटालियन के कमांडेंट पीके तिवारी कर रहे हैं। इससे पहले भारतीय वायु सेना का एक सी-130जे विमान कोलंबो पहुंचा है, जिसमें लगभग 12 टन मानवीय मदद भेजी गई थी। इस सामग्री में टेंट, तिरपाल, कंबल, हाइजीन किट और तुरंत खाने योग्य खाद्य पदार्थ शामिल थे।

डॉ. शाहीन के फ्लैट से मिले 18.5 लाख, सोने के बिस्किट और विदेशी करेंसी

डिजिटल लॉकर शाहीन ने खोला तो हैरान हो गई एनआईए टीम

फरीदाबाद। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग की कमांडर डॉ. शाहीन चार साल सऊदी अरब में भी रही है। साल 2014 से 2018 के दौरान उसने सऊदी अरब के मेडिकल कॉलेज में बतौर प्रोफेसर नौकरी की। साल 2018 में भारत लौटने के बाद 2021 तक तीन साल उसने कुछ नहीं किया। वो घर पर ही रहती थी।

तीन साल खाली रहकर फैलाया आतंकी नेटवर्क

फिर 2021 में उसने अल फ्लाह यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर की नौकरी हासिल कर ली। जांच एजेंसी के सूत्रों की मानें तो सऊदी अरब से जब वो लौटी तो आतंकी संगठन के संपर्क में आ चुकी थी। इसी दौरान जब वो तीन साल खाली रही तो वो आतंकी गतिविधियों में लिप्त हो गई और अपना नेटवर्क फैलाने लगी। इस दौरान उसे टेरर फंडिंग के रुपये भी काफी मिले।

मामले में अब तक की जांच जम्मू कश्मीर पुलिस, दिल्ली स्पेशल सेल की टीम ने की थी। इस दौरान दोनों ही टीमों ने अल फ्लाह यूनिवर्सिटी में डॉ. शाहीन के फ्लैट नंबर 32 के लॉकर आदि की जांच की। यहां पर टीम को एक डिजिटल लॉकर भी मिला था, जिसे टीम पहले खोल नहीं सकी थी। गुरुवार रात एनआईए की टीम डॉ. शाहीन को निशानदेही के लिए लेकर पहुंची तो टीम ने उससे ये डिजिटल लॉकर खुलवाया।

डॉ. मुजम्मिल और शाहीन आ गए थे बेहद करीब

साल 2021 में अल फ्लाह यूनिवर्सिटी में कार्यरत होने के बाद उसने यहां व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के तहत अन्य डॉक्टरों से संपर्क बढ़ाया। इसमें वो डॉ. मुजम्मिल के बेहद करीब आ गई थी। दोनों के बीच नजदीकीयां काफी बढ़ गई और प्यार और शादी तक ये रिश्ता पहुंच गया। इसके पीछे भी मकसद अपने नेटवर्क को बढ़ाना और अन्य लोगों को उसमें शामिल करना ही रहा।

लॉकर से 18.5 लाख कैश, सोने के बिस्किट और गहने मिले

लॉकर खोला गया तो उसमें कई सारे पैकेट दिखे जिसमें खाकी रंग की टेप भी लगी थी। शाहीन से उनके बारे में पूछा तो बोली कि इन पैकेट में सामान है। पैकेट खोलकर चेक किया तो उसमें 500 के नोट भरे थे। सभी पैकेट खोलकर चेक किए तो इनमें 18.50 लाख रुपये नकद, सोने के दो बिस्किट, गहने मिले। सोने के बिस्किट व जूलरी का कुल वजन 300 ग्राम पाया गया। इसके साथ ही सऊदी अरब की करेंसी भी लॉकर से टीम को मिली।

गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई की कस्टडी सात दिन और बढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विशेष अदालत ने गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई की न्यायिक हिरासत को सात दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। यह महत्वपूर्ण निर्णय एनआईए मुख्यालय में एक विशेष सुनवाई के दौरान लिया गया। अनमोल बिश्नोई ने अदालत में एक आवेदन दायर कर अपनी जान को खतरा होने की आशंका जताई थी। अमेरिका से भारत आने पर एनआईए की टीम ने अनमोल को गिरफ्तार कर पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था। जहां से 11 दिन की रिमांड पर भेजा गया था। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और उसके करीबी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लौटने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने गिरफ्तार कर लिया।

सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कहलाने का हक नहीं : मौलाना मदनी

नई दिल्ली। जामिया उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलद्मना महमूद मदनी ने बड़ा बयान दिया और सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने जिहाद की चेतावनी भी दी है. मौलना मदनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कहलाने का हक नहीं है, क्योंकि अदालत सरकार के दबाव में काम कर रही है. जिहाद शब्द का गलत तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन जब तक जुल्म होगा, तब तक जिहाद होगा और जहां उत्पीड़न होगा, वहां जिहाद होगा। मध्य प्रदेश के भोपाल में नेशनल गवर्निंग बॉडी की मीटिंग में मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि जिहाद पवित्र रहा है और रहेगा. सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी जैसे कई मामलों में संविधान की अनदेखी करते हुए फैसला किया. संविधान का पालन करने वाली कोर्ट सुप्रीम है, वरना सुप्रीम कहलाने की हकदार नहीं. जिहाद, इस्लाम और मुसलमानों के दुश्मनों ने जिहाद जैसी इस्लाम की पवित्र अवधारणाओं को दुर्व्यवहार, अव्यवस्था और हिंसा से जुड़े शब्दों में बदल दिया है।

मुसलमानों को पहुंचाई जा रही है ठेस

मौलान मदनी ने कहा कि लव जिहाद, भूमि जिहाद, शिक्षा जिहाद और थूक जिहाद जैसे शब्दों का इस्तेमाल करके मुसलमानों को गहरी ठेस पहुंचाई जाती है और उनके धर्म का अपमान किया जाता है. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार और मीडिया में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने में कोई शर्म महसूस नहीं करते, न ही उन्हें पूरे समुदाय को ठेस पहुंचाने की परवाह है. हलाल की अवधारणा को बदनाम किया जा रहा है।

भाईचारा ही हमारी परंपरा, झगड़ा करना हमारे स्वभाव में नहीं

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि झगड़ा या विवाद करना हमारे देश का स्वभाव नहीं है और भाईचारा और सामूहिक सद्भाव हमेशा से भारत की परंपरा रहा है। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान मोहन भागवत ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद का विचार बुनियादी तौर पर पश्चिमी विचार से अलग है। संघ प्रमुख ने कहा 'हमारी किसी के साथ बहस नहीं होती। हम विवादों से दूर रहते हैं। झगड़ा करना हमारे देश का स्वभाव ही नहीं है। मिल-जुलकर रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना ही हमारी परंपरा रहा है।' भागवत ने कहा कि 'दुनिया के अन्य हिस्से संघर्षों से भरे हालात में बने। वहां जब एक राय बन जाती है तो उसके अलावा हर विचार को अस्वीकार कर दिया जाता है। वे दूसरे के विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और इसे '...इज्म' कहना शुरू कर देते हैं।' मोहन भागवत ने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद का विचार बुनियादी तौर पर पश्चिमी व्याख्या से अलग है।

चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि बीएलओ पर जबरदस्ती का वर्क प्रेशर दिया जा रहा है। एसआईआर के लिए भाजपा को इतनी जल्दीबाजी क्यों हैं। यूपी में लगातार शादियां हो रही हैं। इस समय सब लोग व्यस्त हैं। लेकिन, इनको इससे मतलब नहीं है। फार्म भरने के लिए नगर निगम के सफाई कर्मियों को सहायक बनाया गया है। कल मैं फतेहपुर गया था, वहां मुझे पता चला कि सुपरवाइजर पर सरकार दबाव बना रही थी। इस वजह से उन्होंने आत्महत्या कर ली। आखिर इतनी जल्दी क्यों हैं? वेस्ट बंगाल के लोग कह रहे हैं कि चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे हैं। एसआईआर, भाजपा और आयोग की मिलीभगत की साजिश है। एसआईआर के मुद्दे पर संसद के बाद सड़क पर सपा उतरेगी।

आप को बड़ा झटका, प्रदेश अध्यक्ष ने थामा बीजेपी का दामन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की दिल्ली ईकाई को आज बड़ा झटका लगा है, क्योंकि पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी ज्वॉइन कर ली है. उन्होंने दिल्ली बीजेपी के हेड ऑफिस में ही प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. वहीं बीजेपी जॉइन करने के बाद राजेश गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल और सौरभ भारद्वाज पर कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। बता दें कि राजेश गुप्ता पार्टी के उपाध्यक्ष होने के साथ-साथ पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी थे और कर्नाटक में आम आदमी पार्टी के प्रभारी भी थे. इन पदों पर नियुक्ति से पहले वे दिल्ली विधानसभा की याचिका एवं अनुमान समिति के पूर्व अध्यक्ष भी थे, लेकिन बीजेपी जॉइन करने के बाद उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी भ्रष्ट हो गई है. अपनी मूल विचारधारा से भटक गई है, जिस वजह से पार्टी की छवि खराब हुई है। राजेश गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भी गंभीर आरोप लगाए।

खेल, व्यापार एवं मनोरंजन

फिक्की की कमान अनंत गोयनका के हाथों में

नई दिल्ली। इंडस्ट्री चेंबर फिक्की में नए नेतृत्व ने कमान संभाल ली है। आरपीजी ग्रुप के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने शनिवार को 2025ङ्क26 के लिए फिक्की अध्यक्ष का पद संभाल लिया। उन्होंने इमामी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन और एमडी हर्षवर्धन अग्रवाल का स्थान लिया है। यह जानकारी फिक्की द्वारा जारी बयान में दी गई।

फिक्की के अनुसार अनंत गोयनका ने कैलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए किया है और यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया के व्हार्टन स्कूल से अर्थशास्त्र में बीएस डिग्री हासिल की है।

संस्थान में अन्य शीर्ष पदों पर भी नई नियुक्तियां हुई हैं। द सनमार ग्रुप के चेयरमैन विजय शंकर ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष का कार्यभार संभाला है। डालमिया भारत लिमिटेड के एमडी और सीईओ पुनीत डालमिया को फिक्की का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नई टीम अब अगले एक वर्ष तक उद्योग जगत के हितों, नीति संवाद और आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों पर फिक्की का नेतृत्व करेगी।

चेक प्लेटफॉर्म और सारथी एप से बढ़ेगी सुरक्षा

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक पारदर्शी और मजबूत और फेयर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने के सेबी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि निवेशकों की सुरक्षा और बाजार में पारदर्शिता सबसे आवश्यक है, जिसके लिए सेबी लगातार काम कर रहा है। हमें एक ऐसा निवेश कल्चर बनाने की जरूरत है जिससे पूरे बाजार के इकोसिस्टम को लाभ मिले। सेबी अध्यक्ष 29 नवंबर को पोंडीचेरी में आयोजित निवेशक जागरुकता सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में सेबी ने चेक की सुविधा निवेशकों के लिए पेश की है। इसका उद्देश्य निवेशकों को धोखाधड़ी से सुरक्षित रखना है। यह यूपीआई आईडी की असलियत को वेरिफाई करने और पंजीकृत इंटरमीडियरी की बैंक विवरण को कंफर्म करने की सुविधा देता है। इस सुविधा में नए यूपीआई सिस्टम के साथ एक डिजिटल सत्यापन टूल है, जो निवेशकों पंजीकृत मध्यस्थों के बैंक खाते के विवरण और यूपीआई आईडी के स्वतंत्र रूप से पुष्टी करने की भी सुविधा देता है।

स्क्रिप्ट का हिस्सा नहीं था '3 इडियट्स' का यह सीन

मुंबई। साल 2009 में आई राजकुमार हिरानी की फिल्म '3 इडियट्स' ब्लॉकबस्टर हिट रही थी। फिल्म में आमिर खान के अलावा आर माधवन और शरमन जोशी ने अहम किरदार निभाए थे। कम लोगों को याद होगा कि फिल्म में जावेद जाफरी ने भी अहम रोल प्ले किया था। उनकी एंट्री फिल्म के सेकेंड हाफ में होती है जब वो दोनों दोस्तों और करीना कपूर को उनके दोस्त रणछोड़ दास चांचड़ की असली कहानी बताते हैं। कम लोग जानते हैं कि फिल्म में एक सुपर फनी सीन ऐसा था, जो स्क्रिप्ट का हिस्सा नहीं था।

राजकुमार हिरानी और अभिजात जोशी ने यह सीन फिल्म की शूटिंग के दौरान ही लिखा। इसके पीछे का आइडिया यह था कि चीजें सटीक नहीं बैठ रही थीं और जावेद जाफरी का आर माधवन, करीना और शरमन जोशी को आमिर खान के किरदार की असलियत बताने वाला जीन जस्टिफाइड नहीं लग रहा था। ऐसे में राइटर अभिजात जोशी ने सीन की गहराई और लेखनी के एक बुनियादी सीन को ध्यान में रखते हुए वो सीन जोड़ा जिसमें शरमन जोशी अस्थियों को टॉयलेट में फ्लश करने की धमकी देते हैं।

राइटर अभिजात जोशी ने एक इवेंट में बातचीत के दौरान बताया, ÷पहले टेंशन को बढ़ने दीजिए और फिर अचानक यह एक धमाके की तरह फटता है। इंटरवल के बाद माहौल बहुत तनावपूर्ण हो जाता है कि अरे यह तो गलत आदमी है।

रोहित शर्मा की नजरें इंडिया vs अफ्रीका वनडे सीरीज में 10 बड़े रिकॉर्ड्स पर

नई दिल्ली। इंडिया वर्सेस साउथ अफ्रीका तीन मैच की वनडे सीरीज का आगाज रविवार 30 नवंबर से होने जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की नजरें 1-2 नहीं बल्कि 10 बड़े रिकॉर्ड्स पर होगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी वनडे में शतक जड़ने के बाद रोहित शर्मा एक बार फिर अपने बल्ले से धूम मचाने के लिए तैयार हैं। इन 10 बड़े रिकॉर्ड्स में शतकों का एक ऐसा रिकॉर्ड है जिसमें 'क्रिकेट के भगवान' कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर भी पिछड़ सकते हैं। जी हां, आईए एक नजर उन 10 रिकॉर्ड्स पर डालते हैं जिन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा अपने नाम करना चाहेंगे-

रोहित शर्मा को ODI फॉर्मेट में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले खिलाड़ी बनने के लिए 3 छक्कों की दरकार है। वह 349 छक्कों के साथ फिलहाल दूसरे पायदान पर हैं। वहीं शाहिद अफरीदी 351 छक्कों के साथ टॉप पर हैं।

रोहित शर्मा IND vs ODI सीरीज में अगर 7 छक्के लगाते हैं तो वह इंटरनेशनल क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज़्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं।

रोहित शर्मा इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन के आंकड़े से 98 रन दूर हैं। अगर वह इस सीरीज में इतने रन बनाते हैं तो वह 20 हजार रन का जादुई आंकड़ा छूने वाले -सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और विराट कोहली के बाद चौथे भारतीय बन जाएंगे।

रोहित शर्मा बतौर ओपनर 16 हजार इंटरनेशनल रन पूरा करने से 213 रन दूर हैं।

रोहित शर्मा बतौर भारतीय ओपनर सभी फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने से मात्र एक कदम दूर हैं। फिलहाल सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा 45-45 शतकों के साथ टॉप पर हैं। एक शतक लगाते ही रोहित सचिन को पछाड़ देंगे।

रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा छक्के लगाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड से 8 छक्के दूर हैं।

संक्षिप्त खबरें

पौने 3 तोला सोना लेकर चेन बनाकर नहीं दिया ज्वेलर्स ने

बिलासपुर/नवप्रदेश। शत्रुहुन सिंह राठौर ने लिखित में थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसने 25 अगस्त 2025 को घर का पुराना इस्तेमाली सोने का चेन, लाकेट वजन 28 ग्राम लेकर नया चैन बनवाने सदर बाजार शुक्ला काम्प्लेक्स में स्थित श्रेया ज्वेलर्स के संचालक शेष सोनी को दिया. उसने एक सप्ताह बाद 28 ग्राम का चेन बनाकर देने की बात कही. लेकिन तय तिथि पर फिर चेन बनाकर नहीं दिया. और टालमटोल करते रहा. कुछ दिनों पूर्व वह अपनी दुकान बंद कर कहीं चला गया है. सिटी कोतवाली पुलिस ज्वेलर्स के संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में ले लिया है.

करंट से मासूम की मौत, पड़ोसी के खिलाफ मामला दर्ज

कोरबा/नवप्रदेश। रजगामार चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केसला निवासी रंजेश दास को 3 वर्षीय पुत्री कु. अंजनी दास वर्ष 2024 में खेलने के लिए धीरजदास के किराए के मकान में गई हुई थी। धीरज दास के मकान अंदर उपर दीवाल पर विद्युत तार खींचकर नीचे में एक स्टेण्ड पंखा लापरवाही पूर्वक लगा रखा था, जिसमें विद्युत प्रवाहित हो रहा था जिसमें कु. अंजनी दास खेलते खेलते पंखा से चिपक गया था। कुछ समय पश्चात बालिका को ईलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया गया। मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही थी, जांच उपरांत पुलिस ने इस मामले में धीरज दास के खिलाफ धारा 106 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

पीडीएस दुकानों से खाद्यान्न सामग्री के वितरण में कोताही, ग्रामीणों में गुस्सा

कोरबा/नवप्रदेश। जिले के ग्रामीण अंचलों के पीडीएस दुकानों से खाद्यान्न वितरण में बरती जा रही कोताही से हितग्राही परेशान हो रहे हैं। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम पचरा पंचायत में नवंबर माह के कोटे का चावल पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंचने के कारण सभी हितग्राहियों को चावल का वितरण नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत पचरा में राशन वितरण की समस्या खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। यहां लगातार एक महीने लेप्स होकर चावल पहुंच रहा है। नवंबर माह का चावल अब तक गांव नहीं पहुंचा, जबकि नियम के अनुसार हर महीने का चावल उसी माह में पीडीएस दुकान तक पहुंचकर ग्रामीणों को वितरित होना चाहिए लेकिन पचरा पंचायत में हालात बिल्कुल उलटे हैं। सितंबर का चावल अक्टूबर में और अक्टूबर का चावल नवंबर में ही वितरण दिखा दिया गया। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्राम पंचायत के कुल आबंटन के अनुसार हर महीने 163 क्विंटल चावल पहुंचना चाहिए लेकिन अक्टूबर में सिर्फ 100 क्विंटल और नवंबर में 150 क्विंटल चावल ही भेजा गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह नवंबर का नहीं बल्कि अक्टूबर महीने का चावल है। नान गोदाम से फूड इंस्पेक्टर के निर्देश पर चावल भेजा जाता है, ऐसे में पचरा पंचायत में राशन वितरण में लगातार हो रही गड़बड़ी प्रशासन की लापरवाही को दर्शाती है।

एसआईआर पर भाजपा की विधानसभा स्तरीय बैठक

डोंगरगांव/नवप्रदेश। एसआईआर पर भाजपा की विधानसभा स्तरीय बैठक का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत की उपस्थिति में किया गया। बैठक में विधानसभा अंतर्गत आने वाले पांचों मंडलों के पदाधिकारी शामिल हुए। वक्ता के रूप में जिलाध्यक्ष राजपूत, विधानसभा प्रभारी दिनेश गांधी, विधानसभा के बीएलओ 1 गुलशन हिरवानी मौजूद थे। संयुक्त बैठक में जिलाध्यक्ष राजपूत, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष गांधी, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, जिला महामंत्री डीकेश साहू, जिला उपाध्यक्ष लहरवानी, रविन्द्र वैष्णव, रामकुमार गुप्ता, जिला पंचायत सभापति जागृति चुन्नी यदु, अंजू त्रिपाठी, जनपद अध्यक्ष रंजीता पड़ौती, मनीष साहू, विवेक मंडावी, पार्षद पुरुषोत्तम साहू, लीलाराम मंडलोई, कोमल साहू, लक्ष्मी सेन, पद्मिनी ठाकुर, गायत्री यादव, निर्मला मालेकर, दुर्गेश रामटेके, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, महामंत्री हेमंत चोपड़ा, संतोष यादव, महेश्वर साहू, योगेश पटेल, भुवन साहू, दिनेश साहू, अजय वैष्णव, विजय जैन, तुमड़ीबोड़ अध्यक्ष जागेश्वर यदु, लालबहादुर नगर मंडल मनोज वर्मा, मुसरा मुरमुन्दा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, रमजान बडगुजर, अरूण जैन, दयानंद सेन, वीरेंद्र साहू, भावेश निक्की, सतीश पांडेय, हेमलाल वर्मा, भीषन कुमार, कुंती आल्हा, सुशीला ठाकुर, नीलम मानिकपुरी, प्रकाश गुप्ता, गौरव यदु, वैभव ठाकुर, चंदू सोनकर आदि ने शिरकत की।

युवती से दुष्कर्म करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़/नवप्रदेश। लैलूंगा पुलिस ने युवती से दुष्कर्म मामले में सहयोगी रहे ग्राम टटकेला निवासी भोलेश्वर सिदार उर्फ भोले (21 वर्ष) को कल रात मुखबिर सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी घटना के बाद से गिरफ्तारी के भय से लगातार पुलिस से बचता फिर रहा था। पीड़ित युवती ने 7 नवंबर को थाना लैलूंगा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें मुख्य आरोपी अजय अगरिया द्वारा दुष्कर्म किए जाने की बात कही गई थी, जबकि उसके साथी किशन सिदार, महेश राम सिदार और भोलेश्वर सिदार को अपराध में सहयोगी बताया गया था। लैलूंगा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अगले ही दिन मुख्य आरोपी अजय अगरिया सहित किशन सिदार और महेश राम सिदार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया था। फरार चल रहे सह आरोपी भोलेश्वर सिदार उर्फ भोले को थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव द्वारा लगाए गए मुखबिर तंत्र की मदद से पकड़ा गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ मारपीट, जुर्म दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। ब्यारा के सामने घर बनाने का विरोध करते हुए तीन लोगों ने अछरीडीह की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, उसकी मां और बहन के साथ से मारपीट कर दी। मामले में तुमगांव पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। अछरीडीह निवासी सतवंतीन बंजारे ने थाने में शिकायत की है कि वह 27 नवंबर की सुबह तालाब की ओर से घर वापस जा रही थी। सुबह 10.30 बजे गांव के विकास वंशे, प्रवीण वंशे और पुष्पा बाई ने हमारे ब्यारा के सामने में क्यों घर बना रहे हो कहकर गाली-गलौज कर उसकी मां के साथ मारपीट कर रहे थे। उसने मारपीट करने से मना किया तो विकास वंशे रॉड से उनके पेट को मारने लगा, रोकने पर बांई कलाई में चोट आई है। उसी समय उसकी बहन सफुरा कोसले बीच बचाव करने आई तो उनके साथ भी मारपीट की गई।

शिकार के लिए लगाए बिजली वायर की चपेट में आकर एक की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिछाए गए करंट तार की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई वहीं एक अन्य घायल है। बलौदा पुलिस ने जांच के बाद अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने अंतरझोला थाना बलौदा निवासी गोविंद नंद (23) की मर्ग जांच की। जांच के दौरान सूचक व गवाहों का कथन लिया गया। जांच में पाया गया कि आरोपी संन्यासी लोहार ने 11 हजार केवी बिजली लाइन से जंगली जानवर का शिकार करने के उद्देश्य से करीब 540 मीटर तार लगाकर रखा था, जिसकी चपेट में आने से गोविंद नंद की मौत हो गई।

20 हाथियों के दल ने तोड़ा मकान, लोगों ने भागकर बचाई जान

रायगढ़/नवप्रदेश। धरमजयगढ़ वनमंडल के कापू रेंज में सुबह लगभग 4 बजे 20 हाथियों का झुंड एक गांव में आ गया। हाथियों ने वहां एक कच्चा मकान तोड़ दिया। घर में रह रहे लोग किसी तरह बाहर निकले और भागकर अपनी जान बचाई। हाथियों ने खेतों में रखी धान की फसल को भी नुकसान पहुंचाया है। वन विभाग अभी नुकसान का पता लगा रहा है।

जानकारी के अनुसार कापू वन परिक्षेत्र के जंगल में 20 हाथियों का एक झुंड घूम रहा था। झुंड जंगल से निकलकर मिरीमुड़ा बीट के फिटिंगपारा गांव में पहुंच गया। खाने की तलाश में हाथियों के झुंड में से 2 हाथियों ने रूचा यादव के घर की कच्ची दीवार तोड़ दी। हाथियों के आने की खबर मिलते ही रूचा यादव और उनके परिवार के लोग किसी तरह घर से बाहर निकले और अंधेरे में सुरक्षित स्थान की ओर भागकर अपनी जान बचाई। इसके अलावा खम्हार गांव के पूर्व सरपंच चिंतामणि राठिया ने अपने खेत में मिसाई के लिए धान इकट्ठा किया था, जिसे

हाथियों ने रौंदकर पूरी तरह बर्बाद कर दिया। हाथियों के आने की सूचना वन विभाग को दी गई। इसके बाद वनकर्मी मौके पर पहुंचे और नुकसान का आंकलन करना शुरू कर दिया है।

दल में इतने हाथी शामिल

धरमजयगढ़ वन मंडल में अभी कुल 31 हाथी हैं। इनमें 17 नर हाथी, 9 मादा हाथी और 5 हाथी शावक शामिल हैं। कुछ हाथी अलग-अलग रेंज में अकेले घूम रहे हैं, जबकि 20 हाथियों का एक झुंड कापू रेंज में मौजूद है।

12 लाख 48 हजार 680 रूपए की अवैध धान जब्त

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान बिक्री की रोकथाम के लिए कोचियों औपॉर बिचौलियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। आने वाले समय में कोचियों एवं बिचौलियों द्वारा अवैध धान की बिक्री करने की पुनरावृत्ति होने एवं संलिप्त पाए जाने पर अपराधिक प्रकरण भी दर्ज किए जा सकते हैं। इसी कड़ी में राजस्व, खाद्य, मंडी विभाग के संयुक्त दल द्वारा कुल 10 प्रकरणों में 12 लाख 48 हजार 680 रूपए मूल्य के 402।80 क्विंटल (1007 बोरा) अवैध धान जप्त किया गया।

इसी तरह खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक कुल 111 प्रकरणों में 4 करोड़ 67 लाख 6 हजार 646 रूपए मूल्य के 15066।66 क्विंटल (37667 बोरा) अवैध धान एवं 7 वाहन जप्त किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार आज राजनांदगांव अनुविभाग में 3 प्रकरण में 6 लाख 10 हजार 80 रूपए मूल्य के 196।80 क्विंटल (492 बोरा) अवैध धान, डोंगरगढ़ अनुविभाग में

ग्राम बागरेकसा में 117 क्विंटल धान जप्त

कलेक्टर जितेन्द्र यादव निर्देशानुसार जिले में अवैध धान बिक्री की रोकथाम के लिए कोचियों एवं बिचौलियों तथा अवैध धान परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगढ़ एम भार्गव के नेतृत्व में राजस्व, खाद्य, मंडी विभाग के संयुक्त दल द्वारा ग्राम बागरेकसा में ढालचंद मेश्राम के गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में रखे 117 क्विंटल धान को मंडी अधिनियम के तहत जप्त करने की कार्रवाई की गई।

3 प्रकरणों में 1 लाख 48 हजार 800 रूपए मूल्य के 48 क्विंटल (120 बोरा) एवं डोंगरगांव अनुविभाग में कुल 4 प्रकरणों में 4 लाख 89 हजार 800 रूपए मूल्य के 158 क्विंटल (395 बोरा) अवैध धान जप्त किया गया है। इसी तरह खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक राजनांदगांव अनुविभाग में कुल 43 प्रकरणों में 2 करोड़ 64 लाख 90 हजार 120 रूपए मूल्य के 8545।20 क्विंटल (21363 बोरा) अवैध धान व 2 वाहन, डोंगरगढ़ अनुविभाग में 34 प्रकरण में 92 लाख 86 हजार 546 रूपए मूल्य के 2995।66 क्विंटल (7489 बोरा) अवैध धान व 2 वाहन तथा डोंगरगांव अनुविभाग में कुल 34 प्रकरणों में 1 करोड़ 9 लाख 29 हजार 980 रूपए मूल्य के 3525।80 क्विंटल (8815 बोरा) अवैध धान एवं 3 वाहन जप्त किया गया है।

जिले में कोचियों एवं बिचौलियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिले के 1500 छोटे एवं बडे मंडी अनुज्ञप्तिधारियों को सूचीबद्ध कर अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं खाद्य व मंडी के अधिकारियों को जांच कर अवैध रूप से भंडारित धान जप्त किए जाने तथा सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिये गये है। जिले में अंतर्राज्यीय अवैध धान आवक के रोकथाम हेतु जिले में कुल 3 अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट बोरतलाब, पाटेकोहरा एवं कल्लूबंजारी स्थापित किया गया है। जहां पर मंडी, नगर सेना, वन विभाग एवं राजस्व के अधिकारियों द्वारा तीन पालियों में 24 घंटे की ड्यूटी लगाई गई है।

बिलासपुर से भोपाल व्हाया गोंदिया–बालाघाट के बीच ट्रेन चलाने की मांग

बिलासपुर/नवप्रदेश। छात्र युवा नागरिक रेलवे जोन संघर्ष समिति की ओर से केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू को ज्ञापन सौपा गया. इसमें समिति ने नागपुर से शहडोल व्हाया छिंदवाड़ा-जबलपुर चल रही ट्रेन को बिलासपुर तक बढ़ाने और बिलासपुर से भोपाल व्हाया गोंदिया-बालाघाट-छिंदवाड़ा ट्रेन चलाने की मांग की है. केंद्रीय राज्य मंत्री को ज्ञापन नई दिल्ली में सौपा गया. इसमें उनको बताया गया कि रेलवे जोन का क्षेत्र छिंदवाड़ा तक आता है.

परंतु जबलपुर गोंदिया लाइन और नैनपुर से छिंदवाड़ा लाइन पर पढ़ने वाले स्टेशनों से कोई सीधी रेल सुविधा जोन मुख्यालय बिलासपुर कके लिए नहीं है. ज्ञापन में नागपुर से शहडोल के बीच चलने वाली 11201 और 11202 इंटरसिटी एक्सप्रेस को बढ़कर बिलासपुर तक चलाने की मांग की है. इसके अलावा छात्र युवा नागरिक रेलवे जोन संघर्ष समिति ने बिलासपुर से भोपाल के बीच एक नई तरह साप्ताहिक ट्रेन व्हाया गोंदिया-बालाघाट नैनपुर-सिवनी-छिंदवाड़ा-बैतूल-इटारसी होकर चलाने की मांग की है. समिति के प्रस्ताव के अनुसार यह ट्रेन बिलासपुर से शाम 4-30 बजे प्रति रविवार, बुधवार और शुक्रवार को चलकर को चलकर दूसरे दिन सुबह 9.30 पर भोपाल पहुंचेगी और उसी दिन शाम यानी सोमवार, गुरुवार और शनिवार को शाम 7.30 बजे चलकर दूसरे दिन दोपहर 12.30 बजे बिलासपुर पहुंच जाएगी. समिति द्वारा दिए गए ज्ञापन पर राज्य मंत्री तोखन साहू ने सकारात्मक रूप दिखाया है और उक्त दोनों ट्रेन की मांग रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से करने का भरोसा दिलाया.

राज्य महिला आयोग की 11वीं जनसुनवाई

कोरबा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभा कक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। यह प्रदेश स्तर पर 354वीं और जिले की 11वीं जनसुनवाई रही, जिसमें महिला उत्पीड़न और पारिवारिक विवादों से जुड़े विभिन्न मामलों पर सुनवाई की गई। जनसुनवाई में एक महत्वपूर्ण प्रकरण दीनदयाल एलआईजी हाउसिंग के मकान की रजिस्ट्री से जुड़ा था। आवेदिका की मां ने वर्ष 2014 में अनावदक से मकान खरीदा था। कब्जा उसी वर्ष दे दिया गया, वहीं परिवार लगातार वहीं निवास कर भी रहा है, लेकिन आज तक मकान की रजिस्ट्री नहीं की गई। अनावेदक ने सुनवाई में स्वीकार किया कि उसने आवेदिका की मां से 2 लाख रुपये नगद, 3.50 लाख रुपये का चेक प्राप्त किया था। इसकी पुष्टि उसने 2023 में थाना कटघोरा को लिखे पत्र में भी की थी। हालांकि अनावेदक का दावा है कि 3.50 लाख रुपये उसके खाते में जमा नहीं हुए, और चेक डिसऑनर की कोई शिकायत भी नहीं की गई। आयोग ने अनावेदक के इस दावे को असत्य प्रतीत बताया और मामले को गंभीर माना। आयोग ने निर्देश दिए कि अगली सुनवाई जनवरी 2026 में होगी। इस दौरान अनावेदक को 23 दिसंबर 2015 के चेक के साथ सखी सेंटर में उपस्थित होना होगा। आवेदिका को अपनी बैंक स्टेटमेंट प्रस्तुत करनी होगी, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि 3.50 लाख रुपये का भुगतान वास्तव में हुआ था या नहीं।

महिला आयोग को आवारा कुत्तों को भोजन कराने को लेकर भी शिकायत प्राप्त हुई थी। आयोग ने दोनों पक्षों को समझाइश देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थान पर रात के समय आवारा पशुओं को भोजन कराने के प्रयास बंद करें। शासन की अनुमति से निर्धारित समय में ही भोजन देने और स्थान का ध्यान रखना आवश्यक है।

सिराज बने छग सहायक शिक्षक समग्र फेडरेशन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राठौर ने सिराज बक्श को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी हैं। अपनी नियुक्ति के लिए उन्होंने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राठौर, संयोजक मनीष मिश्रा के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जिस विश्वास के साथ संगठन ने उन्हें यह महती जवाबदारी सौंपी है वे पूरी ईमानदारी और जवाबदारी के साथ निर्वाहन करेंगे। सिराज ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता सहायक शिक्षकों की लंबित वेतन विसंगति का निराकरण कराना होगा। साथ ही संगठन को रचनात्मक एवं सृजनात्मक कार्य की दिशा में आगे लाना उनका उद्देश्य होगा। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनने पर जिला अध्यक्ष ईश्वर चंद्राकर,बीपी मेश्राम, बाबूलाल ध्रुव, प्रकाश बघेल, शरण दास, गणेश चौहान, कमलेश पटेल, विजय राजपूत, अजय बंजारे, राजेश चंद्राकर, राजेश भालेराव, मुकेश बेस, अभिषेक सालोमन, आत्माराम साहू, लव निर्मलकर, खुमान ध्रुव, ललित साहू, मनोज साहू आदि ने हर्ष जताया है।

कन्या महाविद्यालय में मना छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस

महासमुंद/नवप्रदेश। शासकीय माता कर्मा कन्या महाविद्यालय में 28 नवंबर को छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सरस्वती वर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा की समृद्ध परंपरा, गौरव और संवैधानिक प्रतिष्ठा को रेखांकित करते हुए जनसमुदाय में छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रति जागरुकता, गर्व एवं भाषा-संवर्धन की भावना पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

सहायक प्राध्यापक हिन्दी ओंकार प्रसाद साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान है, बल्कि यह जनमानस की भावनाओं, लोकजीवन और परंपराओं की संवाहक भी है। उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वे अपनी मातृभाषा के संरक्षण और प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाएं। महाविद्यालय की छात्राओं ने भी छत्तीसगढ़ी कविता पाठ, लोकगीत, भाषण के माध्यम से भाषा की विविधता और सौंदर्य छत्तीसगढ़ी भाषा की विकास यात्रा, साहित्यिक परंपरा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापक जगदीश प्रसाद खटकर ने कहा कि महाविद्यालय आगामी समय में छत्तीसगढ़ी भाषा पर शोध, कार्यशालाएँ और साहित्यिक गतिविधियाँ आयोजित कर भाषा-संवर्धन के प्रयासों को और मजबूत करेगा।

टीचर के अचानक स्थानांतरण को लेकर बच्चों ने स्थानीय पुराने बस स्टैंड़ में चक्का जाम किया

शिक्षक के लिए सड़क पर उतरे सैंकड़ों छात्र

छुरिया/नवप्रदेश। आत्मानंद स्कूल हिन्दी मीडियम के बच्चों ने आज अपने विषय टीचर के अचानक हुये स्थानांतरण को लेकर बच्चों ने स्थानीय पुराने बस स्टैंड़ में चक्का जाम किया। आत्मानंद स्कूल हिन्दी मीडियम के एक कामर्स के शिक्षक के अचानक स्थानांतरण हो जाने से स्कूल के बच्चों ने दुखी मन से शुक्रवार को स्थानीय पुराने बस स्टैंड़ में चक्का जाम कर दिया।

पूछताछ करने पर पता चला कि जहां एक ओर आत्मानंद स्कूल में पहले से ही शिक्षकों की कमी है और उसके बावजूद एक और शिक्षक का स्थानांतरण हो गया जिससे बच्चे अपनी पढ़ाई को लेकर बहुत

चिंतित हो गये और क्योंकि हाई स्कूल के बच्चों की परीक्षा दो महीने में होने वाली है और अभी कोर्स भी पूरा नहीं हुआ है चूंकि स्थानांतरण होने वाले शिक्ष अपने मृदुभाषी और मिलनसार होने के अलावा पढ़ाने में कुशल एवं सक्षम हैं जिनके यहां से चले जाने के बाद बच्चों को अपनी पढ़ाई अंधकारमय लगने लगी जिसके कारण सभी बच्चों ने अपना आक्रोश प्रदर्शन करने के लिये चक्का जाम किया। बच्चों ने एक स्वर में कहा कि यदि हमारे कामर्स शिक्षक का स्थानांतरण होता है हम सब बच्चों को उनकी टीसी दे दी जाये हम सब बच्चे अपने इन शिक्षक के बिना नहीं पढ़ सकेंगे।

आत्मानंद स्कूल के प्राचार्य से जब इस समस्या को लेकर बात की तो उन्होंने बताया कि जैसा कि डीईओ कार्यालय राजनांदगांव से प्राप्त आदेश के अनुसार स्थानांतरण हो गया है। जिस बात को लेकर आज स्कूल के सारे बच्चें सड़क पर निकल गये और अपने आक्रोश का प्रदर्शन किया। प्राचार्य ने बच्चों को बताया कि स्थानांतरित शिक्षक का स्थानांतरण रोक दिया गया है और समझाया गया है तब बच्चों ने अपने चक्काम जाम को समाप्त किया। साथ बच्चों के प्रिय कामर्स शिक्षक और नायब तहसीलदार छुरिया, थाना प्रभारी छुरिया, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी छुरिया ने भी समझाईश दी कि उनके शिक्षक का स्थानांतरण रूकवा दिया गया है तब जाकर मामला शांत हुआ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com